THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 176 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.14 2079 शुक्रवार, 9 सितंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के खिलाफ छापेमारी सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च और एक एनजीओ पर भी रेड

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के खिलाफ कर चोरी के मामले में कई राज्यों में छापेमारी की है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इन सभी राजनीतिक दलों पर संदिग्ध फंडिंग जुटाने के बाद कर चोरी करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि चुनाव आयोग की सिफारिश पर यह कार्रवाई की गई है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस बीच खबर है कि आयकर विभाग ने दिल्ली में स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) पर भी छापेमारी की है।

पीएम ने किया सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का उद्घाटन

मोदी बोले : गुलामी का प्रतीक राजपथ अब कर्तव्यपथ बन गया, हम कल की तस्वीर में नए रंग भर रहे

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार शाम 8 बजे इंडिया गेट के सामने कर्तव्य पथ का उद्घाटन किया। वे शाम 7 बजे कर्तव्य पथ पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण किया। 19 महीने तक लगातार चले काम के बाद सेंट्रल विस्टा एवेन्यू बनकर तैयार हुआ है।

पीएम मोदी ने कहा, आजादी के अमृत महोत्सव में, देश को आज एक नई प्रेरणा मिली है, नई ऊर्जा मिली है। आज हम गुजरे हुए कल को छोड़कर, आने वाले कल की तस्वीर में नए रंग भर रहे हैं। आज जो हर तरफ ये नई आभा दिख रही है, वो नए भारत के आत्मविश्वास की आभा है। उन्होंने कहा कि गुलामी का प्रतीक किंग्सवे यानी राजपथ, आज से इतिहास की बात हो गया है, हमेशा के लिए मिट गया है। आज कर्तव्य पथ के रूप में नए इतिहास का सृजन हुआ है। मैं सभी देशवासियों को आजादी के इस अमृतकाल में, गुलामी की एक और पहचान से मुक्ति के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आज इंडिया गेट के समीप हमारे राष्ट्र नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की विशाल मूर्ति भी स्थापित हुई है। गुलामी के समय यहां ब्रिटिश राजसत्ता के प्रतिनिधि की प्रतिमा लगी हुई थी। आज देश ने उसी स्थान पर नेताजी की मूर्ति की स्थापना करके आधुनिक, सशक्त भारत की प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी है। सुभाष चंद्र बोस ऐसे महा मानव थे, जो पद और संसाधनों की चुनौती से परे थे। उनकी स्वीकार्यता ऐसी थी कि पूरा विश्व उन्हें नेता मानता था। उनमें साहस था, स्वाभिमान था। उनके पास विचार थे, विजन था। उनमें नेतृत्व की क्षमता थी, नीतियां थीं।

अगर आजादी के बाद हमारा भारत सुभाष बाबू की राह पर चला होता तो आज देश कितनी ऊंचाइयों पर होता! लेकिन दुर्भाग्य से, आजादी के बाद हमारे इस महानायक को भुला दिया गया। उनके विचारों को, उनसे जुड़े प्रतीकों तक को नजरअंदाज कर दिया गया। आज भारत के संकल्प और लक्ष्य अपने हैं। हमारे प्रतीक और पथ अपने हैं। आज राजपथ का अस्तित्व खत्म हुआ है तो ये गुलामी की मानसिकता का पहला उदाहरण नहीं है। यह निरंतर चलने वाली संकल्प यात्रा है। देश के प्रधानमंत्री जहां रहते आए हैं। वह लोक कल्याण मार्ग हो चुका है।

नेताजी की प्रतिमा के लोकार्पण के न्यौते की भाषा पर भड़कीं ममता

2024 लोकसभा चुनाव पर दिया बड़ा बयान

कोलकाता, 8 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम व टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी एक बार फिर केंद्र सरकार पर भड़क गई हैं। दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आज होने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रतिमा लोकार्पण समारोह के न्यौते की भाषा पर नाराजगी जताते हुए बनर्जी ने कहा कि वह कोई उनकी बंधुआ मजदूर नहीं हैं।

उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि 2024 में हम बंगाल से एक खेल की शुरूआत करेंगे। हेमंत सोरेन, अखिलेश यादव, नीतीश कुमार, मैं और अन्य साथी एकजुट होंगे। फिर भाजपा सरकार कैसे बनाएंगे? भाजपा सरकार की कोई जरूरत नहीं है। बनर्जी ने कहा कि दिल्ली में नेताजी की नई प्रतिमा बनाने का मुझे बुरा लगा है, पुरानी प्रतिमा का क्या हुआ? दूसरा यह है कि जिस ढंग से मुझे कार्यक्रम में शरीक होने का न्यौता दिया गया, वह भी अच्छा नहीं है। दिल्ली में नेताजी की प्रतिमा के उद्घाटन समारोह को लेकर मुझे एक अवर सचिव का पत्र मिला। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री आज प्रतिमा का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम शुरू होने से पहले आप वहां मौजूद रहें। इस भाषा पर आपत्ति प्रकट करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, क्या मैं उनकी बंधुआ मजदूर हूं। ममता बनर्जी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की हालिया भारत यात्रा के वक्त उन्हें मुलाकात के लिए केंद्र द्वारा आमंत्रित नहीं करने पर भी नाराजगी जताई।

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ की हालत नाजुक

लंदन, 8 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की हालत नाजुक है। महारानी 96 साल की हैं। डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल सुपरविजन में रखा है। बकिंघम पैलेस की ओर से महारानी की हेल्थ पर बयान जारी किया गया है। डॉक्टर महामहिम के स्वास्थ्य के लिए चिंतित हैं। स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कासल में उनका इलाज चल रहा है। द टेलीग्राफ की खबर की मुताबिक, क्वीन के परिवार के लोग अब बाल्मोरल कासल में पहुंचने लगे हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने भी इस खबर पर चिंता जताई है।

हिजाब से न करें पगड़ी और कृपाण की तुलना, संविधान से मिली है अनुमति : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को भी हिजाब मामले पर सुनवाई जारी रहा। इस दौरान अदालत ने कहा कि सिखों के कृपाण और पगड़ी की हिजाब से कोई तुलना नहीं है क्योंकि सिखों के लिए पगड़ी और कृपाण पहनने की अनुमति है।

न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध को बरकरार रखने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की। एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील निजामुद्दीन पाशा ने कृपाण और पगड़ी और हिजाब के बीच समानता लाने की कोशिश की। पाशा ने कहा कि हिजाब मुस्लिम लड़कियों की धार्मिक प्रथा का हिस्सा है और पूछा कि क्या लड़कियों को हिजाब पहनकर स्कूल आने से रोका जा सकता है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि सिख छात्र भी पगड़ी पहनते हैं। पाशा ने जोर देकर कहा कि सांस्कृतिक प्रथाओं की रक्षा की जानी चाहिए। इस पर न्यायमूर्ति गुप्ता ने कहा कि सिखों के साथ तुलना उचित नहीं हो सकती है क्योंकि कृपाण ले जाने को संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त है। इसलिए प्रथाओं की तुलना न करें। जस्टिस गुप्ता ने कहा कि पगड़ी पर वैधानिक आवश्यकताएं बताई गई हैं और ये सभी प्रथाएं देश की संस्कृति में अच्छी तरह से स्थापित हैं। पाशा ने फ्रांस जैसे विदेशी देशों का उदाहरण देने की कोशिश की। जस्टिस गुप्ता ने कहा कि हम फ्रांस या ऑस्ट्रिया जैसा नहीं बनना चाहते। कोर्ट ने कहा कि हम भारतीय हैं और भारत में रहना चाहते हैं। पाशा ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले का विरोध करते हुए कहा कि हिजाब मुस्लिम महिलाओं की सुरक्षा करता है। पाशा ने कहा कि कर्नाटक हाई कोर्ट के निष्कर्ष कि हिजाब एक सांस्कृतिक प्रथा है, धारणा पर आधारित है। उन्होंने अपने तर्कों का समर्थन करने के लिए विभिन्न धार्मिक पुस्तकों का हवाला दिया। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि यह गलत व्याख्या है कि हाई कोर्ट ने माना कि हिजाब एक सिफारिश न कि आवश्यकता। वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने कहा कि हर धार्मिक प्रथा जरूरी नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है कि राज्य इसे प्रतिबंधित करता रहता है।

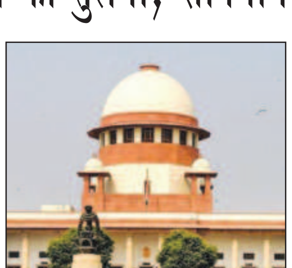

गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स पीपी-15 के क्षेत्र में डिसइंगेजमेंट शुरू, भारत-चीन ने जारी किया संयुक्त बयान

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स पीपी-15 के क्षेत्र में भारतीय और चीनी सैनिकों ने समन्वित और नियोजित तरीके से डिसइंगेज करना शुरू कर दिया है। भारत-चीन की ओर से संयुक्त बयान जारी कर यह जानकारी दी गई।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि आज भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक के 16वें दौर में बनी आम सहमति के अनुसार, गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स (पीपी-15) के क्षेत्र में भारतीय और चीनी सैनिकों ने समन्वित और नियोजित तरीके से पीछे हटना शुरू कर दिया है। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में शांतिपूर्ण माहौल बनाने में मदद मिलेगी। इससे पहले 16वें दौर की भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक 17 जुलाई को भारत की तरफ चुशुल-मोल्दो सीमा मिलन स्थल पर हुई थी। इसमें दोनों पक्ष पश्चिमी क्षेत्र में जमीन पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत हुए थे। इस दौरान हॉट स्प्रिंग क्षेत्र के पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 से सैनिकों की वापसी पर सहमति बनी थी। बैठक में दोनों पक्ष संपर्क में रहने और सैन्य एवं राजनयिक माध्यमों की मदद से बातचीत बनाए रखने और शेष मुद्दों को पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान पर जल्द से जल्द काम करने पर सहमत हुए थे। भारत और चीन के बीच 16वें दौर की सैन्य वार्ता करीब साढ़े बारह घंटे तक चली थी। इस दौरान भारत ने फिर से चीन पर दबाव डाला कि वह पूर्वी लद्दाख के विवाद वाले क्षेत्रों से सेना पूरी तरह पीछे हटाए। गौरतलब है कि मई 2020 में जब दोनों देशों की सेनाओं के बीच गतिरोध बढ़ा था तब से भारत-चीन के सैनिकों को पैट्रोलिंग पॉइंट 15 के पास एक दूसरे के विपरीत तैनात किया गया है।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा दिन

भाजपा सरकार की सोच अंग्रेजों जैसी : राहुल

असम सीएम ने कहा पाकिस्तान में जाकर यात्रा करो

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का आज दूसरा दिन है। बुधवार को पार्टी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत की थी। इस मौके पर राहुल गांधी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार की सोच अंग्रेजी जैसी है।

राहुल ने कहा कि एक व्यक्ति के हाथों में करोड़ों लोगों का भविष्य है और वे इसे संवारने की बजाय विपक्ष को ईडी और सीबीआई का डर दिखा रहे हैं। हम फिर गुलामी के दौर में जा रहे हैं। पहले एक ईस्ट इंडिया कंपनी देश पर राज करती थी, अब 3-4 कंपनियां ये काम कर रही हैं। अब असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यह यात्रा सदी की सबसे बड़ी कॉमेडी है। कांग्रेस को पाकिस्तान में यात्रा करनी चाहिए, जिससे लोगों को एक ऐसा भारत मिले जो विभाजन से पहले अविभाजित था। राहुल गांधी को यह सब छोड़कर अखंड भारत के लिए काम करना चाहिए।

राहुल गांधी ने यात्रा में मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल, दिग्विजय सिंह, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और योगेंद्र यादव ने भी सभा को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा कि सिर्फ कांग्रेस ही नहीं, लाखों लोग आज भारत जोड़ो यात्रा की जरूरत महसूस कर रहे हैं। लाखों लोगों को लगता है कि भारत को एक साथ लाने के लिए कुछ करने की जरूरत है। भारत में सबसे बड़ा आर्थिक संकट : भारत अपने अब तक के सबसे खराब आर्थिक संकट के साथ-साथ अब तक की सबसे अधिक बेरोजगारी दर का सामना कर रहा है। देश आपदा की ओर बढ़ रहा है। भाजपा सरकार किसानों, मजदूरों और छोटे-मध्यम वर्ग के कारोबारियों को सिस्टेमेटिकली बर्बाद कर रही है।लोगों की आवाज कुचली जा रही : लोगों को एक साथ लाना महत्वपूर्ण है। सुनिश्चित करें कि वे एकजुट हैं। यही है भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य। भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य भारत के लोगों को सुनना है, हम नहीं चाहते कि भारत के लोगों की आवाज को कुचला जाए। आज हर एक इंस्टीट्यूट पर आरएसएस-भाजपा के हमले हो रहे हैं। उन्हें लगता है कि वे भारत को धर्म और भाषा के आधार पर बांट सकते हैं। इस देश को विभाजित नहीं किया जा सकता है, यह हमेशा एकजुट रहेगा।

हिंदू समाज ढोंगी नंबर वन : राज्यपाल आचार्य देवव्रत

गौ माता की जय बोलते हैं लेकिन दूध नहीं देती तो घर से निकाल फेंकते हैं, छिड़ा विवाद

अहमदाबाद, 8 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा है कि हिंदू समाज ढोंगी नंबर वन है।

गऊ माता की जय तो बोलते हैं लेकिन जब गाय दूध देना बंद कर देती है तो उसे घर से निकाल देते हैं। गऊ माता को समझने और जानने की जरूरत है, तभी सही अर्थ निकलेगा।

आचार्य देवव्रत, 7 सितंबर को गुजरात के नर्मदा जिले में 'प्रकृति की गोद में जैविक खेती' विषय पर आधारित एक सेमीनार को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, तुम जय तो बहुत बोलते हो गऊ माता की, पूजा भी करते हो, तिलक भी लगाते हो, घंटी भी बजाते हो पर बेचारी दूध नहीं देती तो घर से भी बाहर निकाल देते हो। गऊ माता की जय हो, गऊ माता की जय हो, न दूध पीते हो न गाय पालते हो और गऊ माता की जय हो। इसलिये मैं कहता हूं ये हिंदू समाज ढोंगी नंबर वन है।

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस :

आचार्य देवव्रत के बयान पर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कई लोग उनके बयान का समर्थन करते दिखे तो कई ने आपत्तिजनक बताया। नीरज कुमार नाम के यूजर ने लिखा, अब देखता हूं कितनों की भावनाएं आहत होती हैं। अमरदीप नाम के यूजर ने अपनी पोस्ट में बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा को टैग करते हुए लिखा, कुछ बोलिये इसपर। प्रकाश गोडबोले ने लिखा, बिल्कुल सही कहा, गलत क्या है इसमें?

प्राकृतिक खेती के हिमायती रहे हैं आचार्य देवव्रत :

आचार्य देवव्रत को गौ आधारित प्राकृतिक खेती के हिमायती के तौर पर भी जाना जाता रहा है। वे कई मंच पर कहते रहे हैं कि गौ आधारित खेती से किसी और उर्वरक की जरूरत नहीं होगी। इस खाद्यान्न से स्वास्थ्य तो ठीक रहेगा ही, किसानों की आय भी दोगुनी हो जाएगी।

आपको बता दें कि राज्यपाल बनने से पहले आचार्य देवव्रत, सक्रिय तौर पर आर्य समाज से भी जुड़े रहे हैं और गुरुकुल का काम देखा है। वहां गौ सेवा से लेकर प्राकृतिक खेती पर अपनी पहल को लेकर चर्चा में रहे हैं।

श्रीलंका में पड़े हैं खाने के लाले, लेकिन कर दी 37 मंत्रियों की नियुक्ति, रिश्तेदार भी शामिल

कोलंबो, 8 सितंबर (एजेंसियां)। आर्थिक संकट के बावजूद श्रीलंका में गुरुवार को पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया और महिंदा राजपक्षे के भतीजे सहित 37 कनिष्ठ मंत्रियों की नियुक्ति कर दी गई है जिससे अब एक बार फिर से विवाद खड़ा हो गया है। बता दें कि 1948 में अपनी स्वतंत्रता के बाद से श्रीलंका अपने सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है, जो विदेशी मुद्रा भंडार की भारी कमी के कारण उत्पन्न हुआ था। देश में 2.2 करोड़ लोग अभी भी आवश्यक वस्तुओं के लिए हाथ-पांव मार रहे हैं। लेकिन कैबिनेट में इतने मंत्रियों को जगह मिलने से अब कई सवाल उठ रहे हैं। राज्य स्तर के मंत्रियों में नियुक्ति अधिकांश कनिष्ठ मंत्री या विधायक सत्तारूढ़ श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) पार्टी से थे। कुछ मंत्री पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना की श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) के भी शामिल हुए।

आखिर चार साल बाद पाकिस्तान के लिए पिघला यूएस

आतंक से जंग के नाम पर यूएस ने दी 450 मिलियन डॉलर की एफ-16 डील को मंजूरी

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। यूएस ने एफ-16 लड़ाकू जेट बेड़े के रखरखाव के लिए पाकिस्तान को 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर (3600 करोड़ रुपये) की सहायता की मंजूरी दी है। बाइडेन प्रशासन ने ट्रंप प्रशासन के फैसले को पलटते हुए पाकिस्तान को एफ-16 फाइटर जेट के लिए 45 करोड़ डॉलर के उपकरणों की खरीद को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस बारे में जानकारी दी है। अमेरिका की तरफ से पाकिस्तान को यह वित्तीय मदद इसलिए दी जा रही है ताकि वह वर्तमान और भविष्य में आतंकवाद रोधी खतरों से निपट सकें। पिछले चार सालों में इस्लामाबाद को दी जा रही यह सबसे बड़ी सुरक्षा सहायता है। माना जाता है कि एफ-16 फाइटर जेट की मदद से ही पाकिस्तान ने भारत के मिग-21 वमिान को मार गिराया था।

आतंक से जंग के नाम पर दिया तोहफा :

वश्लिेषकों का मानना है कि अलकायदा सरगना अयमान अल जवाहिरी पर हमले में मदद करने के बाद अमेरिका ने पाकिस्तान को यह तोहफा दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के रखरखाव के लिए संभावित विदेश सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का फैसला लिया है ताकि पाकिस्तानी वायु सेना को वर्तमान और भविष्य में आतंकवाद के खतरों से निपटने की क्षमता बनाए रखने में मदद मिल सके। पाकिस्तान एक महत्वपूर्ण आतंकवादी रोधी सहयोगी है।

पाकिस्तान को आतंकवाद रोधी अभियान में सहयोग :

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, पाकिस्तान का एफ-16 कार्यक्रम अमेरिका-पाकिस्तान वृहद द्विपक्षीय संबंधों का एक अहम हिस्सा है। इससे पाकिस्तान की वायु सेना के एफ-16 कार्यक्रम को बनाए रखा जा सके। एफ-16 बेड़े से पाकिस्तान को आतंकवाद रोधी अभियान में सहयोग मिलेगा। हम पाकिस्तान से सभी आतंकवादी समूहों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई करने की उम्मीद करते हैं।साल 2018 में ट्रंप द्वारा पाकिस्तान को सभी रक्षा और सुरक्षा सहायता को रोकने की घोषणा करने के बाद पाकिस्तान को दी गई यह पहली बड़ी सुरक्षा सहायता है।

नई नीति से सहकारिता क्षेत्र में होंगे समग्र बदलाव : अमित शाह

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति से इस क्षेत्र में समग्र बदलाव होंगे। दिल्ली के विज्ञान भवन में आज आयोजित राज्यों के सहकारिता मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नई नीति का मसौदा तैयार करने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई है। इसमें हर राज्य का प्रतिनिधित्व होगा।

शाह ने कहा कि नई नीति का फोकस सहकारिता समितियों का मुफ्त पंजीयन, कम्प्यूटरीकरण, लोकतांत्रिक चुनाव, सक्रिय सदस्यता, नेतृत्व और पारदर्शिता में व्यावसायिकता, समिति पदाधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही सुनिश्चित करना होगा। इसे लेकर सहकारिता क्षेत्र के सभी हितधारकों के साथ चर्चा की जाएगी। शाह ने कहा कि नई नीति सहकारी क्षेत्र में समग्र विकास लाएगी।

गायों को केले के पेड़ में बांध बांग्लोदश भेज रहे

गर्दन तने में फंसी रहती है, चारों पैर बंधे रहते हैं, और पद्मा नदी में फेंक देते हैं

जालंगी, 8 सितंबर (एजेंसियां)। केले के पेड़ का मोटा हिस्सा। उसके बीच गाय का सिर। पैर रस्सी से कसकर बंधे हुए। ऊपर से सिर्फ गाय का सिर नजर आता है। बाकी हिस्सा पानी में। इसी तरह तैरते-तैरते कुछ ही मिनटों में गायें नदी पार कर जाती हैं। वहां पहले से मौजूद लोग उन्हें निकालते हैं। रस्सी खोलते हैं और बांग्लादेश ले जाते हैं।

गाय-बछड़ों को इसी तरह पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश भेजा जा रहा है। हर चीज के लिए कोडनेम तय हैं। तस्कर गाय के बछड़े को पेप्सी बुलाते हैं। तस्करी का मास्टरमाइंड अनुब्रत मंडल को बताया जाता है। बीरभूम के अनुब्रत टीएमसी के नेता और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खास हैं। सीबीआई ने 11 अगस्त को अनुब्रत मंडल को अरेस्ट किया था। भारत में 30 हजार में खरीदी गई गाय बांग्लादेश में डेढ़ लाख तक में बिकती है। मुर्शिदाबाद जिले में बॉर्डर के पास बसा गांव है जालंगी। इसकी बांग्लादेश से दूरी 5 किमी से भी कम है। यहां से कई साल से कैटल स्मगलिंग हो रही है। कोलकाता से नेशनल हाईवे 34 पकड़ा। यह डालखोला से कृष्णानगर तक जाता है। रास्ते में नॉर्थ 24 परगना जिले के आमडांगा ब्लॉक में सड़क किनारे एक टेम्पो दिखा। इसमें गाय-बछड़े भरे थे। टेम्पो के पास दो पुलिसवाले भी थे। फोटो-वीडियो लेने पर पुलिसवाले ने फोन अंदर रखने का इशारा किया और तुरंत आगे जाने के लिए कहा। वहीं पर चायवाले ने बताया कि ये गाड़ियां गाय-बछड़े लेकर जाती हैं। पुलिसवाले इनसे रिश्वत लेते हैं और आगे जाने देते हैं। जो रिश्वत नहीं देता, उसी की जांच होती है।

हाट में गाय-बछड़ों का सौदा, हिसाब के लिए मैनेजर :

थोड़ी देर बाद वही टेम्पो निकला। उसका पीछा किया। वह नदिया जिले के हरिंगघाटा के बिरोही गांव में रुका। यहां गाय-बैलों की हाट लगती है। हाट का मैनेजर सड़क किनारे टेबल-कुर्सी लगाकर बैठा था। वही सबका हिसाब करता है। यहां गाय खरीदने-बेचने वालों के अलावा सौदा करवाने वाले एजेंट भी सक्रिय रहते हैं।

अब जो कहानी है, उसके तीन किरदार हैं। पहला है भारत-बांग्लादेश बॉर्डर, जहां से तस्करी होती है। दूसरा है बीएसएफ का इंटेलिजेंस ऑफिसर, जिसने पूरी डिटेल दी, लेकिन कहा कि मेरा नाम नहीं लिखना। तीसरा एक मुखबिर है, जो गांव में ही रहता है और सीआईडी-सीबीआई जैसी एजेंसियों से कमीशन लेकर उन्हें जानकारी देता है। उसने चेहरा छिपाकर वीडियो में बातें जरूर की, पर नाम और पहचान लिखने से मना किया। ये भी कहा कि हो सके तो मेरी आवाज थोड़ी बदल देना। जालंगी गांव पद्मा नदी के किनारे बसा है। पद्मा बांग्लादेश की बड़ी नदियों में से एक है। बांग्लादेश के कुष्ठिया, पबना और राजशाही जिले इससे लगते हैं। भारत में यह मुर्शिदाबाद में बहती है। >12

आतंकी याकूब की कब्र से पुलिस ने हटाई लाइटिंग

भाजपा ने उद्धव से सवाल किया था- गुनहगार को इतना सम्मान क्यों, लाइटिंग और मार्बल लगवा दिए?

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई ब्लास्ट के दोषी रहे याकूब मेमन की कब्र को लेकर महाराष्ट्र में सियासी लड़ाई शुरू हो गई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि उद्धव सरकार के कार्यकाल में कब्र के चारों ओर मार्बल और एलईडी लाइट्स लगाई गईं। भाजपा नेता राम कदम ने सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें भी जारी की हैं। हालांकि, राम कदम के सवाल उठाए जाने के बाद मुंबई पुलिस ने कब्र से एलईडी हटवा दी है। राम कदम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर कहा था- गुनहगार याकूब की कब्र को क्यों सजाया गया है? जो शख्स सैकड़ों लोगों की मौत का जिम्मेदार था, उसकी कब्र को इतना सम्मान क्यों दिया जा रहा है? याकूब 1993 बम ब्लास्ट के दोषी रहा है और उसे सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई थी। याकूब के कब्र पर जारी विवाद के बीच कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे ने कहा कि फांसी देने के बाद आतंकियों के शव को उसके परिवार को नहीं दिया जाता है।

2015 में भाजपा सरकार ने याकूब के शव को उसके परिवार को सौंप दिया। भाजपा इस पर अब पॉलिटिक्स कर रही है। आमतौर पर किसी कब्र की खुदाई 18 महीने बाद कर दी जाती है, लेकिन याकूब की कब्र की खुदाई 5 साल बाद भी नहीं हुई। याकूब की कब्र को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। याकूब के चचेरे भाई मोहम्मद अब्दुल रऊफ मेमन ने 2020 में एलटी मार्ग पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। रऊफ ने आरोप लगाया गया था कि ट्रस्टियों ने कब्रिस्तान के याकूब मेमन की कब्रगाह को 5 लाख रुपये में बेचा।

देश की हवाई सीमा को सुरक्षित रखने की कवायद

क्विक रियेक्शन सर्फेस टू एयर मिसाइल सिस्टम का सफल टेस्ट

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। डीआरडीओ और भारतीय सेना ने क्विक रियेक्शन सर्फेस टू एयर मिसाइल सिस्टम (क्यूआरएसएएम) के 6 फ़्लाइट टेस्ट को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। ओडिशा तट के पास चांदीपुर इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से ये परिक्षण किया गया। ये भारतीय सेना का इवैल्यूशन ट्रायल है। इस टेस्ट को अलग-अलग तरह के हाई स्पीड एरियल टार्गेट पर अंजाम दिया गया। जिनमें जिसमें लंबी दूरी की मध्यम ऊंचाई, छोटी दूरी, उच्च ऊंचाई वाले पैंतरेबाजी वाले लक्ष्य, लो रडार सिग्नेचर और साल्वो लांच मिसाइल फायर जैसे टार्गेट शामिल किए गए थे। ये टेस्ट दिन और रात दोनों समय में अंजाम दिए गए। ये परिक्षण तय किए गए मानको पर खरे उतरे हैं।

इन परीक्षणों के दौरान सभी मिशन उद्देश्यों को हथियार प्रणाली की पिन-पॉइंट सटीकता स्थापित करने के लिए अत्याधुनिक मार्गदर्शन और वारहेड चेन सहित कंट्रोल एल्गोरिदम के साथ पूरा किया गया था। आईटीआर द्वारा तैनात टेलीमेट्री, रडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम (ईओटीएस) जैसे कई रेंज उपकरणों द्वारा कैप्चर किए गए डेटा से सिस्टम के प्रदर्शन की पुष्टि की गई है।

डीआरडीओ और भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस टेस्ट में हिस्सा लिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल टेस्ट पर डीआरडीओ और भारतीय सेना को बधाई दी है।

उन्होंने भरोसा जताया कि क्यूआरएसएएम हथियार प्रणाली सेना की ताकत बढ़ाने वाला साबित होगा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष ने परीक्षणों की सफल सीरीज से जुड़ी टीमों को बधाई दी और कहा कि यह हथियार प्रणाली अब भारतीय सेना में शामिल होने के लिए तैयार है।

कटरा में लगे भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 3.5 रही तीव्रता

जम्मू-कश्मीर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कटरा में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप के झटके सुबह करीब 7:52 मिनट पर महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की 3.5 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने भूकंप की पुष्टि की है। एएनआई के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के कटरा से 62 किमी दूर आज सुबह करीब 7:52 बजे 3.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की गहराई जमीन से 10 किमी नीचे थी।

कैसे आता है भूकंप?

भूकंप के आने की मुख्य वजह धरती के अंदर प्लेटों का टकराना है। धरती के भीतर सात प्लेट्स होती हैं जो लगातार घूमती रहती हैं। जब ये प्लेटें किसी जगह पर आपस में टकराती हैं, तो वहां फॉल्ट लाइन जोन बन जाता है और सतह के कोने मुड़ जाते हैं। सतह के कोने मुड़ने की वजह से वहां दबाव बनता है और प्लेट्स टूटने लगती हैं। इन प्लेट्स के टूटने से अंदर की एनर्जी बाहर आने का रास्ता खोजती है, जिसकी वजह से धरती हिलती है और हम इसे भूकंप मानते हैं।

हम यहां संगठन की वजह से ही हैं

मंत्रियों को अमित शाह और जेपी नड्डा की नसीहत; मिशन में जुटने का आदेश

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने मिशन 2024 की तैयारियां तेज कर दी हैं और इसके लिए केंद्रीय मंत्रियों तक को टास्क दिया गया है। कुल 144 सीटें ऐसी चुनी गई हैं, जहां पहले भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। अब पार्टी की रणनीति है कि इन सभी सीटों को साधकर 350 के आंकड़े को 2024 में पार कर लिया जाए। हालांकि इस बीच होम मिनिस्टर अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने समीक्षा बैठक की है और मंत्रियों के लोकसभा क्षेत्रों में दौरे न करने पर नाराजगी जाहिर की है। इन मंत्रियों को टारगेट दिया था कि वे लोकसभा क्षेत्रों में जाएं और संगठन को मजबूत करने का प्रयास करें। भाजपा सूत्रों के मुताबिक मीटिंग में अमित शाह ने मंत्रियों से कहा, 'हम यहां पर संगठन की वजह से ही हैं। यह सरकार इसीलिए है क्योंकि संगठन है। संगठन को हमेशा प्राथमिकता देनी चाहिए।' यही नहीं उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी बेहद लोकप्रिय हैं। कोई भी पीएम मोदी के नाम पर जीत सकता है। लेकिन जमीन पर यदि संगठन नहीं होगा तो फिर हम उसका फायदा नहीं ले पाएंगे। अमित शाह ने कहा, 'हमें पिछली बार से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करनी होगी। 2019 में हम उन 30 फीसदी सीटों पर जीत हासिल की थी, जिन पर 2014 में हार का सामना करना पड़ा था। अब हमें 2024 में उन 50 फीसदी सीटों पर जीत हासिल करनी होगी, जिन पर 2019 में हार मिली थी।'

मिशन 144 से 350 का लक्ष्य पाने की कोशिश

बता दें कि भाजपा ने 2024 में 350 सीटों पर जीत हासिल करने का लक्ष्य रखा है। उसके लिए पार्टी ने 20 महीने पहले से ही तैयारियां करनी शुरू कर दी हैं। इस बार भाजपा ने उन 144 सीटों पर जीत हासिल करने का लक्ष्य तय किया है, जिन पर उसे मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा की रणनीति है कि इन 144 सीटों में से कम से कम आधी यानी करीब 70 सीटों पर कब्जा जमा लिया जाए। बता दें कि भाजपा ने 2019 के आम चुनाव में अकेले ही 303 सीटों पर विजय हासिल की थी। बीते कई दशकों में ऐसा पहली बार हुआ था, जब किसी दल ने अपने दम पर बहुमत हासिल किया था।

शाह ने दिया फॉर्मूला, मजबूत संगठन और पीएम मोदी का करिश्मा

भाजपा ने पिछली बार हारी 144 सीटों पर मंत्रियों को तैनात किया है और जीत का टारगेट दिया है। इन मंत्रियों से कहा है कि वे वेलफेयर स्कीमों के स्टेटस के बारे में जानकारी हासिल करें। इस जानकारी सरल पोर्टल पर अपडेट किया जाना है। मंत्रियों से कहा गया है कि जिन क्षेत्रों का उन्हें जिम्मा दिया गया है, वहां लगातार दौरे करते रहें। इसके अलावा उन्हें आदेश दिया गया है कि वे सरकार और संगठन के कामकाज का समय तय कर लें। अमित शाह ने बैठक के दौरान जीत का फार्मूला देते हुए कहा कि मजबूत संगठन और पीएम नरेंद्र मोदी का करिश्मा 2024 में बड़ी जीत दिला सकता है।

बेंगलुरु की सबसे महंगी सोसाइटी डूबी

यहां विप्रो, बायजूस जैसी कंपनियों के मालिकों के घर; एक विला की कीमत 10 करोड़

बेंगलुरु, 8 सितंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में करीब 10 दिन से हो रही भारी बारिश और उसके बाद बाढ़ जैसे हालात ने कहर बरपा दिया है। बेंगलुरु के कई इलाके पिछले कई दिनों से पानी में डूबे हैं। गरीब और मध्यमवर्ग के लिए तो स्थिति गंभीर है ही, अमीर भी इससे बचे नहीं हैं। बेंगलुरु के एप्सिलॉन इलाके में कई बड़ी कंपनियों के फाउंडर और सीईओ रहते हैं। यह इलाका भी पूरी तरह पानी में डूबा हुआ है। इस कम्युनिटी में चुने हुए 150 लोग रहते हैं, जिनमें विप्रो के चेयरमैन रिशद प्रेमजी, ब्रिटानिया के सीईओ वरुण बेरी, बिग बास्केट के को-फाउंडर अभिनय चौधरी और बायजूस के को-फाउंडर बायजू रविचंद्रन शामिल हैं।

एक एकड़ का प्लॉट 80 करोड़ रुपए का

एप्सिलॉन में एक सामान्य विला की कीमत 10 करोड़ रुपए हैं। यहां पर प्लॉट के साइज के हिसाब से कीमतें बढ़ती हैं। एक एकड़ के प्लॉट की कीमत करीब 80 करोड़ रुपए रहती है। इतनी महंगी सोसाइटी होने के बाद भी ये बारिश की मार से बची नहीं है। यहां आलीशान विला के बाहर खड़ी करोड़ों की लग्जरी कारें ऊपर तक पानी में डूबी दिख रही हैं। यहां रहने वाले अमीरों को भी नावों के जरिए रेस्क्यू किया जा रहा है।

अनअकेडमी के सीडीईओ को ट्रैक्टर से रेस्क्यू किया गया

एड-टेक प्लेटफॉर्म अनअकेडमी के सीईओ गौरव मुंजाल के परिवार और डॉग को ट्रैक्टर पर रेस्क्यू किया गया। गौरव ने मंगलवार को इसका वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा- 'मेरे परिवार और डॉग एल्बस को हमारी सोसाइटी से ट्रैक्टर पर रेस्क्यू किया गया। हमारी सोसाइटी पूरी तरह डूब गई है। हालात खराब हैं। प्लीज सब अपना खयाल रखें।'

एसडीएम संगीता कनौजिया की मौत, रुड़की हादसे में हुई थीं घायल, ऋषिकेश एम्स में चल रहा था इलाज

ऋषिकेश, 8 सितंबर (एजेंसियां)। हरिद्वार जिले के लक्सर में तैनात एसडीएम संगीता कनौजिया की गुरुवार सुबह एम्स ऋषिकेश में मौत हो गई। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के कारण उन्हें एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया था। एसडीएम ऋषिकेश शैलेंद्र सिंह नेगी ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। 26 अप्रैल को लक्सर रुड़की मार्ग पर भीषण हादसा हो गया था। एसडीएम संगीता कनौजिया की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। चालक की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि एसडीएम संगीता कनौजिया की हालत गंभीर बनी हुई थी। गंभीर हालत में उन्हें रुड़की के विनय विशाल नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। उनके सिर और जबड़े में चोट लगी थी। हालत देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया था। एम्स ऋषिकेश में उनका इलाज जा रहा था, लेकिन गुरुवार को उनका निधन हो गया।

सांसद नवनीत राणा का थाने में हंगामा

लव जिहाद केस में पुलिस एक्शन में देरी पर भड़कीं

अमरावती (महाराष्ट्र), 8 सितंबर (एजेंसियां)। अमरावती की सांसद नवनीत राणा ने बुधवार को पुलिस थाने में जाकर जमकर हंगामा किया। नवनीत राणा का आरोप है कि लव जिहाद के एक मामले में एक युवती गायब है और जब उस संबंध में उन्होंने पुलिस थाने में फोन किया, तो पुलिस ने उनका ही फोन रिकॉर्ड कर लिया। इस बीच लव जिहाद मामले में पुलिस ने युवती को सतारा रेलवे स्टेशन से खोज निकाला है। पुलिस ने उसके कथित प्रेमी और आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की और फिर उसके जरिए युवती को खोज निकाला है।

थाने में सांसद नवनीत राणा और पुलिस के आला अधिकारियों के बीच साथ जमकर नोकझोंक दिखाई दी। दरअसल, लड़की भगाने वाले वाले लड़के को पुलिस पूछताछ के लिये हिरासत में लेने के बाद भी लड़की का पिछले 24 घंटे में पता नहीं चल पाया है। पुलिस उसे ढूंढ़ नहीं पाई है। इसको लेकर लड़की के परिवार वाले सांसद नवनीत राना के पास गए थे।

जब परिजनों की शिकायत पर सांसद नवनीत राणा ने थानेदार को फोन किया और थानेदार को आरोपी से कड़ाई से पूछताछ करने को कहा तो उसी समय सांसद को शक हुआ कि थानेदार उनका फोन रिकॉर्ड कर रहा है। इसके बाद सांसद राणा तुरंत राजापेठ पुलिस थाने पहुंच गईं। वहां पहुंचते ही सांसद राणा ने थानेदार को जमकर फटकार लगाई और पूछा कि मेरा फोन रिकॉर्ड करने की परमिशन आपको किसने दी? इसके बाद सांसद राणा ने थानेदार का फोन छीन लिया। इस बीच पुलिस शांति से यह सब सुनती रही लेकिन बार-बार एक ही बात सांसद दोहराती रहीं तो पुलिस अधिकारी का धैर्य टूट गया और दोनों के बीच जमकर नोकझोंक हुई।

बारामती को अमेठी न समझे बीजेपी

आसान नहीं होगी शरद पवार के गढ़ में सेंध

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी दिग्गज नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार के गढ़ में सेंध लगाने की तैयारी कर रही है। खबर है कि पार्टी राज्य के 16 क्षेत्रों को 'मुश्किल सीटें' मान रही है। इसमें पवार का क्षेत्र बारामती भी शामिल है। फिलहाल, राकंपा सुप्रीमो की बेटी सुप्रिया सुले यहां से सांसद हैं। यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र की 48 में से 45 सीटों से ज्यादा जीतने पर फोकस किया है।

पवार पर सियासी हमले जारी

हाल ही के कुछ समय में भाजपा और उनके सहयोगी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समूह लगातार पवार परिवार को निशाना बना रहा है। खास बात है कि भाजपा नेताओं ने इस बात की संभावनाएं जताई थी कि राकंपा विधायक रोहित पवार के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियां कार्रवाई कर सकती हैं। वहीं, शिंदे कैंप के प्रवक्ता विपक्ष के नेता अजित पवार और सुले पर निशाना साध रहे हैं।

इसके अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने भी पवार की ओर इशारा किया था। उन्होंने कहा था कि राजनीति में कुछ भी स्थायी नहीं है और नेताओं के गढ़ भी किसी दिन खत्म हो जाते हैं। उन्होंने कहा था कि भाजपा 2024 लोकसभा चुनाव में देश में 400 से ज्यादा सीटें जीतने की तैयारी कर रही है। इसमें उन्होंने बारामती का भी जिक्र किया था।

इस नेता को मिली जिम्मेदारी

हाल ही में मुंबई में महाराष्ट्र भाजपा कोर कमेटी की बैठक आयोजित हुई थी। उस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पार्टी इकाई से मुश्किल सियासी इलाकों में भी आक्रामक तरीके से काम करने के लिए कहा था। अब खबर है कि भाजपा नेतृत्व ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बारामती में जारी तैयारियों को देखने के लिए कहा है। इसके लिए वह क्षेत्र का दौरा करेंगी।

अमेठी की जीत का सहारा

साल 2019 में भाजपा ने स्मृति ईरानी को उम्मीदवार बनाकर गांधी परिवार के गढ़ कहे जाने वाले अमेठी से राहुल को हराया था। अब भाजपा अपनी इस जीत का भी इस्तेमाल करती नजर आ रही है। उस दौरान ईरानी ने वंशवाद और विकास नहीं होने की बात पर जोर दिया था। हालांकि, पवार के गढ़ के मामले में हालात अलग हो सकते हैं। दरअसल, बारामती को 'विकास मॉडल' के रूप में भी माना जाता है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मान चुके हैं। वह कई बार क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं, जहां पवार और उनके काम की तारीफ की गई। राकंपा प्रमुख ने साल 1991 से लेकर 2009 तक बारामती लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया है।

महिला की हिम्मत के आगे झपटमार हारा, मोबाइल लौटाकर जान बचाकर भागा

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में एक महिला का मोबाइल छीनने आए झपटमार को शायद ये नहीं पता था कि अगले कुछ ही पलों में उसके साथ क्या होने वाला है। झपटमार ने जैसे ही महिला का मोबाइल फोन छीना, महिला तुरंत उससे भिड़ गई। दोनों मोबाइल लेने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाने लगे। आखिरकार झपटमार को हार माननी पड़ी और वह महिला का मोबाइल वहीं छोड़कर अपनी जान बचाते हुए भाग गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि एक महिला चार सितंबर को बदरपुर इलाके के ताजपुर पहाड़ी में रहने वाली अपनी दोस्त से मिलने गई थी। रास्ते में एक सुनसान स्थान पर एक झपटमार ने महिला को अकेला देखकर उसका मोबाइल छीनने का प्रयास किया। यहीं उससे गलती हो गई। महिला ने तुरंत पलटवार करते हुए उसे दबोच लिया।

मुंबई में गृहमंत्री शाह की सुरक्षा में चूक

खुद को आंध्र सांसद का पीए बताकर घंटों तक गृहमंत्री के इर्द-गिर्द घूमता रहा व्यक्ति, गिरफ्तार

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह में सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। शाह के मुंबई दौरे पर एक संदिग्ध उनके इर्द-गिर्द कई घंटों तक घूमता रहा। जब अधिकारियों को शक हुआ तो उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने उसे 2-3 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। उसे 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया है।

हाथ में पहन रखा था गृह मंत्रालय का बैंड

32 साल के हेमंत ने गृह मंत्रालय का बैंड पहन रखा था। जिसकी बदौलत वह कई घंटों तक गृहमंत्री के आस-पास घूमता रहा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह संदिग्ध व्यक्ति राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के घर के बाहर भी ब्लेजर पहन कर घूमता हुआ नजर आया था।

बीएमसी चुनाव को लेकर मुंबई पहुंचे थे गृहमंत्री

पूरा मामला 4-5 सितंबर का है, जब गृह मंत्री अमित शाह बीएमसी चुनाव को लेकर दो दिवसीए मुंबई दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने शहर के प्रमुख गणेश पंडाल लालबागचा राजा में भगवान श्रीगणेश की पूजा की। महाराष्ट्र में शिंदे सरकार बनने के बाद अमित शाह पहली बार मुंबई पहुंचे थे। इस दौरान वो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर भी गए थे। यहां अमित शाह ने मुंबई बीएमसी चुनाव जीतने के लिए बीजेपी नेताओं को 227 सीटों में से 135 सीटें जीतने का टारगेट दिया। दरअसल बीएमसी का चुनाव सितंबर या अक्टूबर में होना है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बेटी ने की अपील

'मेरे पिता की अस्थियां टोक्यो से लाई जाए भारत'

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बेटी अनिता बोस फाफ ने देश में राजनीतिक दलों से उनके पिता की अस्थियां तोक्यो के रेनकोजी मंदिर से भारत लाने की दिशा में काम करने का अनुरोध किया। उन्होंने इसके साथ ही नयी दिल्ली में दिग्गज स्वतंत्रता सेनानी की प्रतिमा का अनावरण करने के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। अर्थशास्त्री बोस-फाफ ने जर्मनी से एक बयान जारी कर कहा, ''मेरे पिता की आजाद भारत में जीने की इच्छा थी। दुखद रूप से उनके असामयिक निधन ने उनकी यह इच्छा पूरी नहीं होने दी। मुझे लगता है कि कम से कम उनकी अस्थियां तो भारत की सरजमीं को छू पाए इसलिए मैं, भारत के लोगों तथा भारत के सभी राजनीतिक दलों से अपने पिता की अस्थियां भारत लाने के लिए गैर-राजनीतिक तथा द्विदलीय रूप से एकजुट होने की अपील करती हूं।''

पीएम मोदी से मुलाकात करना चाहती हैं अनिता

उन्होंने पहले कहा था कि वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाएंगी लेकिन वह रेनकोजी मंदिर से अपने पिता की अस्थियां भारत लाने की शर्तों और प्रक्रियाओं पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करना चाहती हैं। उनका दावा है कि नेताजी की अस्थियां तोक्यो के रेनकोजी मंदिर में रखी हैं। बोस-फाफ ने कहा, ''मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि मेरे पिता नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आठ सितंबर को अनावरण किया जाएगा तथा उन्हें गौरवशाली स्थान मिलेगा।''

वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह का दावा- डर और आशंका के बीच बहुत कम कश्मीरी पंडित घाटी लौटे

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह का कहना है कि कश्मीरी पंडितों के अंदर लगातार डर और आशंका बनी हुई है और इसीलिए उनमें से बहुत कम लोगों ने घाटी में अपने पैतृक घर पर लौटने की इच्छा जताई है। प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. उपेंद्र कौल के संस्मरण 'व्हेन द हर्ट स्पीक्स' की रिलीज के मौके पर सिंह ने कहा कि ज्यादातर कश्मीरी जो बाहर जा सकते थे वे जा चुके हैं और अच्छे भविष्य के लिए वहीं बस गए हैं। चाहे वह विशेष हो या देश का कोई अन्य भाग। उन्होंने कहा कि हालांकि कश्मीर हमेशा ही कश्मीरी पंडितों के बिना अधूरा रहेगा। कर्ण सिंह के पिता महाराजा हरि सिंह कश्मीर के अंतिम डोगरा शासक थे।

कूरियर से पहुंचा 'शौर्य चक्र' तो माता-पिता ने लौटाया

कहा- शहादत के सम्मान को भेजा नहीं जाता

अहमदाबाद, 8 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद शहर के निवासी शहीद लांस नायक गोपाल सिंह भदौरिया के माता पिता ने कूरियर के जरिए पहुंचाए गए शौर्य चक्र को लौटा दिया है। उन्होंने कहा कि शहादत के सम्मान को कूरियर से भेजकर आपने हमारे शहीद बेटे का अपमान किया है इसलिए हम इसे वापस लौटा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार परिवार वाले अब राष्ट्रपति भवन जाएंगे और सबके सामने राष्ट्रपति के द्वारा सम्मानित करने की मांग करेंगे। परिवार वालों का कहना है कि उनके बेटे ने देश के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दी और सरकार ने उसकी शहादत का ये सिला दिया है। उन्होंने कहा कि यह कोई गुप्त रखने की चीज थोड़ी है जो आप इसे चुपचाप दे रहे हैं। मेरे बेटे ने देश के लिए बलिदान दिया है इसलिए उसे देश के सामने ही सम्मान मिलना चाहिए। बता दें कि गोपाल सिंह को मुंबई में 26/11 के आतंकी हमलों में उनकी बहादुरी के लिए 'विशिष्ट सेवा पदक' से भी सम्मानित किया गया था। बता दें कि साल 2017 में जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान राष्ट्रीय राइफल्स के लांस नायक गोपाल सिंह शहीद हो गए थे।

जानें क्या है पूरा मामला?

दरअसल, लांस नायक गोपाल सिंह की शादी 2007 में हुई थी लेकिन किसी मतभेद के चलते वे अपनी पत्नी से 2011 में अलग रह रहे थे। दोनों के व्यस्त रहने के कारण साल 2013 में अदालत ने शादी तोड़ने की याचिका भी खारिज कर दी थी। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि सैनिक के माता-पिता और उसकी पत्नी के बीच कई वर्षों तक कोई संपर्क नहीं था। वहीं भदौरिया ने पत्नी को किसी भी सेवा लाभ के अनुदान पर आपत्ति जताई थी और शहर की एक सिविल कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि जब 2017 में गोपाल सिंह शहीद हो गए तो 2018 में उन्हें शौर्य चक्र के लिए चुना गया। फिर 2018 के बाद दोनों परिवारों के बीच सुलह कराने की कोशिश की गई जो कि 2020 तक नहीं सुलझ पाया।

साल 2021 में शहीद की पूर्व पत्नी और माता-पिता के बीच करवाया गया समझौता

फिर साल 2021 में शहीद की पत्नी और माता-पिता के बीच कोर्ट के जरिए एक समझौता करवाया गया। इसके बाद अदालत ने आदेश दिया कि शहीद गोपाल सिंह को मरणोपरांत वीरता पुरस्कार और माता-पिता को पुरस्कार से जुड़े सभी लाभ प्रदान किए जाएं। अदालत यह भी कहा कि पेंशन, अनुग्रह भुगतान और केंद्र या राज्य सरकार या सेना से प्राप्त होने वाली सहायता सहित अन्य सभी सेवा लाभों को दोनों पक्षों के बीच 50-50 विभाजित किया जाना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
शुक्रवार, 9 सितंबर, 2022 3

सुविचार: किसी पर कुदृष्टि रखना भी पाप है, इसलिए आँखों को शीतल बनाओ

गणेश विसर्जन के लिए आठ एमएमटीएस विशेष ट्रेनें

टैंकबंड में गुरुवार को कई गणेश मूर्तियां विसर्जित की गईं, जबकि शुक्रवार को सामूहिक गणेश विसर्जन है।

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश विसर्जन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को दूर करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) शुक्रवार की रात 10 बजे से शनिवार शाम 4 बजे तक जुड़वां शहरों में विभिन्न गंतव्यों के बीच आठ एमएमटीएस विशेष ट्रेनें चलाएगा।

शुक्रवार और शनिवार की मध्यरात्रि में चलने वाली आठ एमएमटीएस विशेष ट्रेनों का कार्यक्रम निम्नलिखित है। ट्रेन नंबर जीएसएच-1 सिकंदराबाद से हैदराबाद के लिए शुक्रवार को रात 11.30 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 12.05 बजे हैदराबाद पहुंचेगी। ट्रेन संख्या-जीएचएल-2 हैदराबाद से लिंगमपल्ली के लिए शनिवार को दोपहर 12.30 बजे प्रस्थान करेगी और 01.20 बजे लिंगमपल्ली पहुंचेगी। ट्रेन संख्या-जीएलएच-3 लिंगमपल्ली से हैदराबाद के लिए शनिवार को 01.50 बजे प्रस्थान करेगी और 02.40 बजे हैदराबाद पहुंचेगी। ट्रेन नंबर-जीएचएस-4 हैदराबाद-सिकंदराबाद शनिवार को तड़के 3.30 बजे रवाना होगी और करीब 4 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। ट्रेन नंबर-जीएचएल-5 हैदराबाद-लिंगमपल्ली शुक्रवार रात 11 बजे विभाग से रवाना होगी और रात 11.50 बजे लिंगमपल्ली पहुंचेगी। ट्रेन नंबर-जीएलएफ-6 लिंगमपल्ली-फलकनुमा शनिवार को 12.10 बजे प्रस्थान करेगी और 01.50 बजे फलकनुमा पहुंचेगी। ट्रेन नंबर-जीएफएस-7 फलकनुमा-सिकंदराबाद शनिवार को 2.20 बजे रवाना होगी और 3 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। ट्रेन नंबर-जीएसएच-8 सिकंदराबाद-हैदराबाद शनिवार सुबह 4 बजे सिकंदराबाद से निकलेगी और करीब 4.40 बजे हैदराबाद पहुंचेगी।

गणेश विसर्जन के लिए आज अवकाश घोषित

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने 9 सितंबर शुक्रवार को नगरद्वय हैदराबाद और सिकंदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकजगिरी में और उसके आसपास स्थित सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में सामान्य अवकाश घोषित किया है। जिले में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन जुलूस के कारण नतीजतन 9 सितंबर को घोषित सामान्य अवकाश के स्थान पर 12 नवंबर, 2022 दूसरा शनिवार को कार्य दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

जल बोर्ड ने श्रद्धालुओं को पानी के पैकेट बांटने की व्यवस्था की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड ने गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान भक्तों को पीने के पानी की आपूर्ति के लिए विशेष व्यवस्था की है। जल बोर्ड ने कहा कि उन्होंने विनायक शोभा यात्रा के दौरान भक्तों की सुविधा के लिए 74 मूर्ति विसर्जन स्थलों पर पानी के खोखे लगाए।

दाना किशोर ने कहा कि वे शुक्रवार को आवश्यक स्थानों पर 122 अतिरिक्त पेयजल शिविर लगाएंगे और भक्तों के बीच वितरण के लिए 3.72 लाख पानी के पैकेट तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि भक्तों की सुविधा के लिए सभी अन्नदानम शिविरों में पानी के टैंकरों की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने निरीक्षण और पर्यवेक्षण के लिए जलापूर्ति शिविरों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। एचडब्ल्यूएस एंड एसबी गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के मार्ग में पानी के रिसाव और सीवरेज के अतिप्रवाह को रोकने के लिए भी सावधानी बरत रहे हैं।

माओवादी पार्टी ने 17 सितंबर को काला दिवस के रूप में मनाने का आग्रह किया

हैदराबाद 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) पार्टी ने आज राज्य की जनता से आह्वान किया कि आगामी 17 सितंबर को राज्य के इतिहास में स्वतंत्रता दिवस या एकता दिवस मनाने के बजाय काला दिवस के रूप में मनाया जाए। पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता जगन ने आज यहां एक बयान में कहा कि सत्तारूढ़ टीआरएस और विपक्षी भाजपा ने तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष के इतिहास और पूरे संघर्ष की जड़ को तोड़-मरोड़ कर पेश किया है।

उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को एकता दिवस के रूप में टीआरएस पार्टी के निर्णय और फासीवादी भाजपा के स्वतंत्रता दिवस के रूप में निर्णय राज्य के इतिहास को विकृत करने के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कार्यक्रमों का उद्देश्य तेलंगाना में लूट की सरकार को जारी रखना सुनिश्चित करना था और कहा कि इस तरह के कृत्य सामंती निजाम के शासन को प्रतिबिंबित करेंगे। जगन ने कहा कि तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष और कुछ नहीं बल्कि एक ऐतिहासिक घटना है जिसमें तत्कालीन शासक के खिलाफ किसान समुदाय और उत्पीड़ित समुदायों का विद्रोह शामिल है। उन्होंने याद किया कि निज़ाम के शासन के दौरान किसानों को जबरन श्रम करने के लिए मजबूर किया गया था और कहा कि किसान निज़ाम, देशमुख, मकतदार और शौकरों के गुलामों का जीवन जीते थे। उन्होंने यह भी याद किया कि महिला किसानों को समाज में कोई मूल्य और सम्मान नहीं मिला। जगन ने लोगों से तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष के इतिहास को विकृत करने के लिए टीआरएस और भाजपा के कदमों का विरोध करने का आग्रह किया और कहा कि लोगों का विरोध राज्य में उनके बलिदान और अस्तित्व को वापस पाने में उनकी मदद करेगा।

माओवादी नेता ने कहा कि इतिहास शोएबुल्लाह खान, मौलवी अलाउद्दीन, तुर्रेबाज़ खान, पत्रकार शोएबुल्लाह खान, कोमुराम भीम, डोड्डी कोमुरैया, बंदगी और चकली ऐलम्मा के बलिदान को निज़ाम शासकों द्वारा जबरन वसूली के बंधन से मुक्त करने के लिए नहीं भूलेगा।

'एक शाम बाबा रामदेवजी के नाम' जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जगतगिरीगुट्टा सालासर हनुमान मंदिर स्थित राजस्थानी माली समाज एवं माली समाज युवा संगठन महादेवपुरम् के तत्वावधान में आयोजित एक शाम बाबा रामदेवजी के नाम भव्य जागरण का आयोजन किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में युवा संगठन के रामनिवास भाटी ने बताया कि समाज बन्धुओं के सानिध्य में भव्य जागरण का आयोजन किया गया। बाबा का विशेष पंडाल सजाकर तस्वीर पर माल्यापर्ण, दीप व ज्योत प्रज्वलितकर जागरण का शुभारम्भ किया गया, जिसमे रमेश माली ने भजनों के पुष्प अर्पित किये।

कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों का राजस्थानी साफे व दुपट्टे से आयोजकों द्वारा विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर सायं 7 बजे से की गयी। कार्यक्रम के मध्य मारवाड़ी युवा मंच द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे बहुत से दान-वीरों ने अपना रक्तदान किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजस्थानी माली (सैनी) समाज युवा संगठन के पदाधिकारियों व सभी कार्यकारिणी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। जागरण के मध्य बोलियों का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बाबा की तस्वीर एवं भोग की बोली मे समाज बन्धुओं ने बढचढकर भाग लिया। मंच का संचालन नवीन सोलंकी ने किया।

ऑटो रिक्शा चालक की हत्या

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार की रात बहादुरपुरा में कुछ लोगों ने एक ऑटो रिक्शा चालक की कथित तौर पर हत्या कर दी, जो उसके परिचित थे। खाजा पहाड़ी ताड़बन निवासी दस्तगीर (35) के रूप में पहचाने जाने वाले व्यक्ति ने एक ऑटो रिक्शा में अपने घर से शुरुआत की और शाम को मीर आलम टैंक के पास मृत पाया गया।

उस आदमी को जानने वाले कुछ लोगों ने उसे बार-बार चाकू मारा जिससे उसकी मौत हो गई। चारमीनार एसीपी, जी. भीष्म रेड्डी ने कहा कि अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

हमलावरों को पकड़ने के लिए दो टीमों का गठन किया गया है। पुलिस को संदेह है कि हत्या दस्तगीर और उसके परिचित कुछ लोगों के बीच पुरानी दुश्मनी के कारण हुई हो सकती है। मामला दर्ज है।

तेलंगाना के किसानों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं सीएम : एस.जयपाल रेड्डी

किसान फोरम ने सीएम केसीआर से पूछे कई सवाल

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। किसान मंच के संयोजक एस. जयपाल रेड्डी ने आज मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के उस बयान का मजाक उड़ाया कि 2014 में टीआरएस सरकार के सत्ता में आने के बाद तेलंगाना के किसानों का जीवन चमक रहा है, जबकि वे दयनीय जीवन जी रहे थे।

यहां सोमाजीगुडा प्रेस क्लब में आयोजित गोलमेज बैठक में बोलते हुए, तेलंगाना के विभिन्न जिलों से बैठक में भाग लेने वाले किसानों के प्रतिनिधियों ने केसीआर सरकार पर कई आरोप लगाये। जयपाल रेड्डी ने सवाल किया कि 26 राज्यों के किसानों के प्रतिनिधि तेलंगाना में पांच सितारा होटल में बैठे किसानों की स्थिति को कैसे प्रमाणित करते हैं। नलगोंडा जिले के एक किसान उपेंद्र रेड्डी ने सवाल किया कि क्या सीएम केसीआर ने कभी किसानों के मंचों को उनकी समस्याओं पर चर्चा करने की अनुमति दी और केसीआर द्वारा वादा किए गए एक लाख रुपये के कर्ज की माफी का क्या हुआ। जहां बैंकर किसानों को डिफॉल्टर घोषित करते रहे हैं, वहीं केसीआर उस समय चुप रहे जब किसान ऊंची ब्याज दरों पर निजी ऋण ले रहे हैं और उन्हें चुकाने में असमर्थ आत्महत्या कर रहे हैं। भारतीय किसान संघ के प्रभारी श्रीधर रेड्डी ने सीएम केसीआर से सवाल किया कि वह बिना इनपुट सब्सिडी दिए किसानों के जीवन से क्यों खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि राज्य में फसल बीमा क्यों नहीं लागू किया जा रहा है। चंदनवेली भूमि विस्थापितों ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री, जिन्होंने भूमिहीन गरीबों को तीन एकड़ जमीन देने का वादा किया था, सेज के नाम पर दलितों की जमीनों को जबरन अधिग्रहण कर रहे हैं और मुआवजे के भुगतान में उन्हें परेशान कर रहे हैं। याचाराम फार्मा सिटी के भूमि विस्थापितों ने आरोप लगाया है कि केसीआर सरकार ने उनकी जमीनों का जबरन अधिग्रहण किया है और उन्हें "भिखारी" बना दिया है। यहां तक कि जिन किसानों की जमीन मिड मनेर परियोजना के लिए अधिग्रहित की गई है, उनका भी आरोप है कि दर-दर भटकने के बावजूद उनकी दुर्दशा सुनने वाला कोई नहीं है। जिन लोगों ने अपनी जमीन गंवाई है, उन्होंने फोरम से अपने मुद्दों पर केसीआर सरकार के खिलाफ एक ठोस लड़ाई की योजना तैयार करने का अनुरोध किया है।

समन्वयक जयपाल रेड्डी ने आश्वासन दिया कि केसीआर सरकार की नीतियों के बारे में विभिन्न किसान संघों के मुद्दों को ध्यान में रखते हुए एक कार्य योजना तैयार की जाएगी। बैठक में राज्य भर से बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

बंजारा हिल्स स्थित महेश बैंक में भगवान गणेश की पूजा करते हुए बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग, पुरुषोत्तम मानधना, पुष्पा बूबू, रामप्रकाश भंडारी, रंजना शर्मा, कमल किशोर राठी, केवी रमणामूर्ति व बैंक कर्मचारी।

माओवादी आजाद ने पुलिस से की चेरला एलजीएस कमांडर रजिता को अदालत में पेश करने की मांग

कोठागुडेम, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना-छत्तीसगढ़ पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में कथित तौर पर प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) चेरला स्थानीय गुरिल्ला दस्ते (एलजीएस) के कमांडर मदकम कोसी उर्फ रजिता और कुछ अन्य को हिरासत में ले लिया है। हालांकि पुलिस ने अभी तक रजिता को हिरासत में लेने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, भाकपा (माओवादी) भद्राद्री कोत्तागुडेम-अल्लूरी सीताराम राजू डिवीजन कमेटी के सचिव आजाद ने बुधवार को एक बयान में पुलिस से उसे अदालत में पेश करने की मांग की। उन्होंने कहा कि एक माओवादी दानी और चार दलम सदस्यों को भी पुलिस ने तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमाओं पर दोकुपाडु, कुर्नापल्ली और कुनावई गांवों में छापेमारी के दौरान पकड़ा था। इस डर से कि पुलिस मुठभेड़ में पकड़े गए माओवादियों को मार सकती है, आजाद ने कहा कि अगर उनकी जान को कोई नुकसान हुआ है तो सरकार और पुलिस को जिम्मेदारी लेनी होगी।

नगर में आईएमडी के पूर्वानुमान के तहत गुरुवार को हुई जोरदाश्र बारिश से जलमग्न सड़क से गुजरते हुए वाहन चालक। गौरतलब है कि आईएमडी ने शनिवार तक भारी बारिश का अनुमान लगाया है।

दलितों के आर्थिक विकास में मदद करेगी दलित बंधु योजना : तलसानी

मंत्री ने दलित बंधु योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू की गई दलित बंधु योजना दलितों को आर्थिक विकास हासिल करने में मदद करेगी। उन्होंने गुरुवार को मसाब टैंक स्थित अपने कार्यालय में गृह मंत्री महमूद अली के साथ दलित बंधु योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की।

इस बैठक में महापौर विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर श्रीलता, एमएलसी सुरभि वनदेवी, प्रभाकर राव, स्टीफन सन, विधायक मगंती गोपीनाड, सयाना, मुता गोपाल, जफर हुसैन, पाशा कादरी, कलेक्टर अमय कुमार, एससी कॉर्पोरेशन ईडी रमेश और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री श्रीनिवास यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य सरकार ने आर्थिक विकास में बहुत पिछड़े दलितों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए दलित बंधु योजना शुरू की है। इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के तहत पहले चरण में सरकार ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में प्रत्येक 100 लोगों को 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए धनराशि स्वीकृत की है। हैदराबाद जिले के 15 निर्वाचन क्षेत्रों में 1476 लोगों ने आवेदन किया है और 1462 लोगों के खातों में 10 लाख रुपये की दर से राशि जमा की है। उन्होंने कहा कि 1200 लाभार्थियों को उनकी मनचाही यूनिट दी गई है। उन्होंने कहा कि जिन लाभार्थियों को यूनिट मिली है, वे बेहद खुश हैं। उन्होंने संबंधित विधायकों के सहयोग से इस माह के अंत तक शेष लाभार्थियों को यूनिट उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाने के आदेश दिए हैं। मंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया ताकि लाभार्थियों को दी गई इकाइयों का सही उपयोग किया जा सके। अधिकारियों ने कहा कि जागरूकता पैदा की जानी चाहिए ताकि लाभार्थी उन क्षेत्रों को चुन सकें जिनकी मांग है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Manju Lata, wedded spouse, Sr.No.JC283252M, Rank: SUB, Name : Subedar Prasad, R/o.Gosaipur, Po : Mohaw, The & Dist : Varanasi, UP, changed my name and DOB from Manjoo Lata Devi (3-1-1977) to Manju Lata (3-9-1977) for records.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

के.साईचरन तेजा
माता : के. ममता
पिता : के. रवि

मायावती बोलीं, किसानों के लिए यूपी सरकार की घोषणा ऊंट के मुंह में जीरा

लखनऊ, 8 सितंबर (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि किसान समाज वाले विशाल प्रदेश में फसल सुरक्षा व भंडारण के लिए अगले 5 वर्षों में 192 करोड़ अर्थात प्रति वर्ष मात्र करीब 38 करोड़ रुपये खर्च करने की सरकार की ताजा घोषणा ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। सरकार इनकी उपेक्षा करना बंद करें।

उन्होंने कहा कि अपनी उपज का लाभकारी मूल्य, गन्ना बकाया नहीं मिल पाने से यूपी के किसान काफी दुखी परेशान हैं। कमजोर मानसून ने उनके चिंताएं और बढ़ा दी हैं। किसानों को ऐसी विकट स्थिति से निकालने के लिए सरकार हर स्तर पर उनकी मदद तत्काल शुरू करे।

बिहार के 9 जिलों में एनआईए की रेड

पीएफआई के आतंकी कनेक्शन पर कार्रवाई
एसडीपीआई के प्रदेश अध्यक्ष, महासचिव के घर छापा

पटना, 8 सितंबर (एजेंसियां)। पटना के फुलवारी शरीफ से सामने आए पीएफआई कनेक्शन को लेकर एनआईए ने गुरुवार को बिहार में छापेमारी शुरू कर दी है। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की 9 जिलों में 13 ठिकानों पर छापेमारी चल रही है। इसमें पटना के फुलवारी शरीफ के अलावा वैशाली, मधुबनी, छपरा, अररिया, औरंगाबाद, किशनगंज, नालंदा और जहानाबाद शामिल हैं। अररिया के जोकीहाट में एसडीपीआई के प्रदेश महासचिव एहसान परवेज घर भी एनआईए पहुंची है।

टीचर परवेज आलम के घर भी छापा

छपरा के जलालपुर के माधवपुर पंचायत के रुदलपुर गांव निवासी सरकारी शिक्षक परवेज आलम के घर पर एनआईए की टीम ने छापा मारा है। साथ में भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। वहां पिछले एक घंटे से घर में

पूछताछ भी चल रही है। फुलवारी थाना में दर्ज एफआईआर में परवेज का नाम सामने आया था। उस समय एनआईए ने बताया था कि आरोपी पीएफआई का एक्टिव मेंबर है। परवेज आलम को जलालपुर थाना ले जाया गया है। वैशाली में पीएफआई के जिला प्रेसीडेंट रेयाज अहमद के घर छापेमारी। चेहराकला प्रखंड के छोटकी छपरा में रेयाज अहमद के परिजनों से टीम पूछताछ कर रही है। नालंदा के सोहसराय थाना क्षेत्र के खासगंज मोहल्ले में एसडीपीआई के प्रदेश अध्यक्ष शमीम अख्तर के घर छापेमारी चल रही है। शमीम अख्तर के छोटे भाई मो. दानिश को टीम अपने साथ ले गई है।

मधुबनी जिला के लदनिया प्रखंड के मिर्जापुर काशी टोल में मोहम्मद जशीम के घर में एनआईए टीम की छापेमारी चल रही है। कटिहार के हसनगंज में महबूब नदवी के आवास पर एनआईए टीम छापेमारी कर रही है। महबूब नदवी भी पीएफआई से जुड़ा बताया जा रहा है। रामपुर पंचायत के मोजफ्फर टोला गांव के उसके घर की तलाशी ली जा रही है। घर के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती है।

फुलवारी शरीफ में भी एनआईए टीम पहुंचीं

फुलवारी शरीफ के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में भी एनआईए ने कार्रवाई शुरू की है। फुलवारी के मिलकियाना मोहल्ला एवं भनपुरा ग्रामीण इलाके में टीम पहुंची है। यहां पीएफआई और एसडीपीआई से जुड़े संदिग्धों की तलाश की जा रही है। हालांकि आधिकारिक तौर पर इस बात को कोई भी बताने को तैयार नहीं है।

अररिया के जोकीहाट में एहसान परवेज के घर पहुंची टीम

गुरुवार की सुबह से एनआईए की टीम अररिया के जोकीहाट भी पहुंची है। यहां एसडीपीआई के प्रदेश महासचिव एहसान परवेज के घर में एनआईए की टीम छापेमारी कर रही है। एहसान का नाम भी फुलवारी शरीफ मामले में सामने आया था।

इससे पहले 31 जुलाई को भी रानीगंज में एनआईएस ने छापेमारी की थी। मिर्जापुर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 13 के सरफराज नाम के युवक को हिरासत में लिया गया था। हालांकि अररिया एसपी के आवास पर उससे पांच घंटे की पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया था।

अस्पताल में दवा लेने गए भाजपा नेता का सिर फोड़ा

होमगार्ड की वर्दी फाड़ी

लखीमपुर-खीरी, 8 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के लखीमपुर खीरी के जिला अस्पताल में दवा लेने गए भाजपा नेता फिर ओपीडी में ड्यूटी कर रहे होमगार्डों के बीच विवाद हो गया। दोनों में जमकर हाथापाई और मारपीट हुई। इस मारपीट में होमगार्ड की वर्दी फट गई तो वहीं भाजपा नेता का सिर फूट गया। भाजपा नेता का आरोप है कि उन पर हमला किया गया है और यह हमला अस्पताल के अधिकारियों और डॉक्टरों के इशारे पर हुआ है। भाजपा मंडल के अध्यक्ष नीरज मिश्रा गुरुवार की दोपहर दवा लेने के लिए जिला अस्पताल मोतीपुर गए थे। बताया जाता है कि ओपीडी में घुसने को लेकर वहां ड्यूटी कर रहे होमगार्ड और भाजपा नेता के बीच बहस हो गई। बहस के बाद दोनों में धक्का-मुक्की और हाथापाई शुरू हो गई।

इस मारपीट में होमगार्ड की वर्दी फट गई जबकि भाजपा नेता का सिर फूट गया। भाजपा नेता नीरज मिश्रा का कहना है होमगार्ड ने उनके सिर पर डंडा मार कर लहूलुहान कर दिया। उनका आरोप है कि कुछ दिन पहले अस्पताल की गंदगी को लेकर उन्होंने सीएमएस की शिकायत की थी। उनके ऊपर हमला इसी खुन्नस में किया गया है।

'लौंडा नाच' वाले कलाकार पद्मश्री रामचंद्र मांझी का निधन

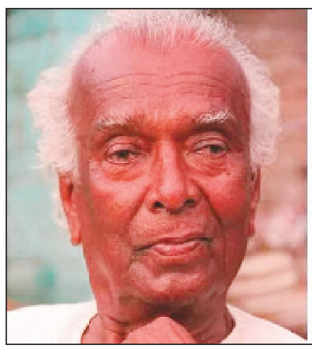

पटना, 8 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के छपरा निवासी प्रसिद्ध लोक कलाकार रामचंद्र मांझी अब इस दुनिया में नहीं रहे। पटना के आईजीआईएमएस अस्पताल में बुधवार देर रात उन्होंने अंतिम सांस ली। हार्ट ब्लॉकेज और इंफेक्शन की समस्या से जूझ रहे रामचंद्र मांझी को पद्म श्री अवार्ड से नवाजा गया था। वो भिखारी ठाकुर की नाट्य मंडली के सदस्य रहे और लौंडा नाच के लिए बेहद मशहूर थे।

'लौंडा नाच' को पहचान दिलाया, निधन

राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से नवाजे जा चुके रंगकर्मी रामचंद्र मांझी की तबीयत अचानक बिगड़ गयी थी। जिसके बाद उन्हें पटना के आइजीआइएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन बुधवार देर रात उनका निधन हो गया। रामचंद्र मांझी ने बिहार की लोक संस्कृति को एक अलग पहचान दी थी। 'लौंडा नाच' को उन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर नयी पहचान दी थी।

भिखारी ठाकुर के सहयोगी रहे

रामचंद्र मांझी भोजपुरी के शेक्सपियर कहे जाने वाले भिखारी ठाकुर के सहयोगी रहे। महज 10 साल की उम्र में ही उन्होंने भिखारी ठाकुर को गुरु बनाकर स्टेज पर पांव रख दिया था। रामचंद्र मांझी को वर्ष 2017 में संगीत अकादमी अवार्ड से नवाजा गया। वहीं पिछले साल वर्ष 2021 में रामचंद्र मांझी को उनकी कला तथा योगदान हेतु 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था। बताते चलें कि 'लौंडा नृत्य' बिहार के पुराने और बेहद प्रसिद्ध लोक नृत्यों में से एक है। इसमें लड़का, लड़की की तरह मेकअप और कपड़े पहनकर नृत्य करता है। लौंडा नाच का आयोजन लोग किसी भी शुभ मौके पर अपने यहां कराते हैं। आज की बात करें तो समाज के बीच से अब लौंडा नृत्य हाशिए पर जा चुका है। अब गिने-चुने ही लौंडा नृत्य मंडलियां बची हैं, जो इस विधा को जिंदा रखे हुए है। वो भी बुरी हालत से ही गुजर रहे हैं।

रामचंद्र मांझी भी आखिरी दिनों में आर्थिक तंगी से ही जूझे। जब वो बीमार पड़े तो उनके इलाज के लिए खर्च जुटाना काफी मुश्किल हो गया था। पहले उनका इलाज छपरा के ही एक निजी क्लिनिक में चल रहा था। लेकिन वहां से जब बड़े अस्पताल में ले जाने की जरुरत महसूस हुई तो परिवार वालों ने बेहद असहाय महसूस किया। परिवार के ही लोग बताने लगे कि वो फिलहाल आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। मदद की गुहार लगाई तो जनप्रतिनिधि की मदद से पटना में भर्ती कराया गया था।

नीट में इस बार यूपी का बोलबाला
अधिकतम सफल स्टूडेंट्स यूपी के

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। नीट के रिजल्ट में इस बार यूपी के स्टूडेंट्स का बोलबाला रहा। सफल उम्मीदवारों की लिस्ट में अधिकतम स्टूडेंट्स यूपी के हैं। इसके बाद स्थान आता है महाराष्ट्र और राजस्थान का नंबर है। वहीं यूपी के ईशान अग्रवाल स्टेट टॉपर बने हैं। उत्तर प्रदेश से इस बार 229115 उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसमें से 219197 स्टूडेंटस परीक्षा में शामिल हुए थे, इनमें से 117316 स्टूडेंट्स ने क्वालीफाई किया है, जो सभी स्टेट्स में से अधिकतम है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बुधवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2022 के नतीजे घोषित कर दिए। राजस्थान की तनिष्का ने पहला स्थान हासिल किया है। वहीं, दिल्ली के वत्स आशीष बतरा को दूसरा स्थान मिला है। इसके बाद अधिकतम सफल उम्मीदवारों में महाराष्ट्र का नाम आता है, जहां से 113812 स्टूडेंट्स सफल हुए हैं। उत्तर प्रदेश से टॉप 50 में ईशान अग्रवाल ने 99.99 परसेंटाइल के साथ आल इंडिया में 34वीं रैंक हासिल की है। ईशान को 700 अंक हासिल हुए हैं। ईशान बरेली के रहने वाले हैं। ईशान ने पहले ही प्रयास में नीट में सफलता हासिल की है। टॉप 20 टॉपर्स की बात करें तो इस बार छह उम्मीदवार कर्नाटक से, दो दिल्ली से, महाराष्ट, वेस्ट बंगाल, आंध्र प्रदेश, गुजरात, राजस्थान से और एक एक तेलंगाना, पंजाब और जम्मू कश्मीर से है।

अब खेल के मैदान में पढ़ी सामूहिक नमाज

बिजनौर में हिंदू संगठनों ने जताया विरोध एसपी ने सीओ को सौंपी मामले की जांच

बिजनौर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। बिजनौर में खेल के मैदान में मुस्लिम समाज के कुछ लोगों के सामूहिक रूप से नमाज पढ़ने का वीडियो सामने आया है। इसको लेकर हिंदू संगठनों ने विरोध किया है और पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस वीडियो के आधार पर जांच में जुट गई है।

सामने आया वीडियो बिजनौर के नगीना थाना क्षेत्र का है। यहां गांधी मूर्ति झंडा चौक के पास खेल का मैदान है जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्ग मॉर्निंग वॉक करते हैं और शाम के समय युवा कई तरह के गेम खेलते हैं।

15 युवकों ने पढ़ी नमाज, पास में खेल रहे थे बच्चे

बताया जाता है कि बुधवार शाम को करीब 15 मुस्लिम युवकों ने इसी मैदान में सामूहिक रूप से नमाज पढ़ी। उस दौरान बच्चे पास में खेलते भी नजर आए। नमाज पढ़ने का किसी राहगीर ने वीडियो बनाकर हिंदू संगठनों को दे दिया। जिसके बाद हिंदू संगठनों ने इसको लेकर विरोध शुरू कर दिया।

मैदान के पास में है मंदिर

बताया जाता है कि मैदान के पास ही एक मंदिर भी है। जिसमें अक्सर लोग पूजा पाठ करने आते हैं, इसीलिये खेल मैदान में नमाज पढ़ने का हिंदू संगठन के लोगों ने विरोध जताया है। उन्होंने पुलिस से इस वीडियो के आधार पर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और कार्रवाई की बात कही है।

एसपी बोले- सीओ कर रहे जांच

इस मामले में एसपी देहात राम अर्ज का कहना है, मामले की जांच सीओ नगीना को सौंपी गई है। सीओ वीडियो की जांच कर रहे हैं। जांच के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी। जिन लोगों ने मैदान में नमाज पढ़ी है उनकी पहचान की जाएगी।

हरदोई में भी माहौल बिगाड़ने की कोशिश

उधर, हरदोई में कुछ अराजक तत्वों ने एक मस्जिद के गेट पर गेरुआ रंग से श्री राम लिखकर माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की। मुस्लिम समुदाय के लोग सुबह नमाज पढ़ने पहुंचे तो दीवार पर श्री राम लिखा देखा। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस अधिकारियों ने अराजक तत्वों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ताजमहल के पास बेसमेंट खुदवाने से मकानों में आई दरार

आगरा, 8 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा में बेसमेंट के लिए खोदाई कराने से 12 से ज्यादा मकानों में दरारें आ गईं। ऐसे में मकानों के गिरने का खतरा बना हुआ है। इन मकानों में रहने वाले करीब 300 लोग दहशत में हैं। शिकायत के बाद निर्माण कार्य रुकवा दिया गया है। दरअसल, ताजमहल के 500 मीटर के दायरे में निर्माण कार्य कराने या मरम्मत के लिए पुरातत्व विभाग समेत कई विभागों से अनुमति लेनी होती है, लेकिन सपा पार्षद बिना अनुमति के निर्माण कार्य करवा रहे हैं। जहां निर्माण कार्य चल रहा है, वहां से ताजमहल की दूरी 500 मीटर से भी कम है। आरोप है कि वार्ड 98 के सपा पार्षद सुनील राठौर अवैध निर्माण करवा रहे हैं। उन्होंने अपने प्लाट के निर्माण को तुड़वाकर वहां बेसमेंट खुदवा दिया है। इसके चलते आसपास के मकानों के गिरने का खतरा मंडरा रहा है। पिछले हफ्ते नगर निगम ने तांगा स्टैंड पर सार्वजनिक शौचालय बनाया था।

आगरा में जन्मे आलोक शर्मा ब्रिटिश कैबिनेट में मंत्री बने

आगरा, 8 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा जन्मे और यहां से गहरा जुड़ाव रखने वाले आलोक शर्मा को ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने अपनी कैबिनेट में शामिल किया है। ट्रस के इस एलान के बाद आलोक शर्मा के परिवारीजनों को दोहरी खुशी मिली। दरअसल बुधवार को उनका जन्मदिन भी था। शर्मा फिलहाल जलवायु सम्मेलन कॉप- 26 के अध्यक्ष बने रहेंगे। 55 वर्षीय आलोक शर्मा को ट्रस कैबिनेट में जगह मिलने से न केवल उनके परिजनों में खुशी का मौहाल छा गया बल्कि आगरा में भी दिनभर चर्चा रही।

ब्रिटेन की नई सरकार में अहम जिम्मेदारी निभाने वाले आलोक शर्मा की जन्मस्थली आगरा का कोठी मीना बाजार है। उनका जन्म 7 सितंबर 1967 में हुआ था। उनके पिता डॉ. प्रेम शर्मा भले ही बरसों पहले परिवार के साथ लंदन में शिफ्ट हो गए, लेकिन उनका जुड़ाव आज तक

परिवारीजनों से बना हुआ है।

आलोक का आगरा से गहरा जुड़ाव

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में अधिकारी उनके चचेरे भाई विश्वनाथ शर्मा ने बताया कि उनकी इस उपलब्धि पर परिवार में खुशियां हैं। वह बताते हैं कि आलोक का जुड़ाव आगरा से बना हुआ है। वह कुछ साल पहले दिल्ली भी आए थे, जहां उनसे मुलाकात हुई थी। वह भी कोरोना काल से पहले ब्रिटेन में परिवार के साथ मिलने पहुंचे थे। हालांकि उनके पास समय की बहुत कमी रहती है, लेकिन परिवार के अन्य सदस्यों से बातचीत होती रहती है।

श्रीमद्भागवत को हाथ में लेकर ली थी शपथ

आलोक शर्मा ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत वर्ष 2010 में में बोरिस जॉनसन की पार्टी से सांसद का चुनाव जीतकर की थी। उन्होंने भगवत गीता की प्रति हाथ में लेकर शपथ ग्रहण की थी। जुलाई 2019 में बोरिस जॉनसन के प्रधानमंत्री बनने के बाद शर्मा को अंतरराष्ट्रीय विकास मंत्री के कैबिनेट स्तर का पद मिला था। इसके पहले वह कई महत्वपूर्ण विभागों में अहम पदों पर काम कर चुके हैं। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन के मुद्दे को लेकर सुर्खियों में आए थे। उन्होंने जलवायु सम्मेलन कॉप-26 के अध्यक्ष के तौर पर प्रतिनिधित्व किया था।

विश्वनाथ बताते हैं कि करीब 20 दिन पहले उनकी आलोक शर्मा से बातचीत हुई थी। वह चुनाव के कारण काफी व्यस्त थे और केवल कुशलक्षेम तक ही बात हो सकी।

जीतनराम मांझी बोले- नीतीश पीएम बनेंगे तो तेजस्वी सीएम बनेंगे

डिप्टी सीएम बोले- बहुत जिम्मेदारी है

पटना, 8 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिन्दुस्तान आवामी मोर्चा (हम) के नेता जीतन राम मांझी ने कहा है कि 2024 के चुनाव के बाद जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार देश के प्रधानमंत्री बन जाएंगे तो डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव बिहार के सीएम बनकर जनता की सेवा करेंगे।

गया में फलगू नदी के किनारे रबर डैम और पितृपक्ष मेला के उद्घाटन समारोह में मांझी ने नीतीश और तेजस्वी की मौजूदगी में मगही भाषा में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नीतीश जी जब पीएम बनेंगे तब ना तेजस्वी यादव सीएम बनेंगे। नीतीश कुमार ने मीडिया से बातचीत में दोहराया कि वो पीएम नहीं बनना चाहते हैं, बस विपक्षी दलों को एक साथ लाना चाहते हैं।

जब तेजस्वी यादव से मीडिया ने मांझी के भाषण पर पूछा तो उन्होंने कहा कि उनके पास काफी जिम्मेदारियां हैं और इसके आगे उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। तेजस्वी यादव को लेकर बिहार में ये चर्चा आम हो चुकी है कि अगर नीतीश कुमार 2024 में केंद्रीय राजनीति में जाते हैं तो बिहार में उनकी ताजपोशी हो सकती है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार वर्षों से बिहार की सेवा कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम उनका सहयोग करते रहेंगे। इसमें कोई भ्रम ना रहे।

हम बयानबाजी करने वालों में नहीं हैं। जो 2014 में नदियों को जोड़ने, बनारस को क्योटो बनाने और नौकरी देने का वादा करके आए थे, उनके पास कुछ नहीं है दिखाने को। हम काम करने में यकीन रखते हैं।

पीयूष जैन आठ माह बाद जेल से रिहा

घरों से मिले थे 197 करोड़ की नकदी और सोने की सिल्ली

कानपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। इत्र कारोबारी पीयूष जैन आखिर 8 माह बाद गुरुवार दोपहर जेल से रिहा हो गया। बुधवार को ही मजिस्ट्रेट की अदालत से उसका रिहाई परवाना जारी हो गया था लेकिन तकनीकी खामी के कारण जेलर ने बुधवार को रिहाई रोक दी थी। गुरुवार को परवाने की खामी दूर करने के बाद दोबारा जेल भेजा गया जिसके बाद पीयूष की रिहाई हो गई।

पीयूष के कानपुर और कन्नौज स्थित घरों से लगभग 197 करोड़ रुपए की नकदी और 23 किलो सोना बरामद हुआ था। इस मामले में डीजीजीआई अहमदाबाद और डीआरआई लखनऊ की ओर से दो मुकदमे दर्ज किए गए थे। दोनों ही मामलों में उसको हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है।

डीजीजीआई के मामले में पिछले दिनों मिली जमानत के बाद स्पेशल सीजेएम कोर्ट ने उसको 10-10 लाख की दो जमानतें दाखिल करने के निर्देश दिए थे।

नशीली दवा बेचने का नया तरीका

ऐसे जुटाते थे कस्टमर का डाटा, यूपी एसटीएफ ने दबोचा

लखनऊ, 8 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी एसटीएफ ने भारत व अंतर्राष्ट्रीय ग्राहको को नशीली/प्रतिबंधित दवाएं उपलब्ध कराने वाले एक गैंग का खुलासा किया है। यह गैंग ग्राहकों का डाटा 'डार्कवेब' से लेकर वर्चुअल मनी बिटकॉइन के माध्यम से अपना गैरकानूनी धंधा चलाते थे। एसटीएफ ने गैंग के सरगना शहबाज को उसके पांच साथियों के साथ यूपी की राजधानी लखनऊ से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से प्रतिबंधित दवाएं और लैपटॉप सहित कई वस्तुएं बरामद हुई हैं। एसटीएफ के अधिकारियों के अनुसार काफी दिनों से राजधानी लखनऊ व उसके आस-पास के जनपदों में चोरी छुपे प्रतिबंधित/नशीली दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पोर्टल के माध्यम की की जा रही थी। जांच पड़ताल में पता चला कि आलमबाग थाना क्षेत्र में एक सक्रिय गैंग प्रतिबंधित/नशीली दवाओं की अवैध रूप से ऑन लाइन माध्यम से कॉल सेंटर चलाते हुए कर रहा है। एसटीएफ को पता चला कि गैंग का मुखिया शहबाज अपने साथियों के साथ अपने आलमबाग स्थित किराये के कमरे पर मौजूद है। वह कुछ दवाइयों के सैंपल लेकर उन्हें खरीदने व बेचने के संबध में अपने साथियों के साथ कॉल सेंटर भी चला रहा है। यह जानकारी मिलने के बाद एसटीएफ की टीम डिप्टी एसपी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में आलमबाग चौराहे पर पहुंची।

उनके साथ एफएसडीए के सहायक आयुक्त बृजेश कुमार, अपनी टीम ड्रग इंस्पेक्टर माधुरी सिंह, नीलेश कुमार शर्मा भी थे। पूरी टीम ने 61/1 चंदर नगर आलमबाग स्थित किराये के घर में छापा मारकर सभी आरोपियों को हिरासत में ले लिया। शहबाज ने मौके पर पूछताछ में बताया कि उसका प्रतिबंधित दवाओं को बेचने का एक अंतर्राष्ट्रीय गिरोह है।

कब्र खोद काट ले गए प्रधान के ससुर का सिर

लालगंज, 8 सितंबर (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ में कुछ लोग कब्र खोद ग्राम प्रधान के ससुर का सिर काट ले गए। शव को 9 महीने पहले बाग में दफनाया गया था। बुधवार की रात कब्र को खोद दिया गया। इसके बाद कंकाल में तब्दील हो चुके शव का सिर काट लिया गया। घटना के पीछे की वजह तंत्र क्रिया बताई जा रही है। गुरुवार की सुबह घटना का पता चलने पर पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की।

लीलापुर थानाध्यक्ष विनीत उपाध्याय ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस जल्द ही घटना का पर्दाफाश करेगी।

अपनी ही जेल में कैद हैं मायावती, दिल्ली में बैठा है जेलर

अखिलेश यादव का बसपा प्रमुख पर बड़ा हमला

लखनऊ, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों की एकता के प्रयास में लगे अखिलेश यादव ने बसपा प्रमुख मायावती पर बड़ा हमला बोला है। यहां तक कह दिया कि मायावती वही करती हैं जो भाजपा उसे करने के लिए कहती है। कहा कि मायावती भाजपा को फायदा पहुंचाने वाली ऐसी नेता हो गई हैं, जो अपनी ही बनाई जेल में कैद हैं और उनका जेलर दिल्ली में बैठा है। अखिलेश ने गुरुवार को संवाददाताओं के सवालों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बसपा वही करती है जो भाजपा उसे करने के लिये कहती है। उन्होंने कहा कि मायावती के निशाने पर

भाजपा नहीं बल्कि सपा होती है। चुनाव में भी बसपा ऐसे उम्मीदवार को उतारती है, जिसकी वजह से सपा हारे। उन्होंने कहा कि वह भाजपा से नहीं लड़ रही हैं, वो तो अपनी एक बनाई हुई जेल में बंद हैं, उनका जेलर मुझे लगता है कि दिल्ली में बैठा हुआ है।

अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पिछले दो विधानसभा चुनाव में बसपा की मदद के बिना भाजपा की सरकार नहीं बन सकती थी। अखिलेश ने मायावती के पिछले फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में बसपा ने एनडीए के उम्मीदवार का समर्थन किया। इसी तरह आजमगढ़ के उपचुनाव में उन्होंने कुछ नहीं बोला और दो दिन बाद भाजपा का समर्थन कर दिया। इससे पहले भी अखिलेश यादव बसपा और मायावती पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाते रहे हैं। पहली बार उन्होंने जेल और जेलर जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है।

'पीएम मोदी महान शख्सियत, कर रहे हैं बेहतर काम'

डॉनल्ड ट्रंप बोले- मुझसे अच्छा भारत का कोई दोस्त नहीं

न्यू जर्सी, 8 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक अच्छे इंसान हैं और बहुत बेहतर काम कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत का मुझसे बेहतर दोस्त कभी नहीं रहा। उन्होंने संकेत देते हुए कहा कि वह 2024 में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ में फिर शामिल हो सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि, "मेरे भारत और प्रधान मंत्री मोदी के साथ बहुत अच्छे

संबंध रहे हैं। हम हम दोस्त थे और मुझे लगता है कि पीएम मोदी एक महान व्यक्ति हैं और बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। यह एक आसान काम नहीं है जो उन्हें मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि, मुझे लगता है कि भारत का मुझसे बेहतर अमेरिकी दोस्त और राष्ट्रपति कभी नहीं रहा है। वहीं एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति बाइडेन और बराक ओबामा की तुलना में भारत के साथ उनके बेहतर संबंध थे। डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि इस बारे में आपको प्रधान मंत्री मोदी से पूछना होगा। लेकिन मुझे नहीं लगता कि भारत के साथ मुझसे बेहतर किसी अमेरिकी राष्ट्रपति के संबंध रहे होंगे। बता दें कि, डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका में नवंबर 2020 को हुए राष्ट्रपति चुनाव में हार गए थे। हालांकि उन्होंने चुनाव में हार नहीं मानी थी और धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। इसके बाद उनके समर्थकों ने 6 जनवरी को कैपिटल हिल (संसद भवन परिसर) में कथित तौर पर हिंसा की थी। इस घटना को लेकर हाल ही में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ट्रंप और उनके समर्थकों की हिंसा पर कड़ी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि अमेरिका में राजनीतिक हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की कार्रवाई, 10 लाख का गांजा पकड़ा

ग्वालियर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। ग्वालियर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजे से भरे एक ट्रक को बरामद किया है। ट्रक से 120 गांजे के पैकेट बरामद किए गए हैं, जिसका वजन 260 किलो से ज्यादा बताया जा रहा है। जब्त किए गए गांजे की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10 लाख से ज्यादा आंकी गई है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश से रजिस्टर्ड ट्रक के साथ ड्राइवर और सह चालक को भी गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार गांजा आंध्र प्रदेश से लाया गया था और उत्तर प्रदेश के किसी शहर में ले खपाने के लिए ले जाया जा रहा था। गांजे के साथ पकड़े गए आरोपियों की पहचान शाकिब और मुस्लिफ खान के रूप में की गई है। एनसीबी को सूचना मिली थी कि आंध्र प्रदेश से एक ट्रक गांजे की बड़ी खेप लेकर उत्तर प्रदेश ले जाई जा रही है। जो कि दतिया पहुंच कर भिंड के रास्ते उत्तर प्रदेश जा सकता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	04-32 बजे
चंद्र-	कुंभ में	कन्या	06-39 बजे
मंगल	वृष में	तुला -	08-44 बजे
बुध-	कन्या में	वृश्चिक	10-54 बजे
गुरु-	मीन में	धनु---	13-08 बजे
शुक्र-	सिंह में	मकर-	15-14 बजे
शनि-	मकर में	कुंभ -	17-05 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-42 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-18 बजे
		वृष--	22-03 बजे
		मिथुन..	00-04 बजे
		कर्क...	02-07 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- पश्चिम • दही खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी • **18-07** तक उपरान्त, पूर्णिमा
मास - भाद्रपद शुक्ल पक्ष ,शुक्रवार, **09 Sep**
नक्षत्र • धनिष्ठा • **11 -34** • तक उपरान्त, शतभिषा
योग - सुकर्मा - **18- 10** • तक उप- धृति
करण- गर • **07 -34** • तक,उप- वणिज
विशेष:- अनंत चतुर्दशी व्रत
व्रत -त्योहार - पूर्णिमा व्रत,भद्रा-**15-18** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल
10:41 से
12:13 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	**06:06 - 07:37**	शुभ	रोग.	**18:22 - 19:50**	अशुभ
लाभ	**07:37 - 09:09**	शुभ	काल.	**19:50 - 21:18**	अशुभ
अमृत	**09:09 - 10:41**	शुभ	लाभ	**21:18 - 22:46**	शुभ
काल	**10:41 - 12:13**	अशुभ	उत्पात	**22:46 - 00:13**	अशुभ
शुभ	**12:13 - 13:46**	शुभ	शुभ	**00:13 - 01:41**	शुभ
रोग	**13:46 - 15:18**	अशुभ	अमृत	**01:41 - 03:09**	शुभ
उत्पात	**15:18 - 16:50**	अशुभ	चंचल	**03:09 - 04:37**	शुभ
चंचल	**16:50 - 18:20**	शुभ	रोग	**04:37 - 06:06**	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आज का दिन भावनात्मक रहेगा ।आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थति भी आ सकती है आप को इससे थोडा सा डर रहेगा क्योंकि आपने इससे पहले ऐसा कभी नही किया है ।लेकिन अगर आप ऐसा करेंगे तो आपको भावनात्मक संतुष्टि मिलेगी।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है ।आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे ।इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा । उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े । लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा ।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं । हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है लेकिन मन को शांत रखें ।आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है ।किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेह्तर समय को याद करने लगेंगे ।किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं । आज आप अपनी वर्त्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने होगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें ।यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आप आजकल हर किसी की नजर में हैं ।जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे ।इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं ।यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएं ।हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं ।दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है ।घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा ।इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें ।इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे।अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है ।आप आज शांत किन्तु दृढ हैं ।आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें ।किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे ।बोद्धिक उन्नति होगी।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है ।आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं ।फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे ।जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है ।आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे ।इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे । आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा ।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

बैंककर्मी ने 5 लाख कर्ज लिया,डेढ़ करोड़ मांग रहा सूदखोर

भोपाल में महिला बोली- अबतक 77 लाख दे चुके अब सिर्फ सुसाइड का रास्ता बचा

भोपाल, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भोपाल में एक बार फिर सूदखोरों के आतंक का मामला सामने आया है। शहर के न्यू मिनाल रेसीडेंसी इलाके में रहने वाली स्वाति रघुवंशी (32) अयोध्या नगर पुलिस के पास पहुंची और बताया कि उसने सूदखोर से 5 लाख रुपए कर्ज लिया था, जिसके बदले वह अब तक 77 लाख रुपए दे चुकी है। बावजूद सूदखोर 1.5 करोड़ रुपए मांग रहा है। पैसा नहीं देने पर महिला के पति और बच्चे को अगवा कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। उसने कहा कि अब सुसाइड के अलावा दूसरा रास्ता नहीं बचा है। इधर, कैंची छोला इलाके में रहने वाले आरोपी सूदखोर रितेश पांडेय का दावा है कि स्वाति रघुवंशी ने करीब 45 लाख रुपए कर्ज लिया है। जिसमें से 30 लाख रुपए उसने अलग-अलग किश्तों में मेरे अकाउंट में ट्रांसफर किए। जिनके बदले वो

फिर आकर कैश उधार ले जाती थी। अब रुपए वापस नहीं देना पड़े, इसलिए झूठा केस दर्ज कराकर दबाव बना रही है।

सूदखोर ने 5 लाख की राशि 30 लाख रुपए कर दी

स्वाति रघुवंशी बजाज फिनसर्व फायनेंस कंपनी में काम करती हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि दिसंबर 2021 में रितेश पांडेय से 5 लाख रुपए उधार लिए थे। इसका वह 2% प्रति महीने के हिसाब से समय पर ब्याज भी चुका रही थी। कुछ समय बाद रितेश ने 5 लाख की जगह राशि बढ़ाकर 30 लाख रुपए कर दी। इसके साथ ही रितेश ने एग्रीमेंट पर दस्तखत भी करा लिए। इसके बाद व्यवहार बदल गया। वह घर के सामने आकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने लगा। मजबूरी का फायदा उठाते हुए कभी 2 लाख, तो कभी 3 लाख रुपए वसूलता रहा।

घर और ऑफिस आकर धमकाने लगा

महिला ने बताया कि अगर मैं उसे पैसा नहीं देती, तो वह ऑफिस आ जाता था। परेशान होकर मैंने अपने परिचितों के रुपए भी उसके खाते में ऑनलाइन डाल दिए। ये वह पैसा था, जो मैंने परिचितों से गोल्ड में इन्वेस्ट करने के नाम पर लिया था। रितेश मुझे सोशल मीडिया पर बदनाम करने की धमकी देकर करीब 77 लाख रुपए वसूल चुका है। अब 1.5 करोड़ रुपए की मांग कर रहा है, जिसकी कॉल रिकॉर्डिंग भी मेरे पास है।

पति-बच्चे को मारने की धमकी दी

स्वाति ने पुलिस को बताया कि एग्रीमेंट पर वह दस्तखत नहीं कर रही थी। इस पर रितेश ने पति और बच्चे को अगवा कर जान से मारने की धमकी दी। वह अक्सर धमकाता था कि प्राइवेट पैसा इतने ब्याज पर ही मिलता है। पैसा नहीं देने पर झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी। अब रितेश के प्रताड़ित करने पर सुसाइड के अलावा दूसरा रास्ता नहीं बचेगा।

सूदखोर बोला- महिला ने पहले पांच, फिर 45 लाख रुपए लिए

इधर, कर्ज देने वाले रितेश पांडेय का दावा है कि जनवरी 2022 में स्वाति ने पहले पांच लाख रुपए लिए थे। इसके बाद 30 लाख और फिर 14-15 लाख रुपए लिए। एग्रीमेंट के अनुसार उन्हें मुझे 2% मासिक ब्याज देना था। महिला बैंककर्मी ने चालाकी की। उसने 30 लाख रुपए बैंक खाते में अलग-अलग किश्तों में डाले, जिस दिन वह पैसा डालती थी, अगले दिन वापस नगद लेकर चली जाती थी। मुझे 30 लाख रुपए भी नहीं मिले। उसे पैसा वापस नहीं देना है, इसलिए झूठी एफआईआर कराकर ब्लैकमेल कर रही है।

गोल्ड की नीलामी का बोलकर लिया पैसा

रितेश पांडेय का कहना है कि महिला कहती थी, बैंकों में गोल्ड की नीलामी की जाती है। इसे खरीदने के लिए वह कर्ज लेकर जाती है। नीलामी में सस्ते दाम में गोल्ड मिल जाता है। इसे बाद में महंगे दाम में बेचकर मुनाफा कमाएगी। उसने पैसे लिए, लेकिन वापस नहीं किए। रितेश ने बताया कि महिला बजाज फिनसर्व फायनेंस कंपनी में खुद को पदस्थ होना बताती है। वह पहले एचडीबी बैंक में रह चुकी है। गड़बड़ी के आरोप में उसे बैंक से निकाला जा चुका है।

पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव को हाईकोर्ट से मिली जमानत

जल्द जेल से आएंगे बाहर

रांची, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य के पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव और उनकी पत्नी निर्मला देवी को चिरूडीह गोलीकांड में हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। जस्टिस राजेश कुमार की अदालत ने दोनों को जमानत प्रदान की। जमानत मिलने के बाद योगेंद्र साव जेल से बाहर आ जाएंगे जबकि निर्मला देवी को जेल में ही रहना होगा। हजारीबाग के जुड़े कफन सत्याग्रह के मामले में निचली अदालत ने दोनों को छह- छह माह की सजा सुनायी थी। इसके बाद योगेंद्र साव की ओर से सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की गयी थी और जमानत देने का आग्रह किया गया था। योगेंद्र साव की ओर से अदालत को बताया गया कि इस मामले में वह छह माह जेल में भी रह चुके हैं। इसके बाद अदालत ने दोनों को जमानत प्रदान कर दी।

क्या है मामला

एनटीपीसी की ओर से किए जा रहे जमीन अधिग्रहण के विरोध में कफन सत्याग्रह किया गया था। यह आंदोलन पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और पूर्व विधायक निर्मला देवी ने स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर एनटीपीसी के खिलाफ चलाया था। इस मामले में वर्ष 2015 में बड़कागांव में गोली चल गई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। हिंसा के बाद दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में योगेंद्र साव पर दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज किए गए थे। इनमें से 11 मामलों में साव बरी हो चुके थे। दो में सजा हुई है। इससे पहले एक मामले में पत्नी-पत्नी को 10-10 वर्ष की सजा सुनाई गई है।

वर्ष 2019 से जेल में हैं योगेंद्र

चार अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन करने पर योगेंद्र साव की जमानत रद्द कर दी थी। योगेंद्र ने 15 अप्रैल 2019 को सरेंडर किया था। तब से जेल में है।

पानीपत में युवक पर बाल विवाह का केस:रेप एफआईआर से बचने के लिए रची शादी

पानीपत, 8 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत के किला थाना क्षेत्र के एक युवक ने पहले नाबालिग को शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। एफआईआर से बचने के लिए किशोरी से शादी भी कर ली। इसके बाद उसे प्रताड़ित करने लगा। किशोरी ने जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी रजनी गुप्ता से आरोपी पति के विरुद्ध शिकायत की तो बाल विवाह का मामला भी सामने आ गया। अब जिला महिला संरक्षण अधिकारी की शिकायत पर 50 दिन बाद बाल विवाह का केस दर्ज हो गया है। वार्ड-पांच निवासी का विवाह 15 नवंबर 2021 को नाबालिग लड़की के घर पर संपन्न हुआ था। शादी के बाद पति उसे प्रताड़ित करने लगा तो उसने जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी से शिकायत कर दी। पूछताछ-जांच के दौरान किशोरी की उम्र दस्तावेज के रूप में उसके पिता ने आधार कार्ड प्रस्तुत किया। किशोरी की आयु 28 सितंबर वर्ष 2004 दर्ज है। यानि, शादी के समय लड़की की उम्र करीब 17 वर्ष एक माह थी। पति ने भी शादी की बात स्वीकारी, उसने यह भी बताया कि घर बसाने का दावा भी अदालत में दायर किया हुआ है। किशोरी के पिता ने भी अपना शपथ पत्र भी पेश किया। उसने कानून की जानकारी होना स्वीकारते हुए कहा कि बाल विवाह एक संज्ञेय अपराध है। किशोरी ने आरोपी पति पर शादी से पहले शारीरिक संबंध बनाने के आरोप लगाए।

जबलपुर में 'बिशप' के घर ईओडब्ल्यू की छापेमारी, विदेशी मुद्रा बरामद , 2 करोड़ से ज्यादा के गबन का आरोप

भोपाल, 8 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में द बोर्ड ऑफ एजुकेशन चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया के चेयरमैन के घर गुरुवार को ईओडब्ल्यू ने छापा मारा। चैयरमैन पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर मूल सोसाइटी का नाम बदलने और करीब 2 करोड़ से ज्यादा रुपये धार्मिक संस्थाओं को ट्रांसफर कर गबन करने का आरोप है। ईओडब्ल्यू की टीम फिलहाल उनके घर पर दस्तावेजों की जांच कर रहीं हैं। बता दें कि जबलपुर में बिशप के घर से भारी मात्रा में नगदी बरामद की गई है। फिलहाल कितने रुपये बरामद किए गए हैं इसका खुलासा नहीं हो सका है। जानकारी मिली है कि एक टीम मशीन लेकर नोटों को गिनने के लिए पहुंची है। और बताया जा रहा है कि इंडियन करेंसी के साथ ही विदेशी करेंसी भी मिली है। दरअसल, चैयरमैन के खिलाफ ईओडब्ल्यू को शिकायत मिली थी, जिसकी जांच उप पुलिस अधीक्षक मनजीत सिंह से कराई गई। शिकायत में बिशप पीसी सिंह, चेयरमैन द बोर्ड ऑफ एजूकेशन चर्च ऑफ नार्थ इंडिया जबलपुर डायोसिस' जबलपुर के विरूद्ध फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मूल सोसायटी का नाम परिवर्तन करने की बात सामने आई थी। इसी कड़ी में पीसी सिंह पर उसका चेयरमैन बनकर पद का दुरूपयोग करते हुए सोसायटी की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में प्राप्त होने वाली छात्रों की फीस का उपयोग धार्मिक संस्थाओं को चलाने का आरोप लगा। शुरुवाती जांच में शैक्षणिक संस्थाओं से वर्ष 2004-05 से वर्ष 2011-12 के बीच करीब दो करोड़ से ज्यादा की राशि धार्मिक संस्थाओं को ट्रांसफर कर इसका दुर्विनियोग करना तथा स्वयं के उपयोग में लेकर गबन करने के आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाए गए। जानकारी के अनुसार इस प्रकरण की जांच उप निरीक्षक विशाखा तिवारी कर रही हैं। वहीं प्रकरण से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों और गबन की राशि से अर्जित संपत्तियों की जानकारी जुटाने के लिए ईओडब्ल्यू ने गुरुवार सुबह बिशप पी। सी। सिंह के निवास पर तलाशी कार्रवाई शुरू की है। वहीं शिकायत जांच में मिली जानकारी के आधार पर आरोपी बिशप पी। सी। सिंह, बी। एस। सोलंकी, तत्कालीन असिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म्स एण्ड संस्थाएं जबलपुर के विरूद्ध धारा 406, 420, 468, 471, 120(बी) भादंवि का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

तिहाड़ जेल में बंद कैदी के पेट से निकाले गए दो मोबाइल

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। तिहाड़ जेल में एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। एक कैदी पैसा कमाने के लिए चार मोबाइल निगल गया। डाक्टरों ने आपरेशन करके उसके पेट से दो मोबाइल फोन निकाले हैं। पेट में अभी दो और मोबाइल फोन और हैं। उनको निकालने के लिए जल्द ही दूसरा ऑपरेशन किया जाएगा। जेल के महानिदेशक संदीप गोयल ने बताया कि कैदी की जीबी पंत अस्पताल में इंडोस्कोपी की गई। तिहाड़ जेल पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जेल संख्या-एक में बंद इस कैदी ने जेल अधिकारियों को बताया कि उसे जेल में पैसा कमाने का आइडिया आया था। जब वह जेल से बाहर आया तो उसने चार छोटे मोबाइल निगल लिए। उसे लगा कि वह मोबाइल फोनों को अन्य कैदियों को बेच देगा। मोबाइल निगलने के बाद वह तिहाड़ जेल चला गया। वहां उसकी तलाशी ली गई, मगर कुछ पता नहीं लगा। जेल में जाकर उसने मोबाइल फोनों को बाहर निकालने की अपने स्तर पर बहुत कोशिश की, मगर मोबाइल फोन निकले नहीं। इसके बाद उसे पेट में दर्द हो गया। इससे वह डर गया और उसने जेल अधिकारियों को बताया कि उसके पेट में चार मोबाइल फोन हैं। जेल अधिकारियों ने शुरू में उसका मजाक उड़ाया और उसकी बात को टाल दिया। कैदी अपनी बात पर अड़ा रहा तो उसे डीडीयू अस्पताल भेजा गया। यहां भी डॉक्टरों को उसकी बात पर यकीन नहीं हुआ। यहां से उसे जीबी पंत अस्पताल भेज दिया गया। यहां पर डॉक्टरों ने पहले उसकी इंडोस्कोपी की। इससे पता लगा कि उसके पेट में मोबाइल फोन हैं। इसके बाद ऑपरेशन कर बुधवार को दो मोबाइल निकाल दिए गए। जेल अधिकारियों का कहना है कि दो अन्य मोबाइलों को निकालने के लिए जल्द ही उसका दूसरा ऑपरेशन किया जाएगा। उत्तरी दिल्ली के हाईप्रोफाइल अमित गुप्ता की हत्या की गुत्थी को सुलझाने में पुलिस को कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस संबंध में गांव सोरखा, सेक्टर-115, गौतमबुद्ध नगर, यूपी निवासी अमित यादव उर्फ राहुल उर्फ विक्की को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, रंगदारी न देने पर जेल में बैठे गैंगस्टर के इशारे पर अमित की हत्या हुई थी। पता चला है कि आरोपी 22 अगस्त को मुंडका इलाके में हुए दोहरे हत्याकांड में भी शामिल था। इसके अलावा पिछले दिनों सोनीपत के खरखौदा में भी आरोपी ने एक शख्स पर गोली चलाकर उसको जख्मी कर दिया था। पुलिस उससे पूछताछ कर उसके बाकी साथियों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने बताया कि गुजरांवाला टाउन निवासी अमित गुप्ता की बाइक सवार बदमाशों ने 23 अगस्त को बुराड़ी में हत्या कर दी थी।

गरबा पंडाल में बिना पहचान पत्र के नहीं मिलेगा प्रवेश, लव जिहाद रोकने मध्यप्रदेश सरकार का बड़ा कदम

ग्वालियर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में गरबा पंडालों में प्रवेश के लिए पहचान पत्र दिखाना जरूरी होगा। बिना पहचान पत्र गरबा पंडालों में प्रवेश नही मिलेगा। मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश में लव जिहाद के मामले रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश की संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर ने हाल ही में ग्वालियर में दिए बयान में कहा कि गरबा पंडाल लव जिहाद का बड़ा माध्यम बन चुके थे। अब सभी गरबा आयोजक सतर्क और सजग रहें। गरबा पंडाल में जो भी आये, आइडेंटी कार्ड लेकर आएं। बगैर पहचान के गरबा पंडाल में कोई प्रवेश कर नहीं सकता। ये सब के लिए सलाह भी है और नसीहत भी है। मंत्री उषा ठाकुर ने कहा कि हमारे लोग और सहयोगी संगठन सभी जागरूक है, क्योंकि गरबा पंडाल लव जिहाद का बड़ा माध्यम बन गए थे। इसलिए अब जरूरी है कि कोई भी व्यक्ति अपनी पहचान छुपाकर गरबा पंडाल में ना आये। अक्सर देखा जा रहा है कि कुछ समुदाय सामाजिक कार्यक्रम को टारगेट कर रहे हैं इसके साथ ही गरबा पंडाल के माध्यम से लव जिहाद के कई मामले सामने आ रहे हैं।

मामूली विवाद में निहंगों ने युवक को तेजधार हथियार से काटा, पिता को होटल के सामने मिला शव

अमृतसर (पंजाब), 8 सितंबर (एजेंसियां)। अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब के पास स्थित कहियां वाला बाजार में कुछ निहंगों ने तेजधार हथियारों से एक युवक को काट डाला। तेजधार हथियारों के वार से जख्मी हुए चाटीविंड गांव के 22 वर्षीय युवक हरमनजीत सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बी डिवीजन थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर हरसंदीप सिंह ने बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं मौके की सीसीटीवी फुटेज लेकर बाकी हमलावरों की तलाश की जा रही है। तरनतारन रोड स्थित गांव निवासी बलविंदर सिंह ने बताया कि वह शैलर पर सिक्योरिटी गार्ड का काम करता है। उसके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा आईटीआई कर रहा है जबकि छोटा बेटा हरमनजीत सिंह उर्फ मनी फैक्टरी में काम करता है। उन्होंने बताया कि छोटा बेटा गांव के बाहर नया घर बना रहा है। बुधवार रात करीब 10.30 बजे वह अपने नए घर में थे। उनका बेटा आया और कहा कि किसी का फोन आया है। फोन पर बात करते-करते कहने लगा कि वह श्री हरमंदिर साहिब में माथा टेकने जा रहा है और तड़के लौट आएगा। बलविंदर सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह छह बजे वह घर आया और पत्नी से पूछा कि हरमनजीत लौटा या नहीं। पत्नी के इनकार करने पर वह अपने भाई हरप्रीत सिंह के साथ बेटे की तलाश में दरबार साहिब आया। जब वह होटल रायल इन के पास पहुंचे तो उसके सामने हरमनजीत सिंह की मोटरसाइकिल खड़ी दिखी। जब वह होटल के पास पहुंचे तो वहां उनके बेटे का शव पड़ा था। पूछताछ करने पर आस-पास के लोगों ने बताया कि उनके लड़के की रात को निहंग सिंहों के बाने में आए लोगों ने हत्या कर दी। बी डिवीजन थाने की पुलिस के थाना प्रभारी हरसंदीप सिंह ने बताया कि सीसीटीवी की फुटेज के आधार पर सामने आया कि एक आरोपी ने निहंग सिंह वाला पूरा बाना और दूसरे ने निहंग सिंह वाला आधा बाना पहना था। उनकी पहचान निक्का सिंह कालोनी निवासी चरणजीत सिंह, तरुणदीप सिंह तथा रमनदीप सिंह के रूप में हो गई है। रमनदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि वारदात की वजह नशा करने से रोकना था।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 9 सितंबर, 2022

'इंट्रानेजल' कोविड टीका

आज चिकित्सा विज्ञान इतनी ऊंचाइयों पर पहुंच चुका है कि किसी भी बीमारी से निपटने के लिए लोगों के भीतर फिर से स्वस्थ होने और जीने की उम्मीद और बढ़ जाती है। इसका इससे बढ़िया उदाहरण तो यही है कि पिछले करीब तीन साल के दौरान कोरोना विषाणु के संक्रमण ने जो तबाही मचाई उससे पूरी दुनिया दहशत में आ गई थी। लेकिन इसी दौरान आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की ओर से न सिर्फ भरोसा दिया गया कि इसका इलाज और इससे बचाव के इंतजाम जल्दी ही सबके सामने होंगे, बल्कि जल्द से जल्द सुरक्षा का टीका भी खोज लिया गया। आनन-फानन में बहुत ही सिलसिलेवार सभी देशवासियों को टीका के जरिए कोरोना से सुरक्षित कर लिया गया। देखा जाए तो आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि जटिल बीमारी के पता चलने के बाद उसके इलाज को लेकर खोज, परीक्षण, जांच और प्रयोग के विभिन्न स्तरों पर काम शुरू कर दिया जाता है। अलग-अलग चरणों में कई स्तरों से गुजरने के बाद कोई दवा या टीका सामने आता है और वह लोगों का जीवन बचाने के काम आता है। कोरोना के संक्रमण और उसके बाद के खतरों का सामना करने के लिए दुनिया भर में अलग-अलग कंपनियों ने टीके तैयार किए। इस तरह जो कोरोना लोगों की जान लेकर खौफ का पर्याय बन गया था, वह अब खुद पनाह मांग रहा है। अब तो उससे बचाव के लिए लोग आगे आकर टीके लगवा कर अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। फिर भी कुछ लोग ऐसे हैं जो टीका लेने को लेकर हिचक रहे हैं। इसके कई अलग-अलग कारण हो सकते हैं। लेकिन सबसे अलग जो कारण है वह यह कुछ लोग अपने शरीर में इंजेक्शन या सूई लेने से डरते हैं। ऐसे लोगों की संख्या अच्छी-खासी है। देखा जाए तो एक मामूली चुभन के अलावा टीके से कोई खास पीड़ा नहीं होती। फिर भी लोग यह भूल कर ही बैठते हैं कि इसके बाद यह कितनी सुरक्षा भी देता है। मगर जब किसी के मन में डर या धारणा बैठ जाती है तो उससे निपटना आसान नहीं होता। टीका बनाने वाली कंपनियों ने इस मसले पर खूब अध्ययन के बाद काम जारी रखा और चुभो कर सूई के जरिए टीका देने के बजाय नाक के रास्ते टीकाकरण का उपाय खोज निकाला है। पिछले महीने भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड ने यह दावा भी किया कि नाक के जरिए दिया जाने वाला कोविड-19 टीका 'बीबीआइ 154' तीसरे चरण के नियंत्रित क्लीनिकल परीक्षण में सुरक्षित, बेहतर तरीके सहन करने योग्य और प्रतिरक्षाजनक साबित हुआ है। अब भारत के औषधि महानियंत्रक ने मंगलवार को भारत बायोटेक की ओर तैयार की गई 'इंट्रानेजल' कोविड टीके का अठारह साल से ज्यादा आयु वर्ग के लोगों के लिए सीमित आपात इस्तेमाल की मंजूरी भी दे दी है। इसके बाद तो अब कोरोना के संक्रमण से बचाव के लिए देश को एक और हथियार मिल गया है। हालांकि इसके पहले भारी तादाद में लोगों ने टीके की दोनों खुराक ली और अब एहतियाती खुराक भी दी जा रही है। इसके बावजूद आज भी ऐसे लोग हैं जो टीका लेने से डरते हैं या फिर इसके प्रति लापरवाही बरतते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि लोगों ने कोरोना को अब खत्म हुआ मान कर बचाव के उपायों को लेकर गंभीर होना छोड़ दिया है। जबकि हकीकत यह है कि टीके की वजह से इस महामारी को काबू में लाने में दुनिया को बड़ी मदद मिली है। इसके बाद भी अभी कोरोना के पूरी तरह खत्म होने का दावा नहीं किया जा सकता है। आज भी देश में प्रतिदिन हजारों लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं और कुछ लोग जान से भी हाथ धो बैठते हैं। इस वजह से लोगों के जीवन पर कोरोना अभी भी खतरा बना हुआ है। ऐसे में नाक के जरिए दिए जाने वाले टीके को मंजूरी मिलना आम लोगों की जिंदगी बचाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उम्मीद की जाने लगी है कि इंजेक्शन से डरने या हिचकने वाले लोग अब नाक के जरिए टीका लेकर सहज जिंदगी जी सकते हैं।

गायों की हो रही है दुर्दशा

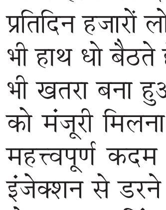

प्रियंका 'सौरभ'

गाय देश में हमेशा से ही एक संवेनदशील मुद्दा रहा है और इस पर राजनीति होती रही है। मगर जिस समाज में गाय को पूजा जाता है, उसके लिए आस्था अगर कहने भर की हो, दिल से नहीं और वहां इसके लिए कोई कानून नहीं, मन में सच्चा दर्द नहीं हो तो वह कैसा समाज ? हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार गाय को गौ माता भी कहा जाता है। गौ माता के पूजन के बारे में वेदशास्त्रों, धर्मग्रंथों में क्या कहा गया है। इसलिए अगर किसी के हाथों गाय की हत्या हो जाती है तो यह घोर पाप माना जाता है। फिर आज गाय की इतनी दुर्दशा हो रही है। जिसकी हम कल्पना तक नहीं कर सकते हैं। गाय को रखने वाले लोग स्वार्थी हो गए हैं जब तक गाय दूध देती है। तब तक तो लोग उसे अपने पास रखते हैं और उसके बाद उसका दूध निकाल कर सड़कों पर आवारा रूप से छोड़ देते हैं। लेकिन देश में कहीं भी उन गायों के लिए कोई प्रवाधान नहीं है, जिन्हें बेसहारा छोड़ दिया जाता है। नतीजन वे अक्सर दुर्घटनाओं का शिकार हो जाती हैं। कई बार वे पोलिथीन खा जाती हैं, जिससे गंभीर रूप से बीमार हो जाती हैं। गोशालाओं की दुर्दशा भी किसी से छिपी नहीं है। अक्सर ही गोशालाओं में भूख से गायों के मरने की खबरें आती रहती हैं। गायों की देखभाल करने के लिए बनाई गई गोशालाओं की दुर्दशा पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उनके चारे और स्वास्थ्य का का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। जो गाय दूध देने के काबिल नहीं रहतीं, उन्हें कुछ लोग सड़क पर खुला छोड़ देते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ भी सजा का प्रावधान होना चाहिए। गाय को लावारिस सड़क पर छोड़ देना भी सही नहीं है। अगर लावारिस गाय दुर्घटना का शिकार होकर मर जाए तो उसे भी गोवध ही माना जाना चाहिए। गाय महज एक जानवर नहीं है। यह भारतीय समाज के लिए आस्था भी है। कुछ लोग गोवध करके इस आस्था पर चोट करते हैं, जो नहीं होनी चाहिए। गाय के प्रति ये दोहरी नीति समझ से परे है। बहरहाल, गोवंश बचाया ही जाना चाहिए। भारतीय संस्कृति में जिस गाय को 'मां' की संज्ञा दी गई है, उसका ऐसा हश्र लम्पी बीमारी से पहले कभी नहीं हुआ। गायों की दुर्दशा को लेकर अब सिर्फ जिनके घर गाय है वो ही चिंतित हैं। क्या गाय बचाने की जिम्मेवारी सिर्फ पशुपालन विभाग की ही बनती है, बाकी समाज केवल तमाशा देखे। आज तथाकथित गौभगत और गाय के नाम पर लूटकर खाने वाले चाहे वो कोई भी हो लगभग गायब है। (इक्का-दुक्का को छोड़कर) मृत गायों को खुले में फेंकने से संक्रमण तेजी से फेल रहा है। कहीं यह महामारी न बन जाए। क्योंकि मृत गायों की दुर्गंध और प्रदूषण से आस-पास के लोगों में भी अन्य बीमारियां फेल रही है। एक शाम गायों के नाम पर करोड़ों रुपए लेने वाले और गायो के ठेकेदार बागड़बिल्ले सब कहा छुप गए? गायों की हो रही है दुर्दशा गाय रो-रो कर पूछ रही है, कहां गए वह गौ सेवक? कहां गई वह राजनीतिक पार्टियां जो मेरे नाम पर सरकार बना ली। कहां गए हो चंदा इकट्ठा करने वाले जो मेरे नाम पर करोड़ों रुपए कमा गए? कहां आज किसान की दुर्दशा हो रही है, उसका पालतू पशु गाय मर रही है लेकिन उसके बस की बात नहीं है।

धर्मगुरु के चोले में छिपे शैतानों से सावधान !

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में कई धर्म गुरुओं, पुजारी, मौलवी, पादरियों द्वारा यौन दुष्कर्म जैसे अनैतिक कामों में संलिप्त रहने के मामले सामने आ रहे हैं। अभी पांच दिन पहले 2 सितंबर को ही मुरुघा मठ के मुख्य पुजारी शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू को उच्च विद्यालय की छात्राओं का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया और 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था । पुलिस ने पूछताछ के बाद मठाधीश को हिरासत में ले लिया। वहीं घटना के तीन दिन बाद इन मठाधीश के एक शिष्य महंत बसवसिध्दलिंगा स्वामी का शव मिला है। पुलिस इस मामले को आत्महत्या का मामला बता रही है। कर्नाटक राज्य में लिंगायत समुदाय के सबसे प्रतिष्ठित एवं प्रभावशाली मठों में से एक के मठाधीश शिवमूर्ति से पुलिस उपाधीक्षक अनिल कुमार ने एक अज्ञात स्थान पर पूछताछ की। इसके बाद उन्हें चिकित्सा जांच के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया और प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आवास पर उन्हें पेश किया गया।न्यायाधीश ने मठाधीश को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जिसके बाद उन्हें चित्रदुर्ग के जिला कारागार भेजा गया। मैसुरु शहर की पुलिस ने कथित यौन शोषण के लिए शिवमूर्ति के खिलाफ बाल यौन अपराध संरक्षण (पोक्सो) कानून तथा भारतीय दंड संहिता की धाराओं में एक प्राथमिकी दर्ज की। प्राथमिकी जिला बाल संरक्षण इकाई के एक अधिकारी की शिकायत पर मठ के छात्रावास के वार्डन समेत पांच लोगों के खिलाफ दर्ज की गयी। विदित हो कि दो लड़कियों ने मैसुरु में एक गैर-सरकारी संगठन का रुख करते हुए उन्हें कथित यौन शोषण की जानकारी दी थी जिसके बाद संगठन ने प्राधिकारियों से संपर्क किया और पुलिस ने मामला दर्ज किया. इस मामले को चित्रदुर्ग पुलिस को सौंप दिया गया क्योंकि कथित अपराध वहीं हुआ था। मठाधीश पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार रोकथाम) कानून के तहत भी मामला दर्ज किया गया है क्योंकि एक पीड़िता अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखती है. शिवमूर्ति ने पहले दावा किया था कि उनके खिलाफ आरोप लंबे समय से रचे जा रहे एक षडयंत्र का हिस्सा है तथा वह कानून का पालन करने वाले व्यक्ति हैं और जांच में सहयोग करेंगे. उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन भी हुए। पुलिस ने गिरफ्तारी के मद्देनजर चित्रदुर्ग में सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए हैं। एक अन्य घटना में कर्नाटक के बेलागावी जिले के नेगिनहाल गांव में गुरु मादिवलेश्वर मठ के महंत का शव मिला है और पुलिस को संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला है। बसवसिद्धलिंगा स्वामीजी का शव सोमवार सुबह मठ के परिसर में स्थित उनके कमरे से मिला, जब उनका एक सहायक महंत को ढूंढता हुआ वहां गया।सहायक ने जब कमरे का दरवाजा खटखटाया तो वह बाहर नहीं निकले और न ही कोई जवाब दिया। कथित रूप से मठ के महंत द्वारा लिखा गया एक नोट सामने आया है, जिसमें कहा गया है कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया। अपनी मौत के लिए वह खुद जिम्मेदार हैं। किसी से भी इस बारे में पूछताछ न की जाए। हाल ही में 28 जुलाई को यूपी के संभल के एक मौलवी पर 6 साल की मासूम के साथ रेप का आरोप लगा था बताया जा रहा है कि 6 साल की मासूम यहां के एक मस्जिद में दीनी तालीम लेने गई थी. इस दौरान मौलवी ने उसके साथ रेप की घटना को अंजाम दिया। पीड़ित मासूम के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मौलवी को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस आरोपी मौलवी के खिलाफ केस दर्ज कर मौलवी को जेल भेज दिया गया। वहीं पिछले दिनों पश्चिमी यूपी के बागपत जिले के चांदीनगर थाना क्षेत्र के एक गांव से दुष्कर्म का मामला सामने आया। पुलिस के मुताबिक, गांव में स्थित एक चर्च के पादरी द्वारा गांव की ही 11 वर्षीय बच्ची के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया। पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन के हवाले से बताया गया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार बच्ची साइकिल से चर्च गई थी जहां अल्बर्ट ने दुष्कर्म किया। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले के पयाकारोपेटा में पिछले चार साल से 17 महिलाओं का यौन शोषण करने के आरोप में 42 वर्षीय पादरी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। आरोपी पादरी की पहचान कृष्णा जिले के विजयवाड़ा के कृष्णालंका के मूल निवासी अंबाती अनिल कुमार उर्फ प्रेमा दास के रूप में हुई है यह पादरी ईसाई मत के प्रवचन देने के बहाने महिलाओं को जबरन एक भवन में रोक रखने के लिए मजबूर कर उनका यौन शोषण करता था। एक महिला ने बाहर आकर इसका खुलासा किया। अभी हाल ही में 2 जून को राजस्थान के अलवर जिले में पांच साल की मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। एक मंदिर के बुजुर्ग पुजारी ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। मां ने बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनी तो उसे घटना की जानकारी हुई। इसके बाद लोगों ने आरोपी पुजारी की जमकर पिटाई कर दी। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पुजारी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया । इसी अप्रेल माह में मथुरा गोवर्धन परिक्रमा मार्ग के एक मंदिर में एक कलयुगी शैतान पुजारी द्वारा परिक्रमा करने आई एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने की शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है।श्री गोवर्धन के प्रति प्रबल आस्था के चलते दूर-दूर के राज्यों से लोग यहां परिक्रमा करने आते हैं।पंजाब से अपने परिजनों के साथ परिक्रमा करने आई एक नाबालिग बालिका के साथ परिक्रमा मार्ग में डीग क्षेत्र के पूंछरी में स्थित एक मंदिर के पुजारी ने दुष्कर्म की घृणित घटना को अंजाम दिया। गौर तलब है कि देश के अनेक हिस्सो से आए दिन भिन्न समुदाय के धर्मगुरुओं द्वारा समय समय पर यौन कुचेष्ठा व अपराध करने के मामले सामने आते रहते हैं। भारत जैसे धर्म परायण देश में जहां लोग गुरुओं मठाधीशों, महंतो पुजारियों, मौलवियों, पादरियों पर भगवान जैसा भरोसा व श्रद्धा रखते हैं इस तरह की घटनाएं बेहद शर्मसार करने वाली है। करीब नौ साल पहले ख्याति प्राप्त कथा वाचक आशाराम बापू को एक नाबालिग छात्रा के साथ दुराचार के आरोप में पोस्को के तहत जेल भेज दिया गया था दो साल पहले आशाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। आशाराम की घटना के बाद दर्जनों कथित आश्रमों व धार्मिक स्थलों से ऐसी अवांछनीय अनैतिक वयौन दुष्कर्म की वारदातों का खुलासा हुआ है।अपनी कुत्सित यौन हरकतों के चलते आशाराम, सच्चे डेरा वाले रामरहीम जैसे कई बड़े नाम जेल में सड़ रहे हैं। दरअसल हमारे देश का एक बड़ा वर्ग अंधविश्वास का भी शिकार हैं जिसका अनुचित लाभ कई बार दुराचारी लोग धर्म गुरु का चोला धारण कर गंद अपनी अतृप्त यौन इच्छाओं भावनाओं की पूर्ति के लिए अनैतिक व जबरन यौनाचार करने का कुप्रयास करते हैं। समाज को गुरुडम में नहीं फंसना चाहिए और अपने परिवार खास कर बच्चों व महिलाओं को भी ऐसे लोगों से एक निश्चित दूरी बनाए रखने के लिए आगाह कर देना चाहिए। कोई भी धार्मिक गुरु अथवा मौलवी, महंत, पादरी ईश्वर नहीं है उसके भीतर भी अनेक इंसानी दुर्गुण भरे हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में इन लोगों से अधिक निकटता भी नही करनी चाहिए। वहीं सरकार को इन मठाधीशों के संस्थानों की समय समय पर जांच करानी चाहिए ताकि इन के क्रियाकलापों पर नियंत्रण बना रहे।

> **धार्मिक गुरु अथवा मौलवी, महंत, पादरी ईश्वर नहीं है उसके भीतर भी अनेक इंसानी दुर्गुण भरे हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में इन लोगों से अधिक निकटता भी नही करनी चाहिए। वहीं सरकार को इन मठाधीशों के संस्थानों की समय समय पर जांच करानी चाहिए ताकि इन के क्रियाकलापों पर नियंत्रण बना रहे।**

चीतों की दहाड़ से गूंजेगा कूनो

हर्षवर्धन पाण्डे

मध्यप्रदेश ने वन्य प्राणी संरक्षण और प्रबंधन पर विशेष ध्यान देकर वन्य प्राणी समृद्ध प्रदेश बनाने में किसी प्रकार का कोई प्रयास नहीं छोड़ा जिसके चलते मध्य प्रदेश को टाइगर स्टेट का दर्जा मिला। अब तेंदुओं ,घड़ियाल और गिद्धों की संख्या के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश पहले पायदान पर आ चुका है। प्रदेश की जलवायु वन्य-जीवों की आदर्श आश्रय स्थली और प्रजनन के सर्वाधिक अनुकूल है। इसे देखते हुए अब मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो अभयारण्य चीतों की दहाड़ से गुलजार होगा। यहां लम्बे समय से चीते लाने के प्रयास किये जा रहे थे जो अब रंग लाए हैं । 73 साल बाद चीतों की चहल-कदमी से दुनिया के नक़्शे पर कूनो अभयारण्य नजर आएगा। 2018 में हुई बाघों की गणना में 526 बाघ होने के साथ प्रदेश को टाईगर स्टेट का दर्जा मिला। इन बाघों में लगभग 60 फीसदी टाइगर रिजर्व के क्षेत्रों और 40 फीसदी बाघ अन्य वन क्षेत्रों में उपलब्ध हैं। बांधवगढ टाइगर रिजर्व में सर्वाधिक 124 बाघ मौजूद हैं। इस साल अक्टूबर माह में तीन चरणों में होने वाली बाघों की गणना और प्रदेश के वन्य जीव संरक्षण में ट्रैक रिकार्ड को देखते हुए कहा जा सकता है कि बाघों की संख्या के मामले में मध्यप्रदेश फिर से शिखर पर होगा। कूनो चीते के स्वागत के लिये पूरी तरह तैयार है। विलुप्त हो चुके इस चीते का नया आशियाना अफ्रीका से लाकर कूनो में बनाया जा रहा है। कूनो अभयारण्य को चीतों के अनुकूल पाया गया है । इस अभयारण्य में वे सभी विशेषताएं हैं, जो इसे दुनिया के महत्वपूर्ण संरक्षित क्षेत्रों में शामिल कर सकती हैं। प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में 8 अफ्रीकन चीतों को छोड़ा जाएगा। भारत में पिछले कई वर्षों से कोई चीता नहीं है। 1952 में चीतों को देश में लुप्त घोषित किया गया था और कूनो में अफ्रीकन चीतों को लाने की योजना पर काम किया जा रहा था। अंतिम चीते की मौत छत्तीसगढ़ में सन 1947 में हुई थी। भारत में एशियाई चीते पाए जाते थे जो अब पूरी तरह विलुप्त हो चुके हैं। 28 जनवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने चीतों को भारत लाने की अनुमति दी थी। साथ ही, कोर्ट ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को चीतों के लिए उपयुक्त जगह खोजने का आदेश दिया था। कई राष्ट्रीय उद्यानों पर विचार के बाद एक्सपर्ट्स ने पृथ्वी पर तेज जानवर की देश में वापसी के लिए मध्य प्रदेश के श्योपुर में कूनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान का चयन किया गया। कूनो राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना 1981 को एक वन्य अभयारण्य के रूप में की गई थी जो भारत के मध्य प्रदेश राज्य में एक संरक्षित क्षेत्र है। इसे 2018 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया था। कूनो नेशनल पार्क में चीतों के लिए सुरक्षा, शिकार और आवास की भरपूर जगह है, जो इनके लिए उपयुक्त है। चीते के रहने के लिए 10 से 20 वर्ग किमी क्षेत्र , उनके प्रसार के लिए पर्याप्त है। समतल जंगल अफ्रीकी चीतों के सर्वथा अनुकूल है। कूनो नेशनल पार्क करीब 750 वर्ग किलोमीटर में फैला है जो चीतों के रहने के लिए अनुकूल है। इस अभ्यारण में इंसानों की किसी भी तरह की बसाहट भी नहीं है । चीते को फिर से बसाने के लिए यहाँ की भौगोलिक परिस्थितियां अनुकूल हैं। देश के यहाँ चीतों के लिए अच्छा शिकार भी मौजूद है, क्योंकि यहां पर चौसिंगा हिरण, चिंकारा, नीलगाय, सांभर एवं चीतल बड़ी तादाद में पाए जाते हैं। कूनो में अफ्रीकी चीतों के लिए 5 वर्ग किलोमीटर का एक बाड़ा तैयार किया गया है, जिसमें जंगल में छोडऩे से पहले कुछ माह तक चीतों का रखा जाएगा। हाईरेंज सीसीटीवी से इन चीतों पर नजर रखी जाएगी। हर 2 किलोमीटर पर वॉच टॉवर बनाए गए हैं। चीता दुनिया का सबसे तेज़ रफ़्तार से दौड़ने वाला जानवर है जो 100 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ़्तार से दौड़ सकता है। आज पूरी दुनिया में सिर्फ़ अफ्रीका में गिने-चुने चीते हैं । भारत समेत एशिया के कमोबेश हर देश से ये जानवर विलुप्त हो चुका है। इतने सालों बाद फिर से चीतों की वापसी हो रही है। 1947 में ली गई सरगुजा महाराज रामानुशरण सिंह के साथ चीते की तस्वीर को अंतिम मान लिया गया था। इसके बाद 1952 में देश को चीता लुप्त घोषित कर दिया गया था। दौड़ते वक्त आधे से अधिक समय हवा में रहता है। चीता जब पूरी ताक़त से दौड़ रहा होता है तो सात मीटर तक लंबी छलांग लगा सकता है। देश में विलुप्त हो चुके चीते को फिर से आवास देने की कोशिशें जारी है। आठ चीतों की शिफ्टिंग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 17 सितंबर को मध्य प्रदेश जाएंगे। अपने जन्मदिन के खास मौके पर प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित प्रसिद्ध कूनो नेशनल पार्क में आने वाले अफ्रीकन चीतों की शिफ्टिंग कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रि-परिषद की बैठक में बताया कि 17 सितंबर को अपने जन्म दिन के खास मौके पर प्रधानमंत्री मोदी श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में दक्षिण अफ्रीका से लाए जा रहे चीतों का प्रवेश कराएंगे। प्रदेश में प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। प्रशासनिक अमला इसकी तैयारी में जुट गया है। इसके लिए श्योपुर में 7 हेलीपैड बनाए जा रहे हैं। इसमें 3 नेशनल पार्क के भीतर और चार हेलीपैड बाहर बन रहे हैं। मध्य प्रदेश के कूनो-पालपुर नेशनल पार्क में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से 8 चीते लाए जा रहे हैं। इन्हें विमान से पहले दिल्ली और फिर ग्वालियर लाया जाएगा। ग्वालियर से उन्हें हेलीकॉप्टर के माध्यम से कूनो-पालपुर नेशनल पार्क में शिफ्ट किया जाएगा। चीतों की शिफ्टिंग के लिए पार्क के अंदर हेलीपैड बनाए जा रहे है। वीआईपी लोगों के लिए पार्क के बाहर हेलीपैड बन रहे हैं। चीतों को नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से हवाई मार्ग से लाकर मप्र के कूनो पार्क में पूरी तैयारी के साथ उतारा जाएगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सतत वन्य प्राणी प्रबंधन के प्रयासों से प्रदेश में चीतों की आमद बढ़ाने की दिशा में कार्य हुआ है ।

लिज ट्रस की जीत के अर्थ

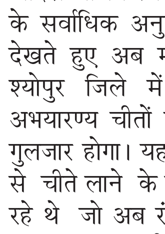

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

ब्रिटेन की नई प्रधानमंत्री लिज ट्रस तीसरी महिला प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार ऋषि सुनक को हराकर यह पद पाया है। वे बोरिस जॉनसन सरकार में विदेश मंत्री रही हैं। ऋषि सुनक हारे जरूर हैं लेकिन उन्हें 43 प्रतिशत वोट मिल गए जबकि ट्रस को 57 प्रतिशत वोट मिले। सुनक अंग्रेज नहीं हैं। भारतीय मूल के हैं। उनके पिता गुजराती और मां पंजाबी हैं। इसके बावजूद उन्हें ट्रस के 81 हजार वोटों के मुकाबले 60 हजार वोट मिल गए, यह अपने आप में भारतीयों के लिए गर्व की बात है। जिस अंग्रेज ने भारत पर लगभग 200 साल राज किया, उसी अंग्रेज के सिंहासन तक पहुंचने का अवसर एक भारतीय को मिल गया। सुनक का यह साहस ही था कि उन्होंने अपना इस्तीफा देकर बोरिस जॉनसन की सरकार को गिरवा दिया। वित्तमंत्री के तौर पर उन्हें काफी सराहना मिली थी लेकिन कई छोटे-मोटे विवादों ने उनकी छवि पर प्रश्न चिह्न भी उछाल दिए थे। यदि वे जीत जाते तो 21 वीं सदी की वह उल्लेखनीय घटना बन जाती लेकिन हारने के बावजूद उन्होंने जो बयान दिया है, उसमें आप भारतीय उदारता और गरिमा की झलक देख सकते हैं। उन्होंने ट्रस को बधाई दी है और कंजर्वेटिव पार्टी को एक परिवार की तरह बताया है। लिज ट्रस कैसी प्रधानमंत्री साबित होंगी, यह कहना मुश्किल है। अगले दो साल तक उनकी कुर्सी को कोई हिला नहीं सकता लेकिन 2024 के चुनाव में वे अपनी पार्टी को कैसे जिता पाएंगी, यह देखना है। बोरिस जॉनसन का उन्हें पूरा सहयोग रहेगा लेकिन उनकी हालत इस समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की तरह हो गई है। वे जिस वक्त में प्रधानमंत्री बनी हैं, वह ऐसा खराब है, जैसा पिछले कई दशकों में नहीं रहा है। ब्रिटेन में महंगाई, बेरोजगारी, महामारी आदि की समस्याओं ने तो सिर उठा ही रखा है, उसकी अर्थव्यवस्था बिल्कुल डांवाडोल हो रही है। आम आदमी सरकारी टैक्स भरने से बेहद परेशान है। ट्रस का कहना है कि टैक्स घटाने में वे कोताही नहीं करेंगी। लेकिन ब्रिटेन के कई मजदूर-संगठनों ने अभी से हड़तालों और प्रदर्शनों की घोषणा कर दी है। विदेश मंत्री के तौर पर उनके द्वारा दिए गए कई बयानों का ब्रिटिश अखबारों ने काफी मजाक उड़ाया है लेकिन यूक्रेन के बारे में उनकी रूस-विरोधी नीति को काफी समर्थन मिला है। यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के संबंध को घनिष्ट बनाने के लिए भी वे कृतसंकल्प हैं। रूस-चीन की हिंद-प्रशांत नीति के विरोध में भी वे सक्रिय रहेंगी। रूस सरकार ने ट्रस के प्रधानमंत्रित्व का काफी मजाक उड़ाया है लेकिन ऋषि सुनक की हार के बावजूद भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रस का स्वागत किया है। कोई आश्चर्य नहीं कि ट्रस-काल में ही भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता हो जाए।

2024 चुनावों के लिए बिछने लगी बिसात

2024 आम चुनाव के अभी डेढ़ साल बाकी हैं। इतने वक्त में देश की सियासत कई करवटें ले सकती है। लेकिन चुनाव को लेकर पक्ष और विपक्ष अभी से अपने-अपने हिसाब से सियासी पिच तैयार करने में जुट गए हैं। अपनी मजबूती और कमजोरी को देखते हुए दोनों खेमे आम चुनाव का अजेंडा सेट करने की भी कोशिश में हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने हालिया भाषण और रुख से साफ संदेश दे दिया है कि 2024 में गवर्नेंस और करप्शन के खिलाफ जंग को मुद्दा बनाकर अपने लिए तीसरा कार्यकाल मांगेंगे। वहीं, कांग्रेस ने भारत जोड़ो अभियान और दिल्ली में रैली करके यह संकेत दिया है कि वह महंगाई-बेरोजगारी को 2024 चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बनाएगी। ऐसे में अगले कुछ महीनों तक दोनों पक्षों की ओर से अपने अनुरूप नैरेटिव सेट करने की तमाम कोशिशें दिखेंगी। इनकी वजह से सियासी तापमान और बढ़ सकता है।

एक ओर विपक्षी एकता की नए सिरे से शुरू की गई कोशिशों के बीच करप्शन के मसले को केंद्र में लाने की पहल खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। बिहार में नीतीश कुमार के पाला बदलने और उनकी विपक्षी दलों को एक करने के प्रयासों के बीच मोदी ने इसे करप्शन के खिलाफ गठबंधन बता डाला। पिछले दिनों केरल में आयोजित एक रैली में प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैंने 15 अगस्त को लाल किले से एलान किया था कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का समय आ गया है। हम देख रहे हैं कि जैसे ही हमने भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की, राष्ट्रीय स्तर पर एक नया राजनीतिक ध्रुवीकरण शुरू हो गया। इन भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए कई राजनीतिक गुट खुलेआम एक-दूसरे के साथ आकर एकता दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।'

यह नीतीश सहित तमाम विपक्षी दलों पर हाल के दिनों में सबसे बड़ा और सीधा प्रहार था। इसमें 2024 के लिए अजेंडा सेट करने का संदेश भी था। दरअसल, 2014 से लेकर अब तक पीएम मोदी के नेतृत्व में करप्शन और परिवारवाद को हमेशा बड़ा मुद्दा बनाया गया। 2014 में मोदी सरकार को करप्शन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की उम्मीद पर बड़ा बहुमत भी मिला था। हालांकि बाद में सरकार पर आरोप लगे कि इस मोर्चे पर वैसी कार्रवाई नहीं हुई, जैसी अपेक्षा थी। उलटे विजय माल्या, नीरव मोदी जैसे वित्तीय फ्रॉड करने वाले जब देश छोड़कर भाग गए तो सरकार की फजीहत ही हुई। साथ ही 2019 में राहुल गांधी की अगुवाई में राफेल डील में घोटाले का आरोप लगाकर पीएम मोदी को उनके ही मजबूत किले में घेरने की असफल कोशिश भी हुई। बीजेपी और मोदी इसे अपना सबसे मजबूत पक्ष मानते हैं कि उनकी सरकार में करप्शन के कोई गंभीर आरोप नहीं लगे। 2019 में बड़ी जीत के बाद फिर पीएम ने 2024 में आजमाए फॉर्म्युले से ही आगे बढ़ने की जमीन तैयार कर दी।

इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिए उनके भाषण को भी इसी संदर्भ में देखना होगा। उन्होंने करप्ट नेताओं के महिमामंडन की प्रवृत्ति पर चिंता जताई। पीमोदी ने संकेत दिया कि विपक्षी हमले के बीच वह करप्शन पर अपने स्टैंड को नहीं बदलेंगे और अगले आम चुनाव में भी इसे बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश करेंगे। करप्शन के आरोप में सजा पाए नेताओं को जनता पसंद न करे, इसकी भी मांग कर एक बड़ा राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की गई। दरअसल, पीएम मोदी ने लाल किले से करप्शन पर तब सख्त तेवर दिखाए, जब विपक्षी दलों ने जांच एजेंसियों पर राजनीतिक अजेंडा के हिसाब से कार्रवाई करने का आरोप लगाया और इस पर खूब राजनीति की। पिछले कुछ महीनों में करप्शन को लेकर जांच के दायरे में विपक्ष के कई नेता आए हैं। विपक्ष का कहना है कि उनके नेताओं पर दबाव बनाने के लिए इस तरह की कार्रवाई हो रही है। पिछले दिनों एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में केंद्रीय एजेंसी के दुरुपयोग के विपक्ष के आरोप पर पीएम मोदी ने कहा था कि हिंदुस्तान में हमेशा चुनाव चलता रहता है तो क्या सरकार और उसकी एजेंसियां काम ना करें?

वहीं विपक्ष को लगता है कि बीजेपी का दांव इस बार सही नहीं लगने वाला। उसका तर्क है कि हाल में जिस तरह एकतरफा कार्रवाई हुई है उससे न सिर्फ बीजेपी की, बल्कि जांच एजेंसियों की भी विश्वसनीयता पूरी तरह समाप्त हो गई है।

अब विपक्षी दल जांच एजेंसियों पर सीधा हमला कर रहे हैं। एक वर्ग का मानना है कि जांच एजेंसियों ने एक के बाद एक लगातार विपक्षी दलों पर हमला कर इस नैरेटिव को बनाने में विपक्ष की मदद भी कर दी। लगभग सभी विपक्षी दल जांच एजेंसियों के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। ईडी को मिले असीमित अधिकार को जब सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया तो लगभग सभी दलों ने इसके खिलाफ अपील करने की बात की और उनकी अपील को स्वीकार भी किया गया।

अनंत चतुर्दशी

भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा से दूर होती है परेशानियां

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी मनाई जाती है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित किया जाता है, साथ ही इस दिन गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन भी किया जाता है। अग्नि पुराण के अनुसार अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा की जाती है। इस पूजा में भगवान विष्णु के साथ अनंत सूत्र भी पूजा जाता है। जानिए क्या करें इस दिन...

1. इस दिन सबसे पहले स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करके व्रत का संकल्प लें।
2. यदि बन सके तो एक स्थान को या चौकी आदि को मंडप रूप देकर उसमें भगवान की सात फणों वाली शेष स्वरूप अनंत की मूर्ति स्थापित करें। उसके आगे 14 गांठ का अनंत दोरक रखें और नवीन आम्र पल्लव एवं गंध, पुष्प, धूप, दीप, और नैवेद्यादि से पूजन करें ।
3. पूजन में पंचामृत, पंजीरी, केले, और मोदक आदि का प्रसाद अर्पण करके इस मंत्र के साथ प्रभु को नमस्कार करें।
4. पूजा में रखे गए इस सूत्र को पुरुष दाहिने हाथ में और स्त्रियां बाएं हाथ में बांधती हैं। पूजन के दौरान जब अनंत सूत्र बांध लें तो उसके बाद किसी ब्राह्मण को नैवेद्य में बने पकवान देकर स्वयं सपरिवार प्रसाद ग्रहण करें।
5. पूजा में व्रत की कथा जरूर सुनें। स्मरण रहे कि नियमों के पालन के साथ ही इस पूजा का पुण्य फल पाया जा सकता है।

मंत्र:

नमस्ते देव देवेश नमस्ते धरणीधर।
नमस्ते सर्वनागेन्द्र नमस्ते पुरुषोत्तम।।

ये मंत्र पढ़ते हुए भगवान विष्णु को तुलसी, कमल और वैजयंती के फूल चढ़ाकर प्रणाम करें। फिर गरुड़ घंटी बजाएं। ऐसा करने से पूजा का पूरा फल मिल जाता है। साथ ही हर तरह के पाप और दोष खत्म हो जाते हैं।

पूजा के बाद विसर्जन का ये मंत्र पढ़ें

न्यूनातिरिक्त परिस्फुटानि यानीहि कर्माणि मया कृतानि।
सर्वाणि चैतानि मम क्षमस्व प्रयाहि तुष्टः पुनरागमा।।

अर्थः प्रभु मेरे पास जो भी कुछ था उससे मैंने आपका स्मरण किया मेरी पूजा में जो गलती हो मुझे क्षमा करें। मेरी पूजा से खुश होकर आपका पुनरागमन हो।

माना जाता है इस दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करने और अनंत सूत्र बांधने से परेशानियों से मुक्ति मिलती है। शास्त्रों के मुताबिक अनंत चतुर्दशी का व्रत करने से सभी कष्ट दूर होते हैं।

अनंत चतुर्दशी पर बन रहे 2 अति दुर्लभ योग

हिंदू धर्म में अनंत चतुर्दशी पर्व का विशेष महत्व है और इस दिन भगवान विष्णु के अनंत अवतार की आराधाना की जाती है साथ ही इस दिन गणपति बप्पा को भी धूमधाम से विदाई की जाती है और गणेश विसर्जन की परंपरा भी निभाई जाती है। इस साल अनंत चतुर्दशी 9 सितंबर को है। अनंत चतुर्दशी पर्व साल 2022 में काफी दुर्लभ शुभ योग में मनाया जाएगा। ज्योतिष के मुताबिक इस दुर्लभ योग में भगवान विष्णु की विशेष पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होगी और जीवन में सभी संकट दूर होंगे।

शुभ योग का समय

अनंत चतुर्दशी के दिन सुकर्म योग 8 सितंबर 2022 को रात 9:41 बजे से शुरू हो चुकी है और 9 सितंबर 2022 को शाम 6:12 बजे तक चलेगा। रवि योग 9 सितंबर को सुबह 6.10 बजे से शुरू होकर 11.35 तक चलेगा।

अनंत चतुर्दशी 2022 मुहूर्त

ज्योतिष के मुताबिक अनंत चतुर्दशी 9 सितंबर 2022 को शाम 6.07 बजे तक रहेगी। हिंदू पंचांग के मुताबिक भगवान विष्णु के अनंत रूपों की पूजा का शुभ समय 9 सितंबर को सुबह 6.10 बजे से शुरू हो रहा है और पूजा शाम 6.07 बजे से जा सकती है।

गणपति बप्पा की ऐसे करें विदाई

अनंत चतुर्दशी के दिन गणपति बप्पा को धूमधाम से विदाई दी जाएगी। बप्पा का विसर्जन करने से विधि विधान से भगवान गणेश की पूजा व आरती करना चाहिए। भगवान गणेश को धूप और दीपक दिखाएं। साथ ही भगवान गणेश की विदाई से पहले उनसे खुद के द्वारा की गई गलतियों के लिए माफी भी मांगना चाहिए। इसके बाद ही गणपति बप्पा की मूर्ति को जल में विसर्जित कर दें।

भादौ की पूर्णिमा कल

परेशानियों से मुक्ति के लिए इस दिन व्रत और भगवान विष्णु की पूजा का विधान

हिन्दू पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह में आने वाली पूर्णिमा का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व बताया गया है। भाद्रपद पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के सत्यनारायण रूप की पूजा की जाती है। नारद पुराण के अनुसार इस दिन उमा-महेश्वर व्रत भी रखा जाता है। मान्यता है कि भगवान विष्णु ने उमा-महेश्वर व्रत रखा था। ये पूर्णिमा इसलिए भी खास है क्योंकि इसी दिन से पितृ पक्ष यानी श्राद्ध शुरू होते हैं।

कैसे करें व्रत

भाद्रपद पूर्णिमा व्रत करने वाले सूर्योदय से पहले उठकर नहाएं। इसके बाद पूजा स्थल शुद्ध कर लें। एक लकड़ी की चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाएं। उस पर भगवान सत्यनारायण की मूर्ति या तस्वीर रखें। पूजा से पहले अपनी कामना की पूर्ति के लिए संकल्प लें। भगवान विष्णु की पूजा करके सत्यनारायण की कथा सुनें। कथा के बाद आरती करें र प्रसाद बांटे। इस पर्व पर दिनभर अन्न नहीं खाना चाहिए।

सूर्य पूजा से तृप्त होंगे पितर

भादौ के आखिरी दिन सूर्योदय से पहले उठकर नहाने के बाद सूर्य पूजा करने का विधान भी है। इस पर्व पर पानी में तिल मिलाकर उगते हुए सूरज को अर्पित करें। इसके बाद सूर्य से प्रार्थना करनी चाहिए कि ये जल हमारे पितरों तक पहुंचे। ऐसा करने से पितर संतुष्ट होते हैं। भादौ की पूर्णिमा पर सूर्य पूजा करने से सेहत संबंधी परेशानियां दूर होती हैं और उम्र भी बढ़ती है।

व्रत के फायदे

भाद्रपद पूर्णिमा का व्रत करने के कई फायदे पुराणों में बताए हैं। इस दिन हृषीकेश रूप में भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान है। पुराणों के मुताबिक इससे हर तरह की परेशानियां दूर होती हैं। पितृ खुश होते हैं। जिस कामना से व्रत और पूजा करते हैं वो पूरी हो जाती हैं।

कल से शुरू होंगे श्राद्ध, इस दौरान बिल्कुल न करें ये काम

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष में अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितरों के तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध का विधान है। माना जाता है कि पितृ पक्ष के समय हमारे पूर्वज स्वर्गलोक से धरती पर अपने परिजनों से मिलने आते हैं। इस साल पितृ या श्राद्ध पक्ष का प्रारंभ 10 सितंबर 2022 से होगा। वहीं 25 सितंबर 2022 को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृ पक्ष समाप्त होगा। जहां पितरों को प्रसन्न होने से उनकी कृपा से जीवन में सुख-समृद्धि आने की मान्यता है वहीं पितृपक्ष में कुछ कामों को करने की मनाही होती है। तो आइए जानते हैं पितृ पक्ष के दौरान क्या नहीं करना चाहिए...

पितृ पक्ष में ये काम न करें

शास्त्रों के अनुसार, पितृ पक्ष में चना दाल, खीरा, नमक, घिया, नमक, सरसों का साग जैसी चीजों का सेवन वर्जित माना गया है।

माना जाता है कि श्राद्ध पक्ष में आपके पितर आपसे मिलने के लिए किसी भी रूप में आपके घर आ सकते हैं। इसलिए ध्यान रखें कि अपने घर की चौकट पर आए किसी भी व्यक्ति अथवा पशु का न तो अपमान करें और न ही किसी को घर से भूखा लौटकर जाने दें। इसके अलावा घर में लड़ाई-झगड़ा आदि करने से भी पितृ नाराज हो सकते हैं।

वहीं शास्त्र के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान नए वस्त्र और आभूषण खरीदने, बाल कटवाने, दाढ़ी बनवाने, कोई नया कार्य शुरू करने या किसी भी मांगलिक काम को करने की मनाही होती है।

साथ ही ध्यान रखें कि पितरों का तर्पण या श्राद्ध कभी भी तड़के सुबह, शाम को या रात्रि में नहीं करना चाहिए। यह काम हमेशा दिन में ही करना शुभ होता है।

पितृ पक्ष मुहूर्त

पितृ पक्ष श्राद्ध को पर्व श्राद्ध (पार्वण श्राद्ध) भी कहते हैं। उन्हें कुतुप मुहूर्त और रोहिना मुहूर्त में करना शुभ होता है। लेकिन आप अपराह्न मुहूर्त में भी इसे कर सकते हैं। कुतुप मुहूर्त दोपहर 12:11 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक, 49 मिनट अवधि का रहता है। रोहिना मुहूर्तदोपहर 01:00 बजे से दोपहर 01:49 बजे तक, 49 मिनट अवधि का होता है। वहीं अपराह्न मुहूर्त 01:49 अपराह्न से 04:17 अपराह्न तक, 02 घंटे 28 मिनट की अवधि का रहता है।

ऐसे करें अपने पितरों को याद

पितृपक्ष में अपने पूर्वजों का स्मरण करने के लिए उन्हें नियमित रूप से जल अर्पित करें। इसे आप दोपहर को दक्षिण दिशा की ओर मुंह कर चढ़ाएं। जल में काला तिल मिलाएं। हाथ में कुश रखें। जिस दिन आपके पूर्वज का निधन हुआ था उस तिथि पर अन्न और वस्त्र का दान करें। साथ ही किसी गरीब को पेटभर भोजन कराएं। श्राद्ध के अंत में सूर्य की ओर मुंह करके घास की कुश से तर्पण दें।

पितृ पक्ष में श्राद्ध देने के लाभ

पितृ पक्ष में श्राद्ध और तर्पण करने से हमारे पूर्वज खुश होकर हमे आशीर्वाद देते हैं। उनकी अच्छी दुआओं से हमारे जीवन की सभी बाधाएं समाप्त हो जाती है। सभी अटके काम समय पर पूर्ण हो जाते हैं। घर में बरकत बनी रहती है। भाग्य हमारा साथ देता है। वहीं यदि श्राद्ध ना दें तो आत्मा को पूर्ण मुक्ति नहीं मिलती है। इससे पितर नाखुश रहते हैं। फिर घर पर संकट के बादल मंडराने लगते हैं।

पितृपक्ष में ये गलतियां करने से बचे

1. पितृपक्ष में प्याज-लहसुन नहीं खाना चाहिए। हिंदू शास्त्रों में इन्हें 'तामसिक' माना जाता है। इससे हमारी इंद्रियां प्रभावित होती है। इसके अलावा शराब या मांसाहारी का सेवन करने से भी बचना चाहिए।
2. पितृपक्ष में कोई भी जश्न या उत्सव नहीं मानना चाहिए। किसी दूसरे के जश्न में भी शामिल नहीं होना चाहिए। ऐसा करने से पूर्वज नाराज हो सकते हैं।
3. पितृपक्ष में कोई भी नया या शुभ कार्य शुरू नहीं करना चाहिए। इन दिनों कोई भी नई चीज नहीं खरीदनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि पितृपक्ष की अवधि को अशुभ माना जाता है।
4. पितृपक्ष में नाखून, बाल और दाढ़ी नहीं काटना चाहिए। ऐसा करने से आपके पितर आप से नाराज हो सकते हैं।

पितृ पक्ष में श्राद्ध की तिथियां इस प्रकार हैं

पूर्णिमा श्राद्ध : 10 सितंबर 2022
प्रतिपदा श्राद्ध : 10 सितंबर 2022
द्वितीया श्राद्ध : 11 सितंबर 2022
तृतीया श्राद्ध : 12 सितंबर 2022
चतुर्थी श्राद्ध : 13 सितंबर 2022
पंचमी श्राद्ध : 14 सितंबर 2022
षष्ठी श्राद्ध : 15 सितंबर 2022
सप्तमी श्राद्ध : 16 सितंबर 2022
अष्टमी श्राद्धः 18 सितंबर 2022
नवमी श्राद्ध : 19 सितंबर 2022
दशमी श्राद्ध : 20 सितंबर 2022
एकादशी श्राद्ध : 21 सितंबर 2022
द्वादशी श्राद्धः 22 सितंबर 2022
त्रयोदशी श्राद्ध : 23 सितंबर 2022
चतुर्दशी श्राद्धः 24 सितंबर 2022
अमावस्या श्राद्धः 25 सितंबरर 2022

शनिवार को बुध होने जा रहे वक्री, इन राशियों को होगा जबदस्त लाभ

बुध ग्रह 21 अगस्त 2022, रविवार से अपनी स्वराशि कन्या में संचरण कर रहे हैं। अब 10 सितंबर को इसी राशि में वक्री होकर 2 अक्टूबर को फिर से मार्गी होंगे। इसके बाद 26 अक्टूबर को तुला राशि में प्रवेश करेंगे। जानें वक्री बुध का सभी 12 राशियों पर प्रभाव-

1. मेष- बुध आपकी राशि के छठवें भाव में वक्री गोचर करेंगे। बुध के प्रभाव के कारण आपको शत्रुओं से सावधान रहने की सलाह दी जाती है। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए समय शुभ है।

2. वृषभ- आपकी राशि के पंचम भाव में वक्री बुध मिले-जुले परिणाम देंगे। इस अवधि में आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। संबंधों में सुधार होगा। धन निवेश के लिए समय अति उत्तम रहेगा।

3. मिथुन- वक्री बुध आपकी राशि के चौथे भाव में शुभ साबित होगा। इस अवधि में आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। हालांकि कार्यस्थल पर आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

4. कर्क- कर्क राशि वालों के तीसरे भाव में बुध ग्रह मिलेजुले परिणाम देगा। इस अवधि में आप वाणी और गुस्से पर काबू रखें। शत्रुओं से सावधान रहें।

5. सिंह- आपकी राशि के दूसरे भाव में वक्री बुध मिलेजुले परिणाम मिलेंगे। परिवार में सदस्यों के बीच मतभेद हो सकते हैं। वाणी पर संयम बरतें। छात्रों के लिए समय शुभ रहेगा।

6. कन्या- कन्या राशि के प्रथम भाव में वक्री बुध कष्टकारी साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में सफलता मिल सकती है। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहने की सलाह दी जाती है।

7. तुला- आपकी राशि के 12वें भाव में बुध का वक्री होना सामान्य फलकारी रहेगा। इस अवधि में आपको वाणी और क्रोध पर काबू रखने की जरूरत है। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

8. वृश्चिक- आपकी राशि के 11वें भाव में बुध का वक्री होना शुभ रहेगा। घर की शांति और प्रसन्नता का माहौल रहेगा। अधूरे काम पूरे होंगे। सेहत के प्रति सतर्क रहें।

9. धनु- आपकी राशि के 10वें भाव में बुध का वक्री होना कार्यस्थल पर तरक्की दिला सकता है। व्यापारियों को मुनाफा हो सकता है। वाणी पर संयम बरतें।

10. मकर- मकर राशि के नौवें भाव में बुध का वक्री होना शुभ फलदायी रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। घर-परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। करियर में सफलता मिलेगी।

11. कुंभ- आपकी राशि के 8वें भाव में बुध का गोचर मिलेजुले परिणाम देगा। इस दौरान आप काम का बोझ महसूस कर सकते हैं। धैर्य से काम लें।

12. मीन- मीन राशि वालों के सातवें भाव में बुध का वक्री होना शुभ साबित होगा। व्यापारियों को इस दौरान सावधान रहने की जरूरत है। गुस्से पर काबू रखें।

एक या दो नहीं आने जा रहीं अक्षय कुमार की छह फिल्में इस बार लगेगा फ्लॉप का चौका या बचेगी लाज?

अक्षय कुमार हिंदी फिल्म उद्योग के शीर्ष सबसे महंगे एक्टर्स में से एक हैं। कोरोना महामारी के बाद सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म 'सूर्यवंशी' देने के बाद अक्षय कुमार ने एक-के-बाद-एक फ्लॉप की झड़ी लगा दी। रक्षा बंधन, सम्राट पृथ्वीराज और बच्चन पांडे के रूप में लगातार तीन फ्लॉप देने के बाद अक्षय कुमार मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने दर्शकों का मनोरंजन करना नहीं छोड़ा। वह जल्द ही अपनी फिल्म 'राम सेतु' के जरिए एक बार फिर दर्शकों से रूबरू होने वाले हैं। इसके अलावा भी खिलाड़ी कुमार की कई फिल्में कतार में हैं। यहां देखिए पूरी लिस्ट...

राम सेतु

अक्षय कुमार, अपनी फिल्म 'कठपुतली' की रिलीज के 42 दिन बाद फिरसे दर्शकों का मनोरंजन करने आने वाले हैं। जी हां, वह 24 अक्टूबर को अपनी एक्शन-एडवेंचर ड्रामा फिल्म 'राम सेतु' लेकर आने वाले हैं। बता दें कि अक्षय कुमार इस फिल्म में, रामायण में वर्णित राम सेतु की उत्पत्ति का पता लगाने वाले एक पुरातत्वविद् की भूमिका निभाते हुए नजर आने वाले हैं।

सेल्फी

'सेल्फी', एक आगामी बॉलीवुड कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन राज मेहता द्वारा किया जा रहा है। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही इस फिल्म को करण जौहर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में प्रमुख भूमिकाओं में अक्षय कुमार, इमरान हाशमी, नुसरत भारूचा और डायना पेंटी हैं। इसके अतिरिक्त, फिल्म मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस की आधिकारिक रीमेक है, जो साल 2023 में रिलीज होगी।

ओएमजी 2

ओएमजी 2 - ओ माय गॉड! 2 एक व्यंग्यात्मक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो 2012 की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म का आध्यात्मिक सीक्वल है। इसमें अरुण गोविल, यामी गौतम, पंकज त्रिपाठी और अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म भारतीय शिक्षा प्रणाली की थीम के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी। फिल्म में अक्षय कुमार भगवान शिव का किरदार निभाते दिखाई देंगे।

गोरखा

गोरखा, एक बायोग्राफिकल फिल्म है, जिसका निर्देशन संजय पीएस चौहान और निर्माण आनंद एल राय कर रहे हैं। इसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। यह एक महान युद्ध नायक मेजर जनरल इयान कार्डोजो के जीवन पर आधारित है। वह भारतीय सेना की 5वीं गोरखा राइफल्स गोरखा रेजिमेंट के सदस्य थे। यह भी अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है।

जॉली एलएलबी-3

हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय कुमार फिर से जॉली का किरदार निभाते हुए नजर आने वाले हैं। जी हां, वह जॉली एलएलबी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त में दिखाई देने वाले हैं। इस भाग में फिल्म अक्षय के चरित्र को मूल जॉली एलएलबी अरशद वारसी के खिलाफ लटते हुए दिखाया जाएगा।

बड़े मियां छोटे मियां

अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ के साथ 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर द्वारा किया जा रहा है। यह एक्शन ड्रामा फिल्म अगले साल क्रिसमस पर रिलीज होने वाली है। बता दें कि इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला शाहरुख खान की डंकी से होने वाला है।

ब्रह्मास्त्र की रिलीज से पहले जेल से बाहर आए केआरके, यूजर्स बोले- गब्बर इज बैक

अभिनेता और फिल्म समीक्षक कमाल आर खान उर्फ केआरके को बेल मिल गई है। आज वह नौ दिनों बाद जेल से बाहर आने वाले हैं। उनके वकील अशोक सरावगी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि कमला आज यानी गुरुवार को ठाणे जेल से बाहर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो केआरके को छेड़छाड़ और अक्षय कुमार, फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा व अन्य के बारे में कथित अपमानजनक ट्वीट से संबंधित मामले में जमानत मिल गई है।

कोर्ट ने क्या कहा?

केआरके को छेड़खानी मामले में मंगलवार 6 सितंबर को जमानत दे दी गई थी। बोरीवली मजिस्ट्रेट ने उन्हें जमानत देते हुए कहा, 'मैंने सोच-समझकर याचिकाकर्ता के लिखित और मौखिक तर्क पर विचार किया। दरअसल, आरोपित द्वारा किए गए कथित ट्वीट के आधार पर दर्ज किया गया अपराध वर्ष 2020 का है। आरोपित द्वारा किए गए कथित ट्वीट के परिणामस्वरूप हुई किसी भी घटना के साथ अभियोजन पक्ष नहीं आया। इसलिए, इस तरह के मामलों में जमानत देने की वर्तमान प्रवृत्ति को देखते हुए, निश्चित रूप से आरोपी कुछ शर्तों पर जमानत पर रिहा होने का पात्र है।"

कोर्ट ने लगाईं शर्तें

कोर्ट ने शर्तें लगाते हुए कहा, "आरोपी को निर्देश दिया जाता है कि वह 15 हजार रुपये बतौर पर्सनल बॉन्ड या नकद जमा कराकर जमानत पर रिहा हो सकता है। आरोपी को दूसरे और चौथे सोमवार को सुबह 10 से 11 बजे के बीच चार्जशीट दाखिल होने तक या 60 दिनों के लिए, जो भी कम हो, संबंधित पुलिस स्टेशन में उपस्थित होना होगा।

खुश हुए सोशल मीडिया यूजर्स

केआरके के रिहा होने पर सोशल मीडिया यूजर्स खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, 'गब्बर इज बैक। केआरके को मिली जमानत'। वहीं अन्य यूजर ने ट्वीट किया, केआरके को जमानत मिल गई है। उम्मीद करता हूं कि वह भी अर्नब गोस्वामी की तरह चुप न हो जाएं। ब्रह्मास्त्र और कठपुतली की रिलीज के करीब यह सब स्क्रिप्टेड लग रहा था। केआरके को गिरफ्तार कर लिया गया है, कठपुतली रिलीज हो गई है और अब ब्रह्मास्त्र भी कल रिलीज हो जाएगी।

हरियाणवी अंदाज छोड़ सपना ने ओढ़ा विदेशी चोला, 'बॉस लेडी' लुक देख नजर नहीं हटा पाए फैंस

हरियाणवी डांसिंग क्वीन सपना चौधरी इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। कानूनी पचड़ों से लेकर लगातार रिलीज होते उनके गाने इंटरनेट इंटरनेट पर धमाल मचा रहे हैं। अपने डांस और ठुमकों के लिए पहचानी जाने वाली सपना चौधरी अपने देसी अंदाज से फैंस का दिल जीतने में माहिर हैं। अक्सर अपने देसी लुक से सुर्खियां बटोरने वाली सपना ने हाल ही में फैंस को अपना नया अवतार दिखाया है। सोशल मीडिया पर हाल ही में देसी क्वीन सपना चौधरी ने एक वीडियो साझा की है, जिसमें उनका बिल्कुल नया लुक देखने को मिल रहा है। सपना चौधरी का यह नया लुक लोगों के दिलों की धड़कने बढ़ा रहा है।

हाल ही में सपना चौधरी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी एक नई वीडियो साझा की है, जिसमें वह सलवार-सूट छोड़ मॉर्डन लुक में नजर आ रही हैं। ज्यादातर सलवार सूट में बन ठन के देखी जाने वाली सपना ने अपना ट्रेडिशनल अवतार के बजाय अपना बॉस लेडी लुक सबको दिखाया है। सामने आए नए वीडियो में सपना का स्वैग और टशन देखने लायक है। वीडियो में सपना चौधरी ब्लैक पैंट, टॉप और जैकेट पहने गाड़ी उतरती दिख रही हैं। कॉन्फिडेंस के साथ वॉक करती सपना हर किसी का दिल धड़का रही हैं।

अपने इस स्टाइलिश लुक को और बेहतर बनाने के लिए सपना चौधरी ने इसे गॉगल्स, ग्लोइंग मेकअप और हाई पोनीटेल से कंप्लीट किया। देसी क्वीन सपना का ऐसा लुक आज से पहले शायद ही किसी ने देखा हो। अपनी हरयाणवी क्वीन का ऐसा बदला-बदला लुक देख उनके फैंस की निगाहें उनसे हट नहीं पा रही हैं। फैंस लगातार सपना की इस वीडियो पर कमेंट कर उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। इसके साथ ही वह लोग क्यास भी लगा रहे हैं कि यह सपना के किसी नए प्रोजेक्ट का हिंट है क्योंकि यह वीडियो किसी शूटिंग सेट पर शूट किया गया है। कुछ ही देर पहले साझा किए गए इस वीडियो पर अभी तक 18 हजार से भी ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। सपना चौधरी के इस लुक की तारीफ कर फैंस लगातार कमेंट भी कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'सपना मैम की बात ही अलग है।' दूसरे ने लिखा, 'सच्ची मर गए।' वहीं एक अन्य ने उनकी तारीफ करते हुए लिखा, 'बेहतरीन लुक मैम।'

बोल्ड अंदाज में शमा ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा तस्वीर में दिखा हद से ज्यादा ग्लैमरस अवतार

टीवी की बेहद बोल्ड अदाकाराओं में गिनी जाने वाली शमा सिकंदर इन दिनों टेलीविजन से ज्यादा सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। जैसे-जैसे शमा की उम्र बढ़ रही है, वैसे-वैसे ही अभिनेत्री और भी ज्यादा बोल्ड होती जा रही हैं। कई टीवी शोज में और म्यूजिक एलबम में काम कर चुकी शमा अपनी एक्टिंग से ज्यादा हॉटनेस को लेकर चर्चाओं में बनी रहती हैं। शमा के फैंस इस कदर उनकी सुंदरता और ग्लैमर के दीवाने हैं कि वह अभिनेत्री की तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। शमा अपने फैंस की दिली इच्छा को पूरा करने के लिए अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड फोटो-वीडियोज साझा करती रहती हैं। वह आए दिन मोनोकिनी से लेकर ब्रालेट पहनकर अपना बोल्ड लुक फैंस के साथ साझा करती रहती हैं, जिसे देख फैंस खुशी से झूम उठते हैं। इसी क्रम में आज भी शमा ने अपनी एक ग्लैमरस फोटो साझा की है, जो तेजी से वायरल हो रही है।

कुछ ही देर पहले शमा सिकंदर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की एक तस्वीर साझा की है। सामने आई तस्वीर में शमा बेहद ही बोल्ड अंदाज में बैठे हुए पोज देती नजर आ रही हैं। डेनिम, ब्रालेट और शर्ट पहने शमा इस तस्वीर में अपनी नशीली आंखों का जादू अपने फैंस पर चला रही हैं। फोटो के समय शमा ने अपने लुक को और भी ज्यादा ग्लैमरस बनाने के लिए अपने बालों को खुला रखा है, जो फोटोशूट में चार चांद लगाने का काम कर रहा है। हमेशा की तरह ही शमा की यह तस्वीर इंटरनेट पर कहर बरपा रही हैं। एक्ट्रेस का यह लुक उनके फैंस को भी खूब पसंद आ रहा है और वह लगातार पोस्ट पर अपना रिएक्शन भी साझा कर रहे हैं।

शमा सिकंदर की इस तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। प्रशंसक लगातार इस तस्वीर पर कमेंट कर प्यार लुटा रहे हैं, जिसका नतीजा यह हुआ कि अभिनेत्री की यह तस्वीर धड़ल्ले से वायरल हो रही है। फैंस इस पर जमकर लाइक, कमेंट और शेयर कर रहे हैं। इस पर कमेंट कर फैंस उन्हें हॉट, बोल्ड, ग्लैमरस, ब्यूटीफुल और फायर बात रहे हैं। जहां एक ने कमेंट कर उन्हें 'डिलाइटिड ब्यूटी' बताया, वहीं दूसरे ने लिखा, 'दीवार पर एक सुंदर पेंटिंग।'

आपको बता दें कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शमा सिकंदर की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। उनकी हर तस्वीर इंटरनेट पर आते ही वायरल हो जाती है।

शमा की दिन-ब-दिन आती तस्वीरों को देख उनकी बढ़ती उम्र का अंदाजा लगा पाना काफी मुश्किल है। अभिनेत्री अब टीवी और फिल्मी पर्दे से दूर सोशल मीडिया से लोगों से जुड़ी हुई हैं।

अनन्या के साथ हो चुका है ईशान खट्टर का ब्रेकअप, कहा- आशा करता हूं अनन्या जिंदगी भर अच्छी दोस्त रहेंगी

करण जौहर के चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण 7' का नया एपिसोड आ गया है। इस बार करण के शो में 'फोन भूत' की स्टार कास्ट नजर आई जिनसे करण ने एक के बाद एक सवालों की बौछार की। ताजा एपिसोड काफी मजेदार है।

तो चलिए आपको इस शो से जुड़ी कुछ खास बातें बताते हैं। शो के दौरान तीनों कलाकारों ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में खुलकर बात की। जहां एक ओर कटरीना कैफ ने अपनी और विक्की की लव स्टोरी के बारे में खुलासा किया। वहीं सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी लव लाइफ के बारे में बात करने के थोड़े बचते नजर आए।

हालांकि शो के दौरान ईशान खट्टर ने अपने ब्रेकअप को लेकर खुलकर बात की। बातचीत के दौरान जब ईशान से करण ने पूछा कि क्या आपका ब्रेकअप हो चुका है। इस पर ईशान ने अनन्या का नाम लिए बिना बताया कि वह इस समय सिंगल हैं। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि मैं आशा करता हूं कि मैं और अनन्या जिंदगी भर अच्छे दोस्त रहेंगे। बता दें कि फिल्म 'खाली पीली' के सेट पर शूटिंग के दौरान ईशान और अनन्या के बीच नजदीकियां बढ़ने लगी थीं। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को लंबे समय तक डेट किया।

डेटिंग के दौरान दोनों अक्सर एक साथ नजर आते थे, लेकिन दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को कभी भी कंफर्म नहीं किया। तीन साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद दोनों के अपने रास्ते अलग कर लिए। वर्क फ्रंट की बात करें तो अनन्या पांडे हाल ही में फिल्म 'लाइगर' में विजय देवरकोंडा के साथ नजर आईं थी। बड़े बजट की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा सकी थी।

उनके अपकिमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो अनन्या जल्द ही आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' में नजर आने वाली हैं। वहीं ईशान की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'पिप्पा' में दिखेंगे। इसके अलावा वह कटरीना कैफ और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ 'फोन भूत' में भी काम कर रहे हैं।

कुणाल कोहली की फिल्म श्लोक- द देसी शेरलॉक में नजर आएंगे बॉबी देओल, अनन्या बिड़ला

बॉबी देओल एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटने की तैयारी में हैं। वे कुणाल कोहली की अपकमिंग फिल्म श्लोक- द देसी शेरलॉक में नजर आएंगे। बॉबी ने शूटिंग के पहले दिन की फोटो शेयर की है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, श्लोक.. पहला दिन। वहीं कुणाल ने लिखा, आज मैं अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू कर रहा हूं। आपके प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है। वहीं इस फिल्म से अनन्या बिड़ला अपना एक्टिंग डेब्यू करने जा रही हैं।

पॉप सिंगर हैं अनन्या

श्लोक द देसी शेरलॉक में बॉबी के अलावा अनन्या बिड़ला भी नजर आएंगी। अनन्या आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला की और नीरजा की बेटी हैं। अनन्या ने अपने करियर की शुरुआत सिंगर के रूप में की है। वह इलेक्ट्रो पॉप और पॉप जॉनर के गाने गाती हैं। इसके अलावा उन्होंने सेएन किंगस्टन और एफ्रोजैक जैसे सिंगर्स के साथ कोलैब्रेट किया है।

मिस्ट्री मैन के साथ स्पॉट हुईं तारा सुतारिया : दोस्त ने छिपाया चेहरा तो यूजर्स ने कहा- ये तो कार्तिक आर्यन है

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक्ट्रेस एक रेस्टोरेंट से बाहर आते दिख रही हैं। इसी बीच एक्ट्रेस के साथ एक मिस्ट्री मैन दिख रहा है। उनके दोस्त ने कैमरे से खुद को बचाने के लिए अपना चेहरा हुडी से ढंक रखा है। जिसके बाद यूजर्स कई तरह के कयास लगाते दिख रहे हैं। कुछ लोग इस शख्स को कार्तिक आर्यन समझ रहे हैं तो वही कुछ इन्हें आदर जैन कह रहे हैं। वीडियो में तारा ब्लैक क्रॉप टॉप के साथ ब्लू डेनिम में नजर आईं। बता दें, हाल ही में तारा फिल्म एक विलन 2 में आदित्य रॉय कपूर और अर्जुन कपूर के साथ नजर आई थीं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो ऐक्ट्रेस इन दिनों करिश्मा कपूर के कजिन आदर जैन को डेट कर रही हैं।

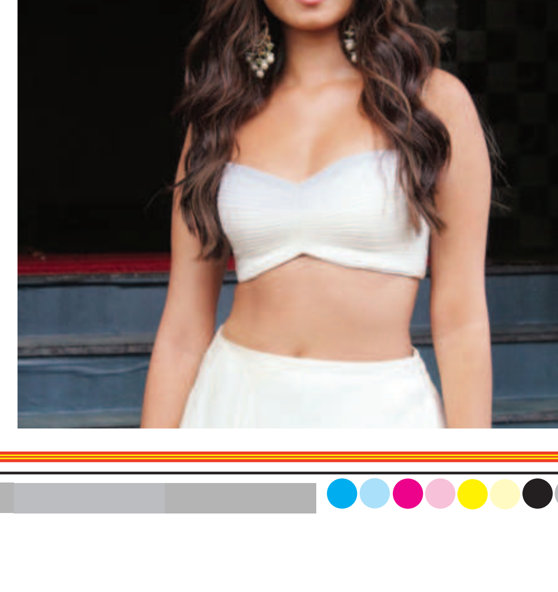

सामंथा प्रभु की यशोदा होगी पहली हिंदी थिएट्रिकल रिलीज

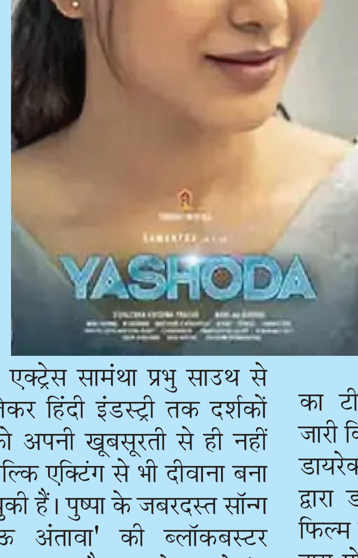

एक्ट्रेस सामंथा प्रभु साउथ से लेकर हिंदी इंडस्ट्री तक दर्शकों को अपनी खूबसूरती से ही नहीं बल्कि एक्टिंग से भी दीवाना बना चुकी हैं। पुष्पा के जबरदस्त सॉन्ग 'ऊ अंतावा' की ब्लॉकबस्टर सफलता और अक्लेम्ड शो 'द फैमिली मैन' में रिमार्केबल परफॉरमेंस के बाद अब सामंथा हिंदी थेटर्स में 'यशोदा' फिल्म के साथ एंट्री करने के लिए तैयार हैं।

सामंथा की पहली फिल्म होगी यशोदा

हालांकि यशोदा सामंथा की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म नहीं है। यह दो भाषाओं वाली फिल्म है, जिसे हिंदी में डब करने के बाद रिलीज किया जाएगा। इस तरह से यह देश भर के सिनेमाघरों में उनकी पहली हिंदी भाषा में रिलीज होने वाली फिल्म बनने जा रही है।

सामंथा की यशोदा का टीज़र शुक्रवार 9 सितंबर जारी किया जाएगा। यह फिल्म में डायरेक्टर जोड़ी हरि और हरीश द्वारा डायरेक्ट की गई है, वहीं फिल्म को शिवलेंका कृष्ण प्रसाद द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। इस फिल्म में दर्शकों को सामंथा बिल्कुल अगल अंदाज में नजर आने वाली है।

5 भारतीय भाषाओं होगी रिलीज

यशोदा एक फीमेल लीड फिल्म है। जिसे कुल 5 भारतीय भाषाओं - तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज किया जाएगा। अभी तक श्रीदेवी मूवीज के मेकर्स ने फिल्म की कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया है, लेकिन 9 सितंबर को फिल्म की पहली झलक से पर्दा उठ जाएगा।

फिल्म में सामंथा के साथ वरलक्ष्मी सरथकुमार, उन्नी मुकुंदन जैसे को-स्टार स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। वहीं, फिल्म सामंथा को नए अवतार को दर्शकों के सामने पेश करने के लिए तैयार है।

अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह स्टारर फिल्म थैंकगॉड का फर्स्टलुक रिवील कर दिया गया है। यह एक कॉमेडी फिल्म है। अजय देवगन ने फिल्म का नया पोस्टर सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें वो सिंहासन पर बैठे नजर आ रहे हैं।

फोटो के अजय ने कैप्शन में लिखा- इस दिवाली आपके परिवार और आपके साथ एक खेल खेलने आ रहे हैं चित्रगुप्त। थैंक गॉड का ट्रेलर 9 सितंबर को रिलीज किया जाएगा।

दिवाली के मौके पर रिलीज होगी फिल्म

वहीं फिल्म 25 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।रकुल प्रीत के साथ एक बार फिर नजर आएंगे अजय- अजय देवगन और रकुल प्रीत इससे पहले फिल्म रनवे 34 और दे प्यार दे में भी साथ नजर आ चुके हैं।

फिल्म की कहानी यमलोक पर आधारित होगी, जिसमें अजय देवगन यमदूत या चित्रगुप्त की भूमिका निभाएंगे। वहीं सिद्धार्थ एक पुलिस अधिकारी के रोल निभाएंगे और रकुल प्रीत उनकी प्रेमिका के रोल में नजर आएंगी।

ऐश्वर्या राय ने आलिया भट्ट की सफलता पर उठाए सवाल, कहा 'करण करते हैं सपोर्ट...गोद में मिलते हैं ऑफर'

बॉलीवुड की 'गंगूबाई' यानि की आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ब्रह्मास्त्र को लेकर खासी चर्चा में है. इसके साथ ही एक्ट्रेस बहुत ही जल्द मां बनने वाली हैं, लेकिन इस दौरान भी वो जमकर काम कर रही हैं. आलिया ने बहुत कम समय में बॉलीवुड में अपनी एक अलग छाप छोड़ी है. राजी से लेकर गली बॉय तक में उन्होंन अपने काम कि छाप छोड़ी है.

हालांकि ब्यूटी क्वीन ऐश्वर्या राय को ऐसा लगता है कि आलिया के लिए सफलता की रहा आसान रही थी और इसका कारण है उन्हें लगातार ऑफर मिलना और साथ ही स्टार किड को फेवर करने वाले करण जौहर. दरअसल ऐश्वर्या राय का एक 4 साल पुराना वीडियो खूब वायरल हो रहा है जिसमें वो आलिया की सफलता पर खुलकर बातें करती हुई नजर आ रही हैं. ऐश्वर्या ने कहा था कि आलिया को शुरुआत से करण का सपोर्ट मिला और यही वजह है कि आज वो टॉप पर बैठी हैं.

ऐश्वर्या राय ने वीडियो में कहा 'वह काफी आगे जाएंगी. यह बहुत ही अच्छी बात है कि आलिया अपने काम को इंजॉय कर रही हैं और उसे एक्सप्लोर कर रही हैं, वह फिल्मों में अच्छा काम कर रही हैं.

मैंने यह खुद आलिया से भी कहा था कि जिस तरह का सपोर्ट करण जौहर ने तुम्हें दिया है वह तुम्हारे लिए काफी अच्छा है. शुरुआत से ही उन्होंने तुम्हे सपोर्ट किया है. शुरुआत से ही इस तरह का सपोर्ट मिलना बहुत आरामदेह होता है, तब पैर जमाना इतना मुश्किल नहीं होता.

एक एक्टर के नाते तुम्हारे लिए यह बहुत ही अच्छा है क्योंकि तुम्हारे लिए आगे अच्छा काम और अच्छे मौके हैं, लेकिन यह बात भी है कि वह अच्छा काम कर रही हैं. साथ रही उनके पास रेगुलर अच्छे मौके भी आ रहे है, जो उनकी गोद में पहुंच जाते हैं.'

73 साल के हुए राकेश रोशन फैमिली के साथ सेलिब्रेट किया बर्थडे

इंडस्ट्री के जाने माने एक्टर और फिल्ममेकर राकेश रोशन ने 6 सितंबर को अपना 73वां बर्थडे सेलिब्रेट किया है। इस मौके पर उन्होंने अपना बर्थडे फैमिली के साथ सेलिब्रेट किया, जिसका एक वीडियो बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में राकेश फैमिली के साथ केक काटते हुए नजर आ रहे हैं। ऋतिक ने वीडियो शेयर कर लिखा, ' बीती रात के बारे में, हैप्पी बर्थडे पापा, आप 73 के हो गए हैं लेकिन आज भी 37 के दिखते हैं, हम सब आपको प्यार करते हैं'। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।

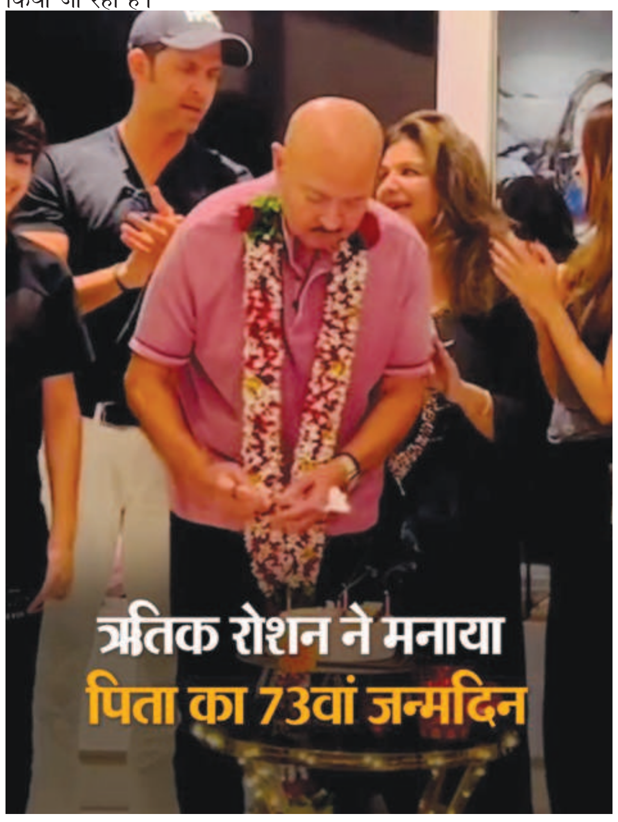

हेयर स्टाइलिस्ट संग रोमांटिक अंदाज में नाचीं सारा अली खान, लोग बोले-पागल है...

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सैफ अली खान की लाडली सारा अली खान अपने चुलबुले अंदाज के लिए फेमस है. अपनी अदायगी के अलावा अपने नटखट पन को लेकर भी सारा चर्चा में बनी रहती हैं. हाल में सारा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है जिसमे वो एक अनजान शख्स के साथ खुली सड़क पर नाचती हुईं नज़र आ रही हैं. इस वीडियो में के बैकग्राउंड में जया बच्चन का गाना बज रहा है. इस वीडियो में सारा अली खान ने अपने कॉफी मिलने से पहले और बाद के दो मूड दिखाए हैं. पहले गाना बजता है 'बाहों में चले आओ' फिर सारा सड़क पर अपने हेयर स्टाइलिस्ट के साथ 'टिंकू जिया' पर टपोरी डांस करती हुईं नज़र आती हैं. फैंस को सारा का ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है. सारा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे जल्द ही लक्ष्मन उतेकर की फिल्म में नजर आएंगी,जिसमे उनके साथ विक्रांत मैसी दिखाई देंगे।

सारा सड़क पर अपने हेयर स्टाइलिस्ट के साथ 'टिंकू जिया' पर टपोरी डांस करती हुई नजर आयी

'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' में नजर आए रणवीर सिंह

किसी को कहा 'मलाई कोफ्ता' तो किसी से करवाई मसाज

'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' का सीजन 2 नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है और इसकी चर्चा जमकर हो रही है. बता दें कि इस शो में बॉलीवुड के चुनिदां एक्टरों की पत्नियां अपनी जिंदगी के बारे में बातें करती हुई नजर आती हैं. इस शो में आप नीलम कोठारी, महीप कपूर, भावना पांडे और सीमा सजदेह की दोस्ती देख सकती हैं. ऐसे में दूसरी सीजन में ईश बार एंट्री हुई है मास इंटरटेनर रणवीर सिंह की जिन्हें करण जौहर लेकर आए हैं. बता दें कि करण जौहर के प्रोडक्शन में बने इस शो आखिरी एपिसोड में आप रणवीर सिंह को देख सकते हैं और रणवीर आए और हंगामा ना हो ऐसा हो सकता है भला है. तो इस बार शो के एक एपिसोड को लेकर हंगामा मच गया है जिसमें बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह नजर आए थे.

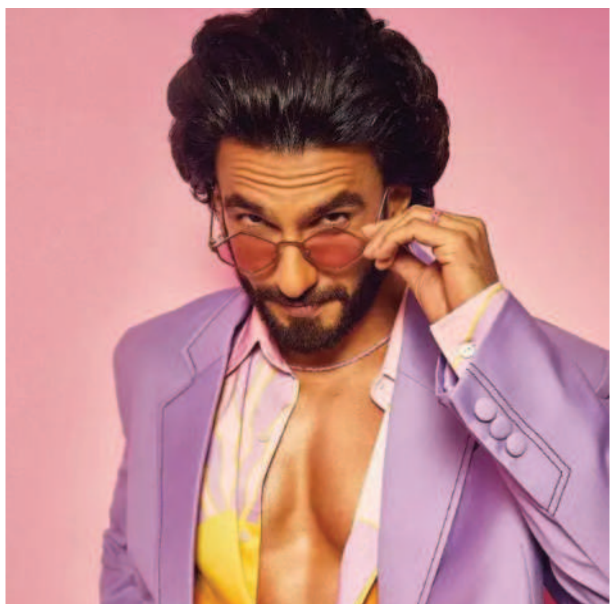

इस रिएलिटी शो के सीजन 2 के एक खास एपिसोड में रणवीर सिंह आते है. एपिसोड के छोटे-छोटे क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं और उनका ये अंदाज फैंस को बिल्कुल नहीं पंद आ रहा है. शो के एपिसोड में पूर्व अभिनेत्री नीलम कोठारी, महीप कपूर, भावना पांडे और सीमा सजदेह नजर आ रही हैं. शो इन अभिनेत्रियों की जिंदगी पर ही आधारित है. खासतौर पर महीप इस शो से ज्यादा चर्चा में आईं हैं. वह अभिनेता संजय कपूर की पत्नी हैं. एक एपिसोड में ये चारों एक्ट्रेस रणवीर सिंह की अपकिमिंग फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के सेट पर चिल कर रही हैं. तभी यहां रणवीर सिंह कैमियो करते नजर आते हैं.

दरअसल बात यह है कि 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' के दूसरे सीज़न का शानदार फिनाले हुआ, जिसमें रणवीर सिंह अतिथि भूमिका में थे. शो की चार लीड फीमेल महीप कपूर, सीमा सजदेह, भावना पांडे और नीलम कोठारी एक साथ करण जौहर की अपकमिंग फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानीके सेट पर रणवीर से मिलीं. जैसे ही अभिनेता ने कमरे में एंट्री की महीप, भावना, सीमा और नीलम उनके लुक्स की कायल हो गईं। उन सभी ने कहा कि रणवीर कितने 'हॉट' हैं और सीमा ने रणवीर की पत्नी दीपिका पादुकोण को भी "लकी और ठाठ वाली" बताया. इसके बाद ही वीडियो में रणवीर सिंह सभी एक्ट्रेस से बिंदास बात करते दिख रहे हैं. वह अपने सुपरकूल अंदाज में महीप पर फोकस करके बात करते हैं. रणवीर खुद को 'बैट्री ऑपरेटेड डिवाइस' बताते हैं और इतना ही नहीं पैर में मोच आने की बात कहकर महीप से फुट मसाज करने को कहते हैं. महीप कपूर रणवीर सिंह को फुट मसाज (पैरों की मसाज) करती हैं तो रणवीर अजीब आवाजें निकालते हैं. ये देख सोशल मीडिया पर यूजर्स भड़क उठे हैं.

'ब्रह्मास्त्र' के लिए रणबीर-आलिया ने वसूली मोटी रकम, स्टार कास्ट की फीस

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म ब्रह्मास्त्र कल पर्दे पर आने के लिए पूरी तरह से तैयार है. इस फिल्म के लिए स्टार कास्ट ने अपनी कस ली है और लगातार इसका प्रमोशन कर रहे हैं. इस फिल्म को पैन इंडिया के तौर पर पेश किया जा रहा है. ऐसे में इसे साउथ से लेकर नार्थ तक में प्रमोट किया जा रहा है. 'ब्रह्मास्त्र' के वीएफएक्स की चर्चा जमकर हो रही है और इसके लिए मेकर्स ने मोटी रकम खर्च की है. खबरों की मानें तो फिल्म के वीएफएक्स और स्पेशल इफेक्ट्स पर लगभग 50 से 75 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं. वहीं फिलम के पार्ट वन का बजट ही केवल 400 करोड़ तक है और प्रमोशन का हिस्सा अलग होता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर फिल्म के स्टार कास्ट की फीस पर कितना पैसा लगा है.

1. रणबीर कपूर : सबसे ज्यादा फीस रणबीर कपूर ने ली है, उन्होंने मेकर्स से 25 से 30 करोड़ रुपये वसूले हैं. बता दें कि इस फिल्म को पूरा होने में करीब पांच सालों का वक्त लगा है और कोरोना की वजह से लगातार फिल्म की शूटिंग में देरी हो रही थी. इसके साथ ही ये फिल्म दो हिस्सा में आएगी.

2. आलिया भट्ट :वहीं रणबीर कपूर की पत्नी और एक्ट्रेस आलिया भट्ट की बात की जाए तो फिल्म में अपने रोल के लिए 10 से 12 करोड़ रुपये लिए हैं. बता दें कि आलिया इस वक्त बॉलीवुड की सबसे महंगी एक्ट्रेस के तौर पर जानी जाती हैं.

3. अमिताभ बच्चन : बॉलीवुड इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन भी फिल्म में अहम किरदार निभा रहे हैं. अमिताभ बच्चन 'ब्रह्मास्त्र' करने के लिए 8 से 10 करोड़ रुपये की मोटी सैलरी ली है.

4. नागार्जुन : फिल्म में साउथ सुपरस्टार नागार्जुन कैमियो कर रहे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने 9 से 10 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं. बता दें कि ये पहली बार है जब आप साउथ स्टार को किसी बॉलीवुड फिल्म में देखेंग. इतना ही नहीं नागार्जुन अपने साउथ स्टार के साथ मिलकर फिल्म का प्रमोशन भी जमकर कर रहे हैं.

5. मौनी रॉय : फिल्म में छोटे पर्दे की अदाकारा मोनी रॉय भी नजर आने वाली हैं, मोनी रॉय ने अपने रोल के लिए 3 करोड़ रुपये लिए हैं. बता दें क मौनी इसके पहले अक्षय कुमार जैसे सितारों के साथ काम कर चुकी हैं, लेकिन ये फिल्म उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है. क्योंकि इस फिल्म में एक से बढ़कर एक सितारे हैं.

'विक्की कौशल के साथ प्यार का कोई इरादा नहीं था', इस वजह से लगे थे परफेक्ट हसबैंड

करण जौहर के पॉपुलर चैट शो कॉफी विद करण के 10वें एपीसोड में इस एपिसोड में कैटरीना कैफ , ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी आए थे. जिनके साथ करण जौहर ने कई सारी बातें की हैं. बता दें कि ये पहला मौका है जब कटरीना कैफ विक्की कौशल से शादी के बाद इस तरह किसी चैट शो में नजर आई हैं, उन्होंने अपनी लवलाइफ के बारे में भी ढेर सारी बातें बताईं हैं. इस दौरान कैटरीना बताएंगी कि आखिर वह विक्की कौशल से मिलीं कैसे? और कैसे दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई है. जैसा कि आप जानते हैं कि पिछले साल दिसंबर में कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने सात फेरे लिए और हमेशा के लिए एक दूजे के हो गए.

पहली नजर में हो गई थीं फिदा

करण के चैट शो पर फाइनली कैटरीना कैफ ने विक्की कौशन के साथ अपने रिलेशनशिप की डिटेल्स शेयर की और उन्होंने बताया कि कैसे हसबैंड विक्की कौशल कभी उनकी 'रडार' पर थे ही नहीं. कटरीना ने कहा, "मैं उनके बारे में ज्यादा जानती भी नहीं थी. वह सिर्फ एक नाम था जिसे मैंने सुना था लेकिन कभी उनसे जुड़ी नहीं थी. लेकिन फिर, जब मैं उनसे मिली, तो मैं उन पर फिदा हो गई."

विक्की के सुलझे हुए इंसान हैं

कैटरीना ने कॉफी विद करण में बताया कि विक्की कौशल से शादी के लिए वह कैसे राजी हुईं. इस पर एक्ट्रेस ने कहा 'सबसे महत्वपूर्ण ये थी कि विक्की किस तरह से अपनी फैमिली के साथ हैं, सनी, उनकी मां और पापा. ये बहुत ही शानदार था. उन्होंने बताया कि कैसे रिलेशनशिप के शुरुआत में कैसे विक्की पर कितनी पाबंदी थी लेकिन इससे वह कभी परेशान नहीं हुईं. मेरे दिमाग में हमेशा ये ख्याल आता था कि अगर वह अपने परिवार को इतनी रिस्पेक्ट और इंपोर्टेंस दे रहे हैं तो वैसा ही मेरे परिवार के साथ करेंगे जब हमारी शादी होगी'. विक्की के साथ अपने रिलेशनशिप को अनएक्सपेक्टेड और ऑउट ऑफ ब्लू बताते हुए कटरीना ने शेयर किया कि "यह मेरी डेस्टिनी थी और यह वास्तव यह होना था. इतने सारे संयोग थे कि एक समय पर यह सब बेहद अनरियल लगने लगा.

कपिल के दोस्त चंदन प्रभाकर ने छोड़ा शो, हुई अनबन या...एक्टर ने बताई वजह

कॉमेडियन कपिल शर्मा जल्दी ही एक बार फिर द कपिल शर्मा शो के साथ वापसी के लिए तैयार हैंशो का प्रोमो रिलीज कर दिया गया था, जिसे दर्शकों ने पसंद किया और शो के लिए उत्साहित नजर आए रहे हैं. जिस में एक ओर जहां शो के कैरेक्टर्स से दर्शकों को इंट्रोड्यूस करवाया जा रहा है तो दूसरी ओर इस बार के गेस्ट्स भी नजर आ रहे हैं. शो में अक्षय कुमार, रकुल प्रीत, हुमा कुरैशी से लेकर कुछ स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी तक नजर आ रही हैं .गौरतलब है कि द कपिल शर्मा शो, 10 सितंबर से हर शनिवार- रविवार, रात 9.30 बजे सोनी टीवी पर टेलीकास्ट हुआ करेगा. हालांकि इस दौरान शो के साथ सालों से जुड़े हुए चंदन प्रभाकर ने शो को अलविदा कह दिया है जिसकी वजह से फैंस हैरान हैं.

चंदन प्रभाकर ने कपिल के शो को कहा अलविदा

पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, चंदन ने कहा है कि वो कपिल के शो का हिस्सा नहीं होंगे, चंदन कपिल के ऑस्ट्रेलिया टूर का हिस्सा भी नहीं थे. हालांकि कपिल और चंदन पिछले कई सालों से साथ काम कर रहे हैं. दोनों के बीच खास बॉन्डिंग हैं. चंदन कपिल के नए सीजन के प्रोमो में नजर आए हैं.

इतना ही नहीं नए सीजन में उनकी बीवी भी हैं. ऐसे में शो को अलिवदा कहना फैंस को अटपट लग रहा है. चंदन प्रभाकर ने पिंकविला से बातचीत में कहा, 'हां मैं इस बार शो का हिस्सा नहीं रहूंगा, और इसके पीछे कोई खास वजह नहीं है. बात सिर्फ इतनी है कि मैं एक ब्रेक चाहता था.'

भारती और कृष्णा ने भी बनाई शो से दूरी

वहीं दूसरी तरफ इस शो की जान कहे जाने वाले कृष्णा अभिषेक की इस बार शो का हिस्सा नहीं होगे. कई जगहें खबरें आ रही थी कि फीस को लेकर मेकर और कृष्णा का बीच विवाद हो रहा है. हालांकि इस पर कोई पक्की खबर निकलकर सामने नहीं आई है. वहीं कपिल की बुआ का किरदार करने वाली भारती सिंह ने भी कहा है कि उनके पास अधिक काम होने की वजह से वो कपिल को समय नहीं दे पा रही हैं. इस बारे में भारती ने कहा, 'मैं एक शॉर्ट ब्रेक पर हूं और मैं सा रे गा मा पा (लिल चैम्प्स 9) भी कर रही हूं, ऐसे में कपिल शर्मा शो रेग्यूलर नहीं कर पाऊंगी, मैं दिखूंगा पर बीच बीच में दिखूंगी, क्योंकि अब मेरा एक बच्चा भी है और इसके अलावा कुछ और इवेंट्स भी हैं.'

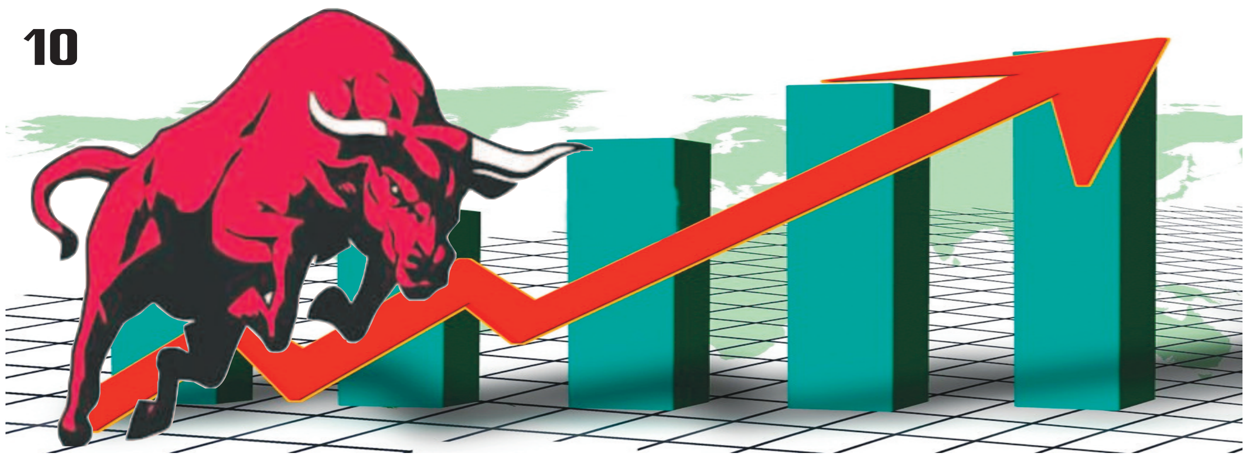

उपभोक्ता फोरम ने चेक अस्वीकार करने के मामले में बैंक पर की कार्रवाई, 85,000 रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के धारवाड़ जिला उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शाखा पर एक कन्नड़ अंक को ठीक से पहचानने में विफल रहने पर चेक को 'अस्वीकार' करने के लिए 85,177 रुपये का जुर्माना लगाया है। हुबली के सरकारी पीयू कॉलेज में अंग्रेजी के लेक्चरर वादीराजाचार्य इनामदार ने तीन सितंबर 2020 को अपने बिजली बिल के लिए हुबली इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड (एचईएससीओएम) को 6,000 रुपये का एसबीआई का चेक जारी किया था। एचईएससीओएम का केनरा बैंक में खाता था और इसलिए चेक को मंजूरी के लिए कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के हलियाल में एसबीआई शाखा में भेजा गया था। चेक पर अंक समेत सभी जानकारी कन्नड़ में भरी गयी थी। हलियाल में एसबीआई शाखा ने चेक पर लिखे कन्नड़ अंक 'नौ' को 'छह' समझकर चेक को अस्वीकार कर दिया। जबकि अंक नौ, 'सितंबर' माह को दर्शाता है, लेकिन बैंक ने इसे 'जून' समझ लिया, जिसके बाद इनामदार ने अपनी शिकायत के साथ उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया।

वित्तमंत्री ने दी आरबीआई को सलाह

बोलीं-महंगाई पर लगाम के लिए बेहतर तालमेल की जरूरत

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए राजकोषीय नीति और अन्य कारकों के साथ अधिक बेहतर ढंग से तालमेल बिठाना होगा। उन्होंने आर्थिक थिंक टैंक इक्रियर की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि मुद्रास्फीति प्रबंधन को केवल मौद्रिक नीति पर नहीं छोड़ा जा सकता है। यह कवायद कई देशों में पूरी तरह से अप्रभावी साबित हुई है। वित्त मंत्री ने कहा, 'आरबीआई को कुछ हद तक तालमेल बिठाना होगा। हो सकता है कि वर्तमान में यह तालमेल

उतना न हो, जितना कि अन्य पश्चिमी विकसित देश में होता है। मैं रिजर्व बैंक को कुछ बता नहीं रही हूं। मैं आरबीआई को कोई आगे का निर्देश नहीं दे रही हूं, लेकिन सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए मौद्रिक नीति के साथ ही राजकोषीय नीति पर भी काम करना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी कई अर्थव्यवस्थाएं हैं जहां नीति को इस तरह तैयार किया गया है कि मुद्रास्फीति को संभालने के लिए मौद्रिक नीति और ब्याज दर प्रबंधन एकमात्र साधन हैं। सीतारमण ने कहा, 'मैं कहूंगी कि भारत का मुद्रास्फीति प्रबंधन कई अलग-अलग गतिविधियों की साझा कवायद है और जिनमें से ज्यादातर आज की परिस्थितियों में मौद्रिक नीति से बाहर है।' रूस से कच्चा तेल खरीदने का फैसला लेने के लिए पीएम बधाई के पात्र: नरेंद्र मोदी कार्यक्रम के दौरान वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने यह भी कहा है कि मैं रूस से कच्चा तेल खरीदने का फैसला लेने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले का सम्मान करती हूं। वित्तमंत्री ने कहा कि रूस से तेल खरीदना सही फैसला है क्योंकि वे छूट पर कच्चा तेल मुहैया कराने को तैयार हैं। वित्त मंत्री ने कहा है कि हमारे पूरे आयात में रूस का हिस्सा 2% था जो कच्चा तेल का आयात शुरू होने के बाद 12-13% तक बढ़ गया। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने दिल्ली में कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान ये बातें कही है। वित्त मंत्री ने कहा है कि प्रतिबंधों के दौर में तमाम देश रूसी कच्चा तेल और गैस की खरीदारी की जुगत में लगे हैं लेकिन ऐसा नहीं कर पा रहे हैं।

सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव

जीएसटी समेत 57522 पर पहुंचा गोल्ड का भाव

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सर्राफा बाजारों में गुरुवार को सोने-चांदी के हाजिर भाव में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। आज 24 कैरेट सोना 50770 रुपये पर खुला, जो बुधवार के बंद रेट से 217 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा है। वहीं, चांदी भी 738 रुपये चढ़कर 54134 रुपये प्रति किलो के रेट पर खुली। अब शुद्ध चांदी सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 5484 रुपये सस्ता है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 21874 रुपये सस्ती है। इसके अलावा 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 50567 रुपये पर है।

वहीं, 22 कैरेट 46505, जबकि 18 कैरेट 38078 और 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 29701 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। इसमें जीएसटी और ज्वैलर का मुनाफा नहीं जुड़ा है। 24 कैरेट सोने पर 3 फीसद जीएसटी यानी 1523 रुपये जोड़ लें तो इसका रेट 52084 रुपये हो जा रहा है। वहीं ज्वैलर का 10 फीसद मुनाफा जोड़ने के बाद सोने का भाव 57522 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच जा रहा है। जीएसटी जोड़ने के बाद चांदी की कीमत 55758 रुपये प्रति किलो हो गई है। इसमें ज्वैलर का 10 से 15 फीसद मुनाफा अलग से है। यानी आपको 10 फीसद मुनाफा लेकर ज्वैलर करीब 61333 रुपये में देगा। 23 कैरेट गोल्ड पर भी 3 फीसद जीएसटी और 10 फीसद मुनाफा जोड़कर आपको मिलेगा 57292 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से। जबकि, 22 कैरेट सोने का भाव तीन फीसद जीएसटी के साथ यह 47900 रुपये का पड़ेगा। इससे बने जेवरों पर भी ज्वैलर्स का मुनाफा अलग से जोड़ने पर करीब 52690 रुपये का पड़ेगा।

18 कैरेट गोल्ड की कीमत 3 फीसद जीएसटी के साथ 39220 रुपये प्रति 10 ग्राम होगी। ज्वैलर का 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़कर यह 43142 रुपये का पड़ेगा। अब 14 कैरेट सोने का भाव जीएसटी के साथ यह 30592 रुपये प्रति 10 ग्राम पड़ेगा। इस पर 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़ लें तो यह 33651 रुपये का पड़ेगा।

ऑफर लेटर लेकर ज्वॉइनिंग से मना किया तो कंपनी का को-फाउंडर भड़का

सोशल मीडिया पर ऐसे निकाली भड़ास

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। ऑफर लेटर स्वीकार करने के बाद कई कर्मचारी ऐन जॉइनिंग के मौके पर पीछे हट जाते हैं और प्रस्ताव को स्वीकार करने से मना कर देते हैं। कॉरपोरेट जगत में यह कोई नई बात नहीं है। यह समस्या फिलहाल सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल ऐसे ही एक मामले के बाद ट्रैवल कंपनी ईज माई ट्रिप के को-फाउंडर ने अपनी भड़ास सोशल मीडिया पर निकाली है। उनके इस पोस्ट पर लोगों ने भी कई दिलचस्प जवाब दिए हैं और उन्हें इस समस्या से निपटने का तरीका भी बताया है। इज माय ट्रिप के को फाउंडर प्रशांत पिट्टी ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक व्हाट्सऐप चैट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा था कि उनकी कंपनी में सिलेक्ट हुए एक कैंडिडेट ने किसी दूसरी कंपनी में बेहतर मौका मिलने की बात कहकर इज माय ट्रिप में ज्वाइन करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने आगे लिखा कि किसी उम्मीदवार की बहाली प्रक्रिया में लंबा समय लगता है। ऑफर लेटर जारी करने के बाद कंपनी कई दिनों या कुछ मामलों में कई महीनों तक इंतजार करती है। उसके बाद भी अगर कोई ज्वाइन ना करे तो यह दुखद है। अगर कोई व्यक्ति लंबे इंतजार के बाद ज्वाइन करने से मना कर देता है तो पूरी प्रक्रिया में लगने वाला समय और संसाधन बेकार हो जाते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से समस्या का समाधान भी जानना चाहा। इज माय ट्रिप के सहसंस्थापक प्रशांत पुट्टी की इस ट्वीट पर भारत पे के कोफाउंडर अशनीर ग्रोवर ने भी रिप्लाई किया है। उन्होंने लिखा है कि भारत में कॉन्ट्रैक्ट की वैल्यू नहीं है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापार समझौता जल्द

पीयूष गोयल ने बताया देश को होगा ये फायदा

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के वाणिज्य मंत्री डैन तेहान इस महीने भारत की यात्रा पर होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक सहभागिता और व्यापार समझौता जल्द ही संसद में पेश किया जाएगा। गोयल ने कहा कि डेन तेहान इस महीने में भारत की यात्रा पर होंगे, पूर्व में भी उनसे कई बार चर्चा हुई है। उन्होंने डब्ल्यूटीओ की बैठक के दौरान हमें आश्वस्त किया है कि वे ऑस्ट्रेलियाई पक्ष की दलीलों और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के परिणामों से संतुष्ट हैं और इसे जल्द ही संसद में पेश करने वाले हैं। अमेरिका दौरे पर गए केंद्रीय मंत्री ने सैन फ्रांसिस्को में ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार और आर्थिक सहभागिता के एक सवाल के जवाब में कहा कि मुझे बताया गया है कि ऑस्ट्रेलिया की ओर से संभावित टाइमलाइन इस वर्ष के अंत तक रखी गई है। बता दें कि दो अप्रैल 2022 को एक वर्चुअल

कार्यक्रम के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन की मौजूदगी में पीयूष गोयल और डेन तेहान ने दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत भारत से निर्यात होने वाले 96 प्रतिशत उत्पादों को जीरो ड्यूटी एक्सेस मुहैया कराने की बात कही गई है। इसके अंतर्गत इंजीनियरिंग गुड्स, जेम्स और ज्वेलरी, टेक्सटाइल, वस्त्र और चमड़ा जैसी चीजें आएंगी। इस समझौते के प्रभाव में आने के बाद दोनों देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार आने वाले पांच वर्षों में 45 से 50 बिलियन डॉलर होने की उम्मीद है। फिलहाल यह 27 बिलियन डॉलर है। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया के भी 85 प्रतिशत निर्यात की वस्तुओं को भारतीय बाजार में ड्यूटी फ्री एक्सेस दिया जाएगा। इन वस्तुओं में भेड़ का मीट व ऊन शामिल हैं। इसके अलावे ऑस्ट्रेलियाई शराब, बादाम, दालों और कुछ विशेष फलों पर भी भारत की ओर से कम ड्यूटी लगाने की बात कही गई है। समझौते के अनुसार भारत से निर्यात की जाने वाली 100% वस्तुओं को आने पांच वर्षों में जीरो ड्यूटी एक्सेस के दायरे में लाना है। हाल के वर्षों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के कारण हाल के कुछ वर्षों में दोनों देशों के परस्पर व्यापार में बढ़ोत्तरी और सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं। दोनों देशों के बीच दोस्ताना संबंध के कारण इसमें दिनोंदिन सुधार होता जा रहा है। बता दें कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत भारत और ऑस्ट्रेलिया के राजनेताओं के वर्चुअल समिट के दौरान शुरू हुई थी।

दो दिनों की गिरावट के बाद थमा शेयर बाजार

सेंसेक्स 659 अंक चढ़ा, निफ्टी भी तेज

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजारों में दो दिनों से जारी गिरावट का सिलसिला गुरुवार को थम गया। आज यानी गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 659.31 अंक उछलकर बंद हुआ। सेंसेक्स 1.12 फीसदी की मजबूती के साथ 59,688.22 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 174.35 अंक यानी 0.99 फीसदी की बढ़त के साथ 17,798.75 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में मजबूती और बैंक, सूचना प्रौद्योगिकी तथा वाहन कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई। इस बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती के बीच रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे तेज हुआ। इसके साथ रुपया 79.72 (अस्थाई) पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 79.72 पर खुली। दिन में कारोबार के दौरान इसने 79.65 का ऊपरी और 79.83 का निचला स्तर देखा।

प्याज के दाम पर अंकुश लगाने के लिए मोदी सरकार ने उठाया यह बड़ा कदम

बफर स्टॉक से 50 हजार टन बाजार में उतारेगी

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। मोदी सरकार अपने बफर स्टॉक से करीब 50,000 टन प्याज दिल्ली और गुवाहाटी जैसे कुछ शहरों में उतारेगी, जहां प्याज की कीमतें अखिल भारतीय औसत दरों से थोड़ी अधिक हैं। प्याज की कीमतों को स्थिर करने के लिए केंद्र 2.5 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक बनाए हुए है। सूत्रों ने बताया कि उपभोक्ता मामलों का विभाग अपने बफर स्टॉक से 50,000 टन प्याज दिल्ली और गुवाहाटी जैसे शहरों को बेचेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कई शहर हैं जहां कीमतें अखिल भारतीय औसत दरों से अधिक हैं। प्याज की अखिल भारतीय औसत कीमत मंगलवार को 26 रुपये प्रति किलो थी। सूत्रों ने कहा कि विभाग ने सभी राज्यों को प्याज की जरूरत होने पर ऑर्डर देने के लिए लिखा है। केंद्र प्याज 18 रुपये किलो के आसपास दे रहा है। वर्ष 2020-21 में प्याज का उत्पादन 266.41 लाख टन और खपत 160.50 लाख टन रही थी। इसकी खराब होने वाली प्रकृति और रबी और खरीफ फसलों के बीच अंतर के कारण, प्याज की कीमतें सितंबर से दिसंबर के कमी के महीनों के दौरान बढ़ जाती हैं।

प्याज की फसल की कटाई के बाद के नुकसान की समस्या को दूर करने के लिए, विभाग ने वैज्ञानिक समुदाय, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप के लिए एक हैकथॉन/ग्रैंड चैलेंज शुरू किया है ताकि प्याज की कटाई के बाद भंडारण के लिए एक प्रोटोटाइप के विचार और विकास की तलाश की जा सके।

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन बिक्री 11.8 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। ई-कॉमर्स कंपनियों को इस साल त्योहारी सत्र के दौरान अपनी सालाना बिक्री 28 प्रतिशत बढ़कर 11.8 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच जाने की उम्मीद है। रेडसीर की ओर से जारी की गई एक रिपोर्ट में इस बात का अनुमान लगाया गया है। रणनीतिक सलाहकार फर्म रेडसीर ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वर्ष 2018 की तुलना में इस साल त्योहारी सीजन में ऑनलाइन खरीदारी करने वालों की संख्या दोगुनी हो सकती है। रेडसीर के अनुसार त्योहारी सत्र सितंबर महीने के उत्तरार्ध से शुरू होकर दिवाली तक चलता है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'त्योहारी सत्र पूरे देश में शुरू होने वाला है। रेडसीर ने त्योहारी महीने के दौरान ऑनलाइन वस्तुओं की बिक्री 11.8 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान लगाया है, जो पिछले साल की तुलना में 28 प्रतिशत अधिक है।' रिपोर्ट में कहा गया कि त्योहारी सत्र से पहले विभिन्न श्रेणियां अलग-अलग तरह से विकसित हो रही हैं और इसका असर विभिन्न श्रेणियों की खरीदारी पर अलग-अलग होगा। रेडसीर ने आगे कहा कि त्योहारी सीजन के पहले सप्ताह में ही बिक्री 5.9

अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले साल की तुलना में 28 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल फैशन श्रेणी में ऑनलाइन खरीदारी बढ़ने का अनुमान है और इस दौरान टियर-2 शहरों में खासतौर से मांग देखने को मिल सकती है।

रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स के एसोसिएट पार्टनर संजय कोठारी ने कहा, 'हमारा अनुमान है कि 2018 के मुकाबले ऑनलाइन दुकानदारों की संख्या में लगभग चार गुना वृद्धि हुई है। यह वृद्धि कारोबारियों द्वारा तेजी से डिजिटल को अपनाने और टियर-2 शहरों में बढ़ती पैठ से प्रेरित है।'

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर बोले- डिजिटल ऋण से जुड़े नियम ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने गुरुवार को कहा कि हाल में जारी किए गए डिजिटल ऋण से जुड़े नियम मध्यस्थता खत्म करने और ग्राहकों की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। राव ने उद्योग निकाय एसोचैम की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि तीसरे पक्ष की बेलगाम भागीदारी, भ्रामक बिक्री, डेटा गोपनीयता का उल्लंघन, अनैतिक वसूली प्रथाओं और अत्यधिक ब्याज दरों के कारण आरबीआई ने डिजिटल लोन से जुड़े नियम बनाए हैं। केंद्रीय बैंक ने व्यापक परामर्श के बाद 10 अगस्त को डिजिटल लोन से जुड़े नियम जारी किए हैं और इसे इंडस्ट्री के इस साल

नवंबर तक इसे लागू करने के लिए कहा है। हालांकि इन नियमों के जारी होने के बाद फिनटेक उद्योग की कुछ कंपनियों ने चिंता जताई है कि इससे उनके कामकाज प्रभावित होंगे। राव ने कहा, 'डिजिटल कर ढांचे को एक अभिनव और समावेशी प्रणाली की जरूरत के बीच संतुलन बनाने के लिए तैयार किया गया है। साथ ही इसमें सुनिश्चित किया गया है कि ग्राहकों के हित सुरक्षित रहें।' उन्होंने कहा कि ये मानदंड पूरी तरह से उन विनियमित संस्थाओं के लिए हैं, जो एप के जरिए उधार देते हैं।

उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऋण सेवा प्रदाता और डिजिटल ऋण के एप नियामक दायरे के भीतर रहकर काम करें।

पिछले साल का सरसों बाजार में नहीं खप पाया, इसलिए सस्ता हो रहा तेल

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बिनौला तेल कीमतों को छोड़कर बाकी लगभग सभी तेल- तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि पंजाब और हरियाणा की मंडियों में बिनौला फसल आना शुरू होने से बिनौला तेल कीमतें पूर्ववत बनी रहीं। अब जल्द ही मंडियों में मूंगफली और सोयाबीन की फसलें भी आ जाएगी। सूत्रों ने कहा कि इस बार राजस्थान और गुजरात में मूंगफली की फसल अच्छी है और नयी फसल आने के बाद 15-20 दिन में मूंगफली के भाव भी टूटने के आसार हैं। बाजार सूत्रों ने कहा कि तेल-तिलहन बाजार टूटने से तेल उद्योग, तेल आयातक और सोयाबीन के कारोबारियों की हालत पस्त है। सूत्रों ने कहा कि तेल आयातकों द्वारा बैंकों से लिया गया हजारों करोड़ रुपये का कर्ज का डूबना लगभग तय है। आयातकों को बैंक ऋण का ब्याज और माल रखने का किराया अलग से भरने का भी बोझ उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि

पिछले साल के मुकाबले सोयाबीन दाने के भाव लगभग आधे रह गये हैं। सूत्रों ने कहा कि पिछले साल का सरसों बाजार में नहीं खप पाया। इस बार भी भारी मात्रा में सरसों का रिफाइंड बनाये जाने के बावजूद यह पूरी तरह नहीं खप पाया है, तो आयातित तेलों के भाव बुरी तरह टूटे हुए हैं। दूसरी बात यह की तेल-तिलहन कीमतों में भारी गिरावट के बावजूद तेल कंपनियों के एमआरपी ऊंचे बने हुए हैं। सूत्रों ने कहा कि बिनौले की छिटपुट मांग के बीच नयी फसल की आवक शुरू होने से बिनौला तेल के भाव जस के तस बने रहे। गिरावट के आम रुख के बीच मांग कमजोर होने से सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, पामोलीन, सीपीओ के भाव भी नुकसान के साथ बंद हुए। सरसों तिलहन - 6,725-6,775 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली - 6895-7060 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,800 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली सॉल्वेंट रिफाइंड तेल 2,660 - 2,850 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 13,400 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 2,130-2,220 रुपये प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 2,160-2,275 रुपये प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी - 17,000-18,500 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 12,500 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 12,350 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 10,900 रुपये प्रति क्विंटल।

ग्राहकों को चुपचाप दी जा रही महंगाई की एक और डोज

ग्राहकों की जेब पर कैंची चला रहीं बड़ी-बड़ी कंपनियां

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। महंगाई की एक और डोज चुपचाप ग्राहकों को दी जा रही है। एक तरफ दैनिक उपभोग की तमाम वस्तुओं की पैकिंग में वजन घटा दिया गया तो दूसरी तरफ दाम भी बढ़ा दिए गए हैं। ग्राहकों की जेब पर कैंची चलाने का ये खेल बड़ी-बड़ी कंपनियां कर रही हैं। दो बड़े बिस्किट ब्रांड ने तो इससे भी एक कदम आगे जाकर पैकिंग में ही बेईमानी कर दी। यानी वजन घटने पर पैकेट का साइज छोटा न दिखे, इसके लिए बिस्किट को एक के ऊपर एक रखने के बजाय तिरछा रखना शुरू कर दिया है। ग्राहकों को बेवकूफ बनाने के इन तरीकों से कारोबारी भी परेशान हैं। शैम्पू बनाने वाली नामी गिरामी कंपनियों ने सारे नियम कानून ताक पर रख दिए। अजीबो

गरीब वजन के साथ ही रेट भी बढ़ा दिए। देश के सबसे बड़े ब्रांड्स में एक प्रीमियम शैम्पू ब्रांड की पैकिंग 704 एमएल, 192.5 एमएल, 325 एमएल, 340 एमएल, 180 एमएल और 190 एमएल में आ रही है। इसी के साथ रेट भी एक साल में 40 फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। ऐसे ही सावुन 100 ग्राम की जगह 75 ग्राम के रह गए और रेट 16 रुपये से बढ़कर 22 रुपये कर दिए। रेट बढ़ाने, वेट घटाने की प्रैक्टिस में तेजी खास तौर पर कोविड काल में आई। अब तो शायद ही कोई उत्पाद बचा हो, जिसके वजन व पैकिंग में हर तीसरे महीने बदलाव न होते हों। 15-20 ग्राम की कटौती के बावजूद पैकिंग का साइज न घटने से साफ है कि कहीं न कहीं खोट है। -अश्विनी कोहली, रीटेल डिपार्टमेंटल स्टोर चेन के एमडीआंखों में धूल झोंकने का यह फार्मूला दो-चार वस्तुओं पर नहीं बल्कि दैनिक दिनचर्या से जुड़ी हर चीज में लागू हो रहा है। वजन कम करके कीमत बढ़ाने के इस फॉर्मूले से लागत बढ़े बिना मुनाफे में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इसे देसी और विदेशी सभी कंपनियों ने लागू कर दिया है। टूथपेस्ट, माउथ फ्रेशनर, साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट, दूध, दही, ब्रेड, शैम्पू...ऐसी कोई चीज नहीं बची जिसके रेट और वेट पर असर न पड़ा हो। कहा जा रहा है कि रूस-यूक्रेन जंग और डॉलर की तेजी से महंगाई बढ़ी पर हकीकत कुछ और है। वजन कटौती और कीमतों में वृद्धि से जुड़े सवाल पूछने के बाद इस्तीफा देने का मजबूर एक एमएनसी के अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने अपने 16 उत्पादों के दाम रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान बढ़ाने शुरू किए थे। फिर वजन घटाना शुरू किया। डेढ़ महीने पहले घटे वजन वाले उत्पादों की कीमतें फिर बढ़ा दीं। इस तरह उत्पाद दो साल में 35 महंगें हो गए।

'मीडिया वाले किसी की हवा बिगाड़ देते हैं'

कांग्रेस अध्यक्ष के सवाल पर बोले सीएम अशोक गहलोत

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस के राष्ट्रीय बनने के सवाल पर कहा कि सभी कांग्रेसी चाहते है कि राहुल गांधी कांग्रेस का अध्यक्ष बनें। पूरे देश के कांग्रेस जन चाहते हैं कि राहुल गांधी अध्यक्ष बनें और उनके नेतृत्व के अंदर कांग्रेस एकजुट है आज भी, कल भी थी, कल भी रहेगी। उनको ये जिम्मेदारी लेनी चाहिए हम सबकी मांग है। सीएम गहलोत ने कहा- मेरा नाम चलता है तो मीडिया वाले चलाते रहते हैं। पहले से ही चलाते रहते हैं। मीडिया वाले किसी हवा बना देते हैं। किसी की बिगाड़ देते हैं। ये ही काम है मीडिया का। भाजपा के आरोपों पर सीएम गहलोत ने कहा कि बीजेपी की परवाह करते तो हमारी यात्रा निकलती नहीं। हम तो अपनी बात करते हैं। उदयपुर चिंतन शिविर में भारत जोड़ो यात्रा निकालने का निर्णय लिया था। उदयुपर घोषमा पत्र के आधार पर सभी कांग्रेस जनों ने मिलकर तय किया जोड़ो-जोड़ो भारत जोड़ो। एसएस सुब्बाराव नारे लगाते थे। आज वो हमारे बीच में नहीं रहे। उदयपुर में जो प्रोग्राम बना था। उसके लिए राहुल गांधी निकल पड़े हैं। हम रुकने वाले नहीं है। साढ़े तीन हजार किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा है।

राज्यों में आप देखेंगे। सब जगह जज्बा ऐसा ही मिलेगा। लोगों में जो भाव है। देश के अंदर। माहौल है। डर के मारे लोग बोल नहीं रहे हैं। परंतु बोलेंगे लोग।

हिंसा और तनाव की राजनीति से लोग तंग आ गए

सीएम गहलोत ने कहा कि कल राहुलजी ने कहा मेरी दादी की हत्या हो गयी पर देश एक रहा, मेरे पिता की हत्या हो गई गुस्से के-नफ़रत के कारण से, मैं चाहता हूं देश बचे घृणा से, डर से और एकजुट रहे इसीलिये मैं इस यात्रा पर निकल रहा हूं। इतनी बड़ी बात कही है पूरा देश समझ रहा है,जो हुकूमत कर रहे हैं वो नहीं समझ पा रहे।का शानदार आगाज़ हुआ है, देशभर के लोग आए हैं, जिस मकसद से निकले हैं राहुल गांधी जी पूरे देश के लोगों का ध्यान उस तरफ गया है क्यूंकि देश के अंदर प्यार, मोहब्बत, भाईचारा सब चाहते हैं और ये जो नफ़रत की, तनाव की, हिंसा की राजनीति शुरू हो गयी है उससे लोग तंग आ गए हैं।

सीएम गहलोत ने कहा कि मोदी जी की गवर्नमेंट का, चाहे कोरोना के बारे में बोले हों सलाह के रूप में, चाहे चाइना के बारे में बोले हों हर बात में मुकाबला राहुल जी ही कर रहे हैं। बेरोजगारी, महंगाई, हर विषय पर बोलने वाला एकमात्र कोई नेता है देश में उसका नाम राहुल गांधी है। राहुल जी एक इतिहास बनाने के लिए निकले हैं। पहले वो अहमदाबाद में साबरमती आश्रम गए थे सत्य और अहिंसा का सन्देश लेकर उन्होंने प्रारम्भ किया। यात्रा में जो रेस्पोंस मिला है वो एक्स्ट्राऑर्डिनरी है। राहुल जी की यात्रा प्यार, भाईचारे, मोहब्बत का सन्देश देगी।

उपराष्ट्रपति धनखड़ के पर्सनल दौरे के पॉलिटिकल मायने

शेखावाटी को साधने की कोशिश में भाजपा क्योंकि 21 में 18 सीटें कांग्रेस के पास

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति बनने के बाद जगदीप धनखड़ गुरुवार को पहली बार धनखड़ झुंझुनूं जिले में स्थित अपने गांव किठाना आए। उपराष्ट्रपति धनखड़ भले ही अपने पैतृक गांव आए हैं, लेकिन ये दौरा व्यक्तिगत के साथ-साथ राजनीतिक भी है।

धनखड़ ने किठाना गांव पहुंचते ही आराध्य बालाजी के मंदिर में धोक लगाई। वे जब भी गांव जाते हैं, तब इस मंदिर में जरूर पूजा करते हैं। धनखड़ सालासर बालाजी और खाटूश्यामजी मंदिर में भी धोक लगाएंगे।

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि धनखड़ के दौरे का मैसेज पूरे शेखावाटी में जाएगा। भाजपा इस दौरे के जरिए जाट वोट बैंक को साधने की कोशिश करेगी। इस दौरे को अगले विधानसभा चुनाव की तैयारियों की नींव माना जा रहा है। तर्क ये भी है कि धनखड़ की विजिट भाजपा का माहौल बनाने में मदद करेगी।

जाट वोट बैंक साधने की कोशिश

भाजपा ने जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनकर राजस्थान के जाट वोट बैंक को साधने का प्रयास किया।

राजस्थान की 200 विधानसभा सीटों में से सीधे तौर पर 60 सीटें ऐसी हैं, जहां जाट वोट बैंक निर्णायक साबित होता है। इन सीटों में शेखावाटी क्षेत्र की सीटें भी शामिल हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राजस्थान में जाट वोट बैंक करीब 12 प्रतिशत है। राजस्थान में जाट समाज के सबसे अधिक विधायक हैं। ऐसा पहली बार नहीं, पिछले कई विधानसभा चुनावों से राजस्थान में ये ट्रेंड है। इस बार करीब 43 विधायक जाट समाज से हैं। कांग्रेस और भाजपा, दोनों ही पार्टियां शेखावाटी का राजनीतिक महत्व समझती हैं। यही नहीं जाट वोट बैंक के भी मायने जानती हैं।

दोनों ही पार्टियों ने अपने प्रदेश अध्यक्ष शेखावाटी से ही चुने हुए हैं और दोनों ही जाट समाज से ताल्लुक रखते हैं। कांग्रेस के गोविंद सिंह डोटासरा सीकर जिले की लक्ष्मणगढ़ सीट से विधायक हैं। वे इस सीट से लगातार तीसरी बार जीत रहे हैं। इधर, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया भी मूलतः चूरू जिला निवासी हैं। हालांकि वे पिछले विधानसभा चुनाव जयपुर की आमेर सीट से विधायक बने।

भाजपा नेताओं का कहना है कि धनखड़ के दौरे से पार्टी को फायदा होगा। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पार्टी ने उन्हें चुनकर जाट समाज को साधा है। धनखड़ आरएसएस से जुड़े रहे हैं। धनखड़ के चुने जाने के बाद अगले चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस को यहां से बड़ी चुनौती पेश की है। राजनीति के जानकारों का कहना है कि कांग्रेस में विधायकों की नाराजगी और शेखावाटी में जाट समाज में प्रभाव रखने वाले धनखड़ को संवैधानिक पद पर बैठाने से भाजपा को लाभ मिल सकता है।

दो बाइक की भिड़ंत, मरने वाले चार में तीन एक ही परिवार के थे

अजमेर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर में देर रात दो बाइक आपस में टकरा गए। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। इनमें एक बाइक सवार लक्ष्मण गुर्जर पत्नी कमलेश को ससुराल से लेकर आ रहा था। उसके साथ बहन लक्ष्मी और भांजी खुशी भी थी।

दूसरी बाइक पर गणेश दो रिश्तेदारों के साथ मेला देखकर लौट रहा था। हादसे में लक्ष्मण, लक्ष्मी, खुशी और गणेश की मौत हो गई। वहीं घायलों को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। ढिगारिया निवासी निवासी लक्ष्मण गुर्जर बाइक पर पत्नी, बहन लक्ष्मी और चार माह की भांजी खुशी को बिठाकर ला रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया। जिसमें पत्नी कमलेश घायल हो गई। वहीं तीन लोगों की मौत हो गई। पांच माह पहले ही लक्ष्मण की शादी हुई थी।

दूसरी बाइक पर सवार अजमेर के छापरी निवासी गणेश पुत्र जगदीश भील (25), रमेश पुत्र नोरत भील और प्रधान पुत्र रामधन भील मेला देखकर लौट रहे थे। इसमें गणेश की मौत हो गई, जबकि रमेश व प्रधान घायल हो गए। मृतक गणेश के एक साल का बेटा है। वहीं पत्नी गर्भवती है। कमलेश पत्नी लक्ष्मण और गणेश के दोस्तो का इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना मिलने पर केकड़ी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम शर्मा, सरवाड़ उपखंड अधिकारी सुभाष चंद्र हेमानी, तहसीलदार राम कल्याण मीणा मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

बांग्लादेश की पीएम बनने के बाद चौथी बार अजमेर पहुंचीं शेख हसीना, दरगाह में की जियारत

अजमेर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना चार दिवसीय भारत दौरे पर हैं। गुरुवार को वे राजस्थान आईं, जहां उन्होंने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर जियारत की। उन्होंने दरगाह पर मखमली चादर और अकीदत के फूल पेश किया। इसके साथ उन्होंने दोनों मुल्कों के बीच आपसी प्रेम और भाईचारे के लिए दुआ किया। शेख हसीना विशेष विमान से दिल्ली से जयपुर पहुंची, जहां एयरपोर्ट पर शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने उनका स्वागत किया। उनके साथ सौ सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल भी आया हैं। जयपुर एयरपोर्ट पर कालबेलिया डांस के कलाकारों ने शेख हसीना का डांस के साथ स्वागत किया। इसके बाद वे सड़क मार्ग से अजमेर के लिए रवाना हो गईं। अजमेर सर्किट हाउस में शेख हसीना का गार्ड

ऑफ ऑनर देकर सम्मान किया गया।

आज ढाका होंगी रवाना

अजमेर में जियारत करने के बाद उनके लंच का कार्यक्रम रखा गया है। शेख हसीना का शाम को करीब सवा छह बजे तक अजमेर से जयपुर लौटने का कार्यक्रम हैं। जयपुर एयरपोर्ट से शेख हसीना विशेष विमान से ढाका के लिए रवाना होंगी। विशेष प्रोटोकॉल के तहत बांग्लादेश की पीएम को जयपुर से अजमेर के लिए रवाना किया गया। मुख्य मार्ग पर कोई परेशानी ना हो, इस के विशेष इंतेजाम किए गए हैं।

2017 में अजमेर आईं थी बांग्लादेश पीएम

बता दें कि शेख हसीना की यह ख्वाजा की दरगाह पर यह चौथी यात्रा है।

उनकी जियारत के समय दरगाह को सुरक्षा के लिहाज से पूरी तरह खाली करा दिया गया था। शेख हसीना इस दौरे से पहले 2017 में भी अजमेर दरगाह आई थीं।

नागौर की पॉक्सो कोर्ट ने 5 को सुनाई उम्रकैद की सजा

नाबालिग लड़की को सात साल बाद मिला न्याय

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। नागौर की पोक्सो कोर्ट ने 2015 में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पांच आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आईपीसी की धारा 376सी और 506 के तहत 20 साल कैद और 30,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई और धारा 366 के तहत 5 साल की कैद और 10,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई।

पुलिस अधीक्षक, नागौर, राम मूर्ति जोशी ने कहा कि 3 दिसंबर, 2015 को शिकायतकर्ता ने सदर थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कर आरोप लगाया कि उसकी भतीजी को रात में सोते समय इस्लाम और उसके साथियों ने अपहरण कर लिया था। वे अपने साथ एक लाख रुपये नकद, सोने की अंगूठी और चेन भी ले गए। उन्होंने बताया कि धारा 366ए और 363 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, महिला अपराध अनुसंधान प्रकोष्ठ

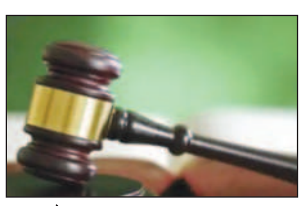

को सौंपी गई।

आरोपी इस्लाम खान (22), सद्दाम (22), सद्दाम हुसैन (23), फारूक (22) और सुभान खान (25) को आईपीसी की धारा 363, 366ए, 376 376 (2), 120बी और पोक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। जोशी ने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए मामला अधिकारी योजना के तहत चयन किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, महिला अपराध एवं अनुसंधान प्रकोष्ठ ताराचंद और पुलिस अधिकारी रूपाराम का गठन कर अभियुक्तों को कड़ी से कड़ी सजा सुनिश्चित करते हुए समय पर साक्ष्य एवं गवाहों को न्यायालय में पेश करने का निर्देश दिया गया था।

बुधवार को स्पेशल जज और पोक्सो कोर्ट नागौर ने पांच आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। इससे पहले भी 10 फरवरी को जयपुर की एक स्थानीय अदालत ने पिछले साल अगस्त में साढ़े चार साल की बच्ची से बलात्कार और हत्या के मामले में 25 वर्षीय व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई थी।

अक्टूबर 2021 में अजमेर की पॉक्सो अदालत ने दो अलग-अलग मामलों में दो लोगों को मौत की सजा सुनाई थी। 26 अक्टूबर को सुरेंद्र उर्फ संतू को 11 साल की बच्ची के साथ बलात्कार और हत्या के जुर्म में मौत की सजा सुनाई गई थी। 22 अक्टूबर को अदालत ने दिनेश जाट (26) को 7 साल की बच्ची से बलात्कार और हत्या के मामले में मौत की सजा सुनाई।

युवती ने दोस्त का रस्सी से गला घोंटा

दो दिन से थी गायब, पाली जाकर परिचित को बताया मर्डर कर दिया

अजमेर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। एक युवती ने अपनी ही दोस्त का रस्सी से गला घोंटकर मर्डर कर दिया। हत्या के बाद वह पाली अपने परिचित के यहां चली गई। बुधवार रात जब परिचित को बताया तो वह हैरान रह गया। परिचित ने गुरुवार सुबह पुलिस को कॉल कर कमरे में लाश पड़ी होने की जानकारी दी। पुलिस ने गेट खोला तो युवती का शव पड़ा था। हत्या का कारण रुपए का लेन-देन बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी युवती को पाली से डिटेन कर लिया है। मामला अजमेर के रामगंज थाने के अजय नगर का है।

जानकारी के अनुसार 32 साल की ज्योति क्लॉक टावर थाना के उसरी गेट रावण की बगीची में पिता रमेश चंद धानका के साथ रहती थी। ज्योति और रामगंज थाना के अजय नगर में रहने वाली अनुराधा (36) दोनों दोस्त थी। ज्योति 6 सितंबर को सुबह 11 बजे से गायब हो गई थी।

रमेश चंद ने क्लॉक टावर थाने में बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया- बेटी मंगलवार सुबह 11 बजे जॉब पर जाने की कहकर निकली, लेकिन लौटी नहीं है। उसकी स्कूटी और मोबाइल भगवान गंज में मिले। मामले की जांच एसआई दयानंद शर्मा कर रहे थे।

इस बीच रामगंज थाना पुलिस को अजय नगर में कमरे में लाश पड़ी होने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो लाश ज्योति की निकली। रामगंज थाना प्रभारी सतेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि अनुराधा ने ज्योति का रस्सी से गला घोंटकर मार डाला। जहां मर्डर हुआ वह अनुराधा का ही मकान है।

घटना के बाद अनुराधा मकान के ताला लगा पाली चली गई। यहां एक परिचित के ठहरी थी। बुधवार रात उसने परिचित को इस घटना के बारे में बताया कि तो वह चौंक गया। परिचित ने गुरुवार सुबह 9 बजे रामगंज थाने में कॉल कर घटना के बारे में बताया।

दोनों करती थी ब्याज का काम, लेन-देन में हत्या

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ज्योति और अनुराधा दोनों ही ब्याज पर पैसे देने का काम करती थी। यह भी सामने आया कि रुपए के लेन-देन को लेकर अनुराधा ने ज्योति की हत्या की है। ज्योति अपने पिता के साथ रहती थी। जबकि अनुराधा अकेली ही रहती थी। उसके पहले पति की मौत हो गई थी। इसके बाद दूसरी शादी की थी, लेकिन पति और दो बच्चे अनुराधा से अलग ही रहते थे।

अध्यक्ष चुनाव से पहले कांग्रेस में खींचतान

पायलट खेमा एक्टिव, एससी आयोग अध्यक्ष से शुरुआत, शक्ति प्रदर्शन में सियासी संकेत

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अक्टूबर में चुनाव होने हैं, लेकिन 22 सितंबर तक यह क्लियर हो जाएगा कि अध्यक्ष पद के लिए कौन-कौन दावेदार हैं। इधर, इन चुनाव से पहले राजस्थान कांग्रेस में सियासी हलचल शुरू हो गई है।

सियासी संकट के दौरान सचिन पायलट के साथ रहे समर्थक अब फिर से उन्हें सीएम बनाने की मांग करने लगे हैं। दो साल से बिना कोई पद काम करते रहने का तर्क देकर वे बार-बार पायलट के समर्थन में अब खुले मंच से बयान भी देने लगे हैं।

पायलट के जन्मदिन से एक दिन पहले जयपुर में जुटी समर्थकों की भीड़ ने भी कई सियासी संकेत दिए हैं। समर्थक विधायकों ने भी अब खुले तौर पर पायलट के पक्ष में आवाज उठाना शुरू कर दिया है।

पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद पायलट की अगली भूमिका पर फैसला होने की संभावना जताई जा रही है। इससे पहले राजस्थान कांग्रेस में सचिन पायलट और सीएम अशोक गहलोत के खेमों के बीच सियासी वार पलटवार का दौर शुरू हो गया है।

पिछले साल भर में गहलोत-पायलट खेमों के बीच सियासी हमले और वार-पलटवार जारी है। इस खेमेबंदी के अब और तेज होने के आसार बन रहे हैं क्योंकि दोनों ही खेमे अपने स्टैंड पर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

विधायकों को साधने की कोशिश कांग्रेस में सरकार से नाराज विधायकों को साधकर अपनी तरफ करने के लिए पायलट खेमा लगातार कोशिश कर रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने समर्थक विधायकों पर अब तक पकड़ बनाकर रखी है और अब तक राज्यसभा चुनाव से लेकर वोटिंग का जो भी मौका आया उस पकड़ को साबित भी किया है।

इधर, पायलट समर्थक और कुछ रणनीतिकारों की राय है कि विधायकों का समर्थन हाईकमान के इशारे पर निर्भर करता है, इसलिए हाईकमान जिसे कमान देगा पार्टी के विधायक उधर ही होंगे। हालांकि, राजस्थान के संदर्भ में इसे टेस्ट करना बाकी है।

सबसे बड़ा दांव सरकार रिपीट पर, इस मुद्दे पर भी बहस

सचिन पायलट और उनके

समर्थक नेता राजस्थान में 1989 के चुनावों के बाद सरकार रिपीट नहीं होने के मुद्दे को जोर शोर से उठा रहे हैं। सचिन पायलट ने पिछले दिनों ही बयान दिया था कि उनका मकसद राजस्थान में सरकार रिपीट करना है।

कई राज्यों में कांग्रेस सरकार रिपीट हुई है तो राजस्थान में क्यों नहीं हो सकती। बचे हुए समय में हमें कुछ अलग करना होगा। पायलट के इन बयानों को सीएम फेस की मुहिम से ही जोड़कर देखा जा रहा है। गहलोत के सीएम रहते अब तक दो बार चुनावों में कांग्रेस को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा है। पायलट कैंप इसी सियासी सच्चाई को बार बार उठाकर मुद्दा बना रहा है।

दो साल से पायलट के पास सत्ता-संगठन में कोई पद नहीं

सचिन पायलट खेमे की जुलाई 2020 में हुई बगावत के बाद से उन्हें डिप्टी सीएम और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के पद से बर्खास्त कर दिया था। तब से लेकर अब तक उनके पास पार्टी और सरकार में कोई पद नहीं है। सुलह कमेटी की रिपोर्ट का हवाला देकर सचिन समर्थक अब उन्हें पद देने की मांग उठा रहे हैं। राजस्थान में 14 महीने बाद चुनाव है, कांग्रेस के पास विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में अच्छी सीटें लेकर आने की जबर्दस्त चुनौती है। इसी फैक्टर का हवाला देकर अब सचिन पायलट को जिम्मेदारी दिए जाने की मुहिम शुरू की गई है। सचिन पायलट खुद और उनके खेमे के नेता लगातार सक्रिय है, पायलट समर्थक नेता इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि जल्द हाईकमान उन्हें जिम्मेदारी देगा। सचिन पायलट ने पिछले कुछ महीनों से लगातार विधायकों से मुलाकात की है।

गोपनीय तरीके से हुई इन मुलाकातों का सियासी मकसद बताया जा रहा है। विधायकों से लगातार मेल जोल बढ़ाने को समर्थन जुटाने से जोड़कर देखा जा रहा है। पायलट ने सियासी मंचों से लगातार सरकार रिपीट करने की दिशा में काम करने की जरूरत का मुद्दा उठाया है।

सतीश पूनिया की सियासी यात्रा पर ब्रेक

आखिर क्यों ऐन मौके पर रोकी गई

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अगले साल विधानसभा चुनाव है। ऐसे में सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। प्रदेश में भाजपा नेताओं की सियासी यात्राएं भी शुरू हो गई है। इसी बीच सतीश पूनिया, गजेंद्र सिंह शेखावत और कैलाश चौधरी की सियासी यात्रा खासी चर्चा में है क्योंकि इस पर आलकमान ने ब्रेक लगा दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया मंगलवार को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कैलाश चौधरी के साथ जैसलमेर में रुणिचा जन आशीष यात्रा पर निकलने वाले थे। इसकी तैयारी भी हो गई थी लेकिन यात्रा के दो दिन पहले इसे रोक दिया गया। सतीश पूनिया ने ट्वीट के जरिए यात्रा को स्थगित करने की जानकारी दी। उन्होंने अपने ट्वीट में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष को टैग भी किया। दूसरी ओर गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी यात्रा को लेकर ट्वीट किया। यात्रा को रोके जाने के पीछे राजस्थान में अमित शाह के दौरे से जोड़कर देखा जा रहा है। सभी भाजपा नेता और कार्यकर्ता शाह के दौरे को सफल बनाने में लगे हैं। सियासी गलियारों में चर्चा तेज है कि पूनिया की यात्रा शाह के दौरे से पहले खत्म हो जाती, ऐसे में आखिर क्यों भाजपा आलाकमान ने यात्रा रोक दी। रणिचा यात्रा के लिए कार्यकर्ताओं ने खूब तैयारी की थी। उनकी तैयारी धरी रह गई। कार्यकर्ता पोकरण भी पहुंच गए थे, ऐसे में उन्हें निराशा हाथ लगी है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर सतीश पूनिया को क्यों रोका गया या पूनिया को डर था कि जोधपुर कार्यक्रम उनके हाथ से निकल जाएगा। इसीलिए पूनिया ने खुद यात्रा स्थगित कर दी।

करौली में धारा 144 लागू

त्योहारी सीजन और राजनीतिक कार्यक्रम को देखते हुए लगाई पाबंदी

करौली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। करौली में दो अप्रैल को नव संवत्सर बाइक रैली पर हुए पथराव के बाद हिंसा हो गई थी। ऐसे में अब त्योहारी सीजन को देखते हुए जिला प्रशासन ने चार नवंबर तक जिले में धारा 144 लागू कर दी है। आगामी त्योहारी सीजन सहित धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार करौली जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट अंकित कुमार सिंह ने आदेश जारी किया। आदेश में बताया गया है कि जिले में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने, कानून व्यवस्था बहाल करने के उद्देश्य, धार्मिक आयोजनों, राज्य स्तरीय और तात्कालिक मुद्दों के मद्देनजर जिले में तत्काल प्रभाव से धारा 144 लागू की है।

धौलपुर में 24 घंटे में तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ा

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अभी मानसून विदा नहीं हुआ, लेकिन बारिश का सिलसिला धीमा पड़ने से गर्मी के तेवर तेज हो गए है। पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो प्रदेश के 14 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है। सबसे ज्यादा 7.4 डिग्री सेल्सियस तक तापमान धौलपुर में बढ़ा है। प्रदेश के 4 शहरों को छोड़ दें तो सभी जिलों में दिन का तापमान कल 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ही रहा। दिन ही नहीं बल्कि रात में तापमान बढ़ने से लोग परेशान हैं। मौसम विभाग ने 11 सितंबर से गर्मी से राहत मिलने की संभावना जताई है। जयपुर मौसम केन्द्र से मिली रिपोर्ट के मुताबिक पिछले अजमेर, जयपुर, कोटा, उदयपुर, अलवर, फलौदी में 1 से 1.5, सीकर,

जयपुर, जोधपुर में रात को सताने लगी गर्मी, 3 दिन बाद बरेंसेगे बादल

जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, बांसवाड़ा, नागौर 2, जालौर में 3 डिग्री सेल्सियस तक तापमान बढ़ा है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी धौलपुर जिले में हुई, जहां 24 घंटे में अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 39 डिग्री पर पहुंच गया। बीकानेर, चूरू में भी दिन का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस बीकानेर का रहा। वहीं जयपुर, जोधपुर, गंगानगर, टोंक, बांसवाड़ा समेत कुछ शहरों में रात का न्यूनतम तापमान भी 27 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने लगा है।

कालोजी का साहित्य तेलंगाना की बोली, भाषा और अभिव्यक्ति का प्रतीक : केसीआर

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि हमेशा दूसरों की भलाई के लिए तरसने वाले प्रजाकवि कालोजी का साहित्य तेलंगाना की बोली, भाषा और अभिव्यक्ति का प्रतीक है। 9 सितंबर को पद्मविभूषण कालोजी नारायण राव की जयंती के उपलक्ष्य में सीएम केसीआर ने प्रख्यात साहित्यकार को याद किया। सीएम ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता और कवि के रूप में कालोजी की सेवाएं सराहनीय हैं।

सीएम ने कहा कि तेलंगाना भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार में उनके प्रयासों के सम्मान में राज्य सरकार कलोजी के जन्मदिन को "तेलंगाना भाषा दिवस" के रूप में मना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि साहित्य और भाषा के क्षेत्र में विशेष सेवाएं प्रदान करनेवाले साहित्यकार, लेखक और कवियों को राज्य सरकार 'कालोजी नारायण राव' के नाम से विशेष पुरस्कार प्रदान कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जानेमाने कवि और इतिहासकार रामोजू हरगोपाल को इस वर्ष कालोजी पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी। सीएम केसीआर ने कहा कि जन्म तुम्हारा है, मृत्यु तुम्हारी है, सारा जीवन देश के लिए है, कहने वाले कालोजी के प्रेरणा से आगे बढ़ते हुए देश में तेलंगाना राज्य की विकास और कल्याण के लिए समर्पण के साथ काम कर रहें हैं।

संबाशिव राव चुने गए तेलंगाना के नये भाकपा सचिव

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुनामनेनी संबाशिव राव को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के तेलंगाना राज्य सचिव के रूप में चुना गया है। पद के लिए दो पूर्व विधायक दावेदारों के बीच कड़े मुकाबले के बाद चुने गए। हैदराबाद के बाहरी इलाके शमशाबाद में आयोजित राज्य सम्मेलन के दौरान देर रात चुनाव के बाद परिणाम घोषित किया गया। जबकि नए सचिव के सर्वसम्मति से चुनाव की उम्मीद थी, संबाशिव राव और पल्ला वेंकट रेड्डी दोनों के दावे के बाद एक प्रतियोगिता अपरिहार्य हो गई। हाई ड्रामा के बीच हुए चुनाव में संबाशिव राव को 59 वोट मिले जबकि वेंकट रेड्डी को 45 वोट मिले। कोत्तागुडेम के एक पूर्व विधायक, संबाशिव राव पिछली राज्य समिति में सहायक के रूप में कार्यरत हैं। 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद, चाडा वेंकट रेड्डी ने दो कार्यकाल के लिए राज्य सचिव के रूप में कार्य किया। पार्टी के नियमों के अनुसार, एक नेता तीन कार्यकाल के लिए पद धारण कर सकता है। वह तीसरे कार्यकाल के लिए सचिव के रूप में बने रहने के इच्छुक थे। हालांकि, संबाशिव राव ने जोर देकर कहा कि उन्हें इस बार मौका दिया जा सकता है।

चड़ा वेंकट रेड्डी ने अपना विचार व्यक्त किया था कि वह तीसरी बार जिम्मेदारी स्वीकार करेंगे, यदि वे सर्वसम्मति से चुने गए। उन्होंने घोषणा की कि प्रतियोगिता के मामले में वह दौड़ से हट जाएंगे। एक अन्य पार्टी नेता पल्ला वेंकट रेड्डी ने भी इस पद के लिए दावा पेश किया, जिससे एक प्रतियोगिता अपरिहार्य हो गई। चड़ा वेंकट रेड्डी ने कथित तौर पर पल्ला वेंकट रेड्डी की उम्मीदवारी का समर्थन किया। इससे मुकाबला दिलचस्प हो गया। हालांकि, संबाशिव राव 14 मतों के बहुमत के साथ गहन रूप से लड़ी गई लड़ाई में विजयी हुए।

वीएच ने तेलंगाना राज्यपाल की आलोचना की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व पीसीसी अध्यक्ष वी. हनुमंत राव ने आज राज्य की राज्यपाल तमिलसाई सुंदरराजन की आलोचना की और दावा किया कि राज्यपाल की नियुक्ति के तीन साल बाद भी राज्य में असहाय स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

राज्यपाल द्वारा उनकी समस्याओं को उजागर करने के लिए लगातार मीडिया से बातचीत का उल्लेख करते हुए, वीएच ने सोचा कि उन्हें अपनी समस्याओं के बारे में किसे बताना चाहिए? उन्होंने कहा कि एक तरफ राज्यपाल प्रजा दरबार के कार्यक्रम कर रही हैं तो दूसरी तरफ निराशाजनक तरीके से बोल रही हैं। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, वीएच ने कहा कि राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच तनातनी के कारण राज्य के लोगों को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या तेलंगाना में कोई सरकार है? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा नेताओं की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कि वे मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को बहुत जल्द सलाखों के पीछे डाल देंगे, उन्होंने मजाक उड़ाया कि भाजपा नेताओं ने अभी तक किसी भी घोटाले में सीएम को गिरफ्तार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पंजागुट्टा चौराहे पर डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के उनके पत्रों की अनदेखी कर रही है, हालांकि वह पिछले तीन वर्षों से पत्रों को संबोधित कर रहे हैं।

यह कहते हुए कि सिटी पुलिस ने अंबेडकर की मूर्ति को लॉकअप में रखा है, वीएच ने कहा कि वह जल्द ही इस मुद्दे पर सभी सांसदों को एक खुला पत्र लिखेंगे। उन्होंने नए संसद भवन के बारे में बात करते हुए मांग की कि केंद्र सरकार इसका नाम डॉ बीआर अंबेडकर के नाम पर रखे।

तेलंगाना में भाजपा को मजबूत करने के लिए केसीआर जिम्मेदार : भाकपा

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ. के. नारायण ने आज सनसनीखेज टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव राज्य में भाजपा को मजबूत करने के लिए जिम्मेदार हैं। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, भाकपा नेता ने केसीआर को अपने राजनीतिक सहयोगी एआईएमआईएम पार्टी की ब्लैकमेलिंग राजनीति से बाहर आने के लिए कहा।

उन्होंने आरोप लगाया कि एआईएमआईएम के साथ टीआरएस की दोस्ती के कारण भाजपा को राज्य में मजबूती मिली है। यह कहते हुए कि केसीआर एमआईएम पार्टी के कंधों पर बंदूक रखकर गोली चलाने की कोशिश कर रहे थे, उन्होंने कहा कि यह सीएम के लिए सही तरीका नहीं है और कहा कि इस तरह के तरीके भाजपा को और मजबूत करेंगे और लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा करेंगे। 17 सितंबर को राष्ट्रीय एकता दिवस आयोजित करने के सीएम केसीआर के फैसले के बारे में बात करते हुए, नारायण ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय एकता दिवस के नाम पर तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष के इतिहास को विकृत करने का प्रयास किया जा रहा है। यह स्पष्ट करते हुए कि वे एकता दिवस समारोह के खिलाफ नहीं हैं, उन्होंने कहा कि कम्युनिस्टों ने तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केबीआर पार्क में गणेश पूजा के 9वें दिन आयोजित विशेष कार्यक्रम में भाग लेते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, राहुल सिंघल, सुचिता रेड्डी, राधाराज भट्ट, जयदेव, विश्वनाथ यादव, कृष्ण, नरेश अग्रवाल, गिरीश गुप्ता, रतीश, पंडित रामनिवासजी शर्मा, राजेंद्र कुमार गुप्ता, टीना अग्रवाल।

मशहूर अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज निखत जरीन का सम्मान किया गया

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एवी कॉलेज, दोमलगुड़ा द्वारा अपने कॉलेज की विद्यार्थी रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाली निखत जरीन का विशेष सम्मान किया गया।

तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष अलीपुरम वेंकटेश्वर रेड्डी ने कहा कि देश का सभी क्षेत्रों में विकास तभी होगा जब युवा शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को प्रेरणा देने वाले युवा एथलीट उन्हें प्रेरणा के रूप में लें और खेल के क्षेत्र में योजनाओं को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें। जरीन ने 13 साल की उम्र में बॉक्सिंग शुरू की थी, एवी कॉलेज में पढ़ाई की और कई चैंपियनशिप जीती। उन्होंने कहा कि जरीन ने हाल ही में भारत के लिए एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था। इस अवसर पर कॉलेज की कारेंस्पांडेंट डॉ. के. गौतमी, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीएच राजलिंगम, के. विनोद रेड्डी, वाइस प्रीत्सिपल डॉ. पद्मा, पीजी निदेशक डॉ. भगवंत रेड्डी, तेलंगाना नागरिक परिषद के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज, सी. जयराम रेड्डी, कॉलेज के भौतिक विभागाध्यक्ष वेंकन्ना, अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी कोच दुर्गा प्रसाद, प्रो राजेश कुमार, भास्कर रेड्डी मौजूद थे। इस अवसर पर एनसीसी एनएसएस के खेल छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और निकहत जरीन को शॉल माला पहनाकर सम्मानित किया।

भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवंत राव, जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल ने बेगमपेट हवाई अड्डे पर असम के सीएम हिमंत बिस्वा शर्मा का स्वागत किया।

अत्तापुर में माथुर वैश्य भाग्य नगर मीटिंग का आयोजन सीता प्रदीप के यहां किया गया। इसमें माथुर वैश्य दर्पण प्रभारी सपना गुप्ता के बनने पर पूष्पा गुप्ता, रचना ने स्वागत किया।

बेंगलूर में 18 सितम्बर को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय जाट संसद प्रवासी जाट अधिवेशन के लिए तेलंगाना जाट समाज के दूदाराम बाबल, हनुमान छिणंग, सतपाल ढाढिया, गोविन्द सांगुण, लिख्माराम खोखर को निमंत्रण देते हुए संयोजक रामावतार पलसानियां, पी.एस.कलवानियां व अन्य।

बेगमपेट में गीत चाँदनी का कवि सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गणेश चतुर्थी के पावन पर्व गीत चाँदनी के तत्वावधान में भारतीय स्टेट बैंक से हाल ही में सेवानिवृत्त सहायक महाप्रबंधक कवि रामदास कृष्णा कामत के आवास पर एक विशेष कवि सम्मेलन संपन्न हुआ। ऐसे मंगलमय वातावरण में गीत चाँदनी के कवि सम्मेलन में संस्कृत की विद्वान साहित्यकार डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, सुधा ठाकुर, रत्नकला मिश्र, शोभा देशपांडे, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, गोविंद अक्षय, रामदास कृष्णा कामत आदि कवियों ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कर ख़ूब वाहवाही लूटी।

चारमीनार मुख्य डाकघर में आयोजित गणेश पूजा में भाग लेते हुए पोस्ट मास्टर एन. पद्मजा, संदीप वेंकट रेड्डी, स्वामी रत्नाकर, राकेश रेड्डी, संपत चंदन, , पी. कृष्णा, डी. श्रीनिवास व अन्य।

श्री अक्कन्ना मदन्ना प्रार्थना हॉल, हरिबावली, शालिबंडा द्वारा गणेश जी की पूजा की गई। इसमें भाग लेते हुए मंदिर समिति के आयोजन सचिव एस.पी.क्रांति कुमार, सदस्य ए. सतीश कुमार, एम. विनोद कुमार, जी राजू, मंदिर के पुजारी गोपाल महाराज, सुधीर त्रिपाठी और स्थानीय भक्त।

आंध्र प्रदेश ने दलित महिलाओं के लिए 4700 करोड़ रुपये आवंटित किए

अमरावती, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश कैबिनेट ने वाईएसआर चेयुथा योजना के तहत 45 से 60 वर्ष की आयु वर्ग में एसटी, एससी, बीसी और अल्पसंख्यकों की महिलाओं के लिए 4700 करोड़ रुपये आवंटित करने का निर्णय लिया है। यहां हुई कैबिनेट की बैठक के बाद पत्रकारों को इसकी जानकारी देते हुए मंडल स्तर पर एक सप्ताह तक कार्यक्रम चलेगा, जिसमें महिलाएं शामिल होंगी। अन्य निर्णयों में ओबेरॉय समूह को 30.32 एकड़ का आवंटन, जल जीवन को लागू करने के लिए 4020 करोड़ रुपये के ऋण की खरीद शामिल है।

धूमधाम से दी गई बप्पा को विदाई, प्रशासन द्वारा रहा पुख्ता बंदोबस्त

भैंसा, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में नव दिन की भगवान गणेश की विशेष पूजा के बाद गुरुवार की सुबह सामूहिक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शहर में सबसे पहले भट्टी गल्ली मुन्नूर कापू संघम और ब्राह्मण गल्ली गोपाल कृष्णा मंदिर गणेश मंडल की गणेश पूजा मुख्य अथिति द्वारा की गई बाद शोभा यात्रा प्रारम्भ कीगई मुख्य अथिति एसपी प्रवीण कुमार, मुधोल विधायक जी. विट्ठल रेड्डी सहित हिन्दू उत्सव समिति सदस्य उपस्थित थे। मुन्नूर कापू संघम पर हिन्दू वाहिनी के सदस्य द्वारा मुख्य अथितियों का सन्मान किया गया। भगवान गणेश की आरती व सन्मान कार्यक्रम के पश्चात धूम धाम से शोभा यात्रा प्रारम्भ की गई। शहर में सुबह 8 बजे से शहर के छोटे बाल गणेश मंडली, विद्यालय सहित सभी घर से गणेश प्रतिमाओ की पूजा आरती कर विसर्जन किया गया। उन्होंने वहॉ बड़े गणेश प्रतिमा निमर्जन के लिए लगी क्रेन व अन्य सुविधा का निरिक्षण किया साथही क्रेन में चढ़कर गणेश निमर्जन किया। शहर में जगह जगह अन्न दान और जल की सुविधा की गई शहर में गाँधी गंज भट्टी गल्ली, किसान गल्ली, शिशुमंदिर पाठशाला, पुराना बाजार सहित कई जगह पर प्रसाद व जल वितरण किया गया। पुराना बाजार में हर वर्ष की तरह हिन्दू वाहिनी द्वारा गणेश मंडलियों के सदस्य का स्वागत सन्मान आयोजित किया गया। एएसपी किरण के नेतृत्व में गुरुवार को भैंसा में 500 पुलिसकर्मियों के साथ सुरक्षा के इतजाम किए गए। एक एसपी, 2 एएसपी, 3 डीएसपी, 10 सीआई, 30 एसआई, 400 एएसआई सहित जवान मौजूद रहे। कण्ट्रोल रूम से शहर के चप्पे चप्पे पर रही नजर खास पंजेशा चौक पर ड्रोन कैमरों से निगरानी कीगई जगह जगह सीसी कैमरा लगाया गया।

भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति द्वारा आगामी 9 सितंबर को विनायक सागर- टैंकबंड में भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन करने को लेकर किए जा रहे संघर्ष में मिली सफता पर भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के महामंत्री डॉ. भगवंत राव व अन्य को बधाई देते हुए अशोक फाउंडेशन संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल, अधिवक्ता करुणाकर व अन्य।

श्री मारवाड़ी गणेश उत्सव समिति, कोटी द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में दर्शन-पूजन करते हुए श्री रामदेव मित्र मंडल, सिकंदराबाद के अध्यक्ष गज्जुभाई कोलरीया, अशोक कलोरीया का सम्मान करते हुए गोविंद राठी, सुमित राठी व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

गायों को केले ...

कई साल से इसी नदी से कैटल स्मगलिंग हो रही है। नदी कहीं संकरी, तो कहीं चौड़ी है। कहीं बहाव तेज, कहीं कम। बारिश के बाद कुछ जगहों पर यह सूख भी जाती है। नदी क्रॉस कर कुछ कदम चलने पर बांग्लादेश लग जाता है। बॉर्डर का ज्यादातर हिस्सा ओपन है। कुछ ही हिस्से पर फेंसिंग लगी है। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स यानी बीएसएफ यहां तैनात है, पर एक ऑब्जर्वेशन पॉइंट पर दो ही जवान होते हैं। इन्हें आधा से एक किमी तक का एरिया संभालना होता है। ऐसे में तस्करी रोकना इनके लिए नामुमकिन सा है।

गायों को नदी पार कराने के लिए तस्कर केले के तने का इस्तेमाल करते हैं। गाय को तने में बांधकर पानी में फेंक दिया जाता है। नदी के उस पार पहले से मौजूद लोग इन्हें निकालकर बांग्लादेश ले जाते हैं।

तने को बीच से फाड़कर बछड़ों का मुंह उनमें फंसाया और नदी में फेंक दिया। जवानों की नजर उन पर पड़ गई तो वे उन्हें किनारे ले आए। रस्सी खोलकर उन्हें कैंप में रखा गया। अफसर ने बताया कि जानवरों की तस्करी रात में होती है। वक्त और जगह बदलती रहती है। कई बार दिन में भी तस्करी की कोशिश होती है। जब नदी में तेज बहाव होता है, तब तस्कर ज्यादा एक्टिव रहते हैं, क्योंकि उस वक्त निगरानी मुश्किल हो जाती है। जवान भी बॉर्डर पर नहीं रह पाते।

गांव के लोग नदी क्रॉस कर उस पार आसानी से चले जाते हैं। उनसे बात की तो बोले, खेती करने जाते हैं। यहां केला और जूट लगाया जाता है। इंटेलिजेंस ऑफिसर के मुताबिक, तस्कर ही गांव वालों से जूट और केले की खेती करवाते हैं, क्योंकि इनमें आसानी से छिपा जा सकता है। बदले में वे गांव वालों को पैसा देते हैं। पहले एक साथ बड़ी संख्या में गायें आती थीं। रात में तो हमारे जवान उन्हें रोक ही नहीं पाते थे, क्योंकि तस्करों की संख्या ज्यादा होती है और जवानों की कम। एक साथ डेढ़ से दो हजार गाय और उनके साथ 300 से 400 तस्कर। तस्कर गायों को भगाते-भगाते नदी में कुदा देते थे और आसानी से तैरते हुए उस पार निकल जाते थे। उनके पास बम और पिस्टल होती है। वे भीड़ में होते थे और हमला भी कर देते थे। 2018 से गायों की तस्करी कम है, लेकिन बछड़ों की डिमांड बढ़ गई है। इन्हें केले के तने में बांधकर नदी पार कराई जा रही है, ताकि वे पानी में न बहें। पता चला कि इस नेक्सस में तस्कर, पुलिस, कस्टम और बीएसएफ शामिल हैं।

बांग्लादेश की तरफ मौजूद लोगों के पास भारतीय कंपनियों की सिम होती है। नदी क्रॉस करने के बाद भी 3 से 4 किमी तक भारत का नेटवर्क आता है। वे लोग फोन के जरिए ही एक-दूसरे को सिग्नल देते हैं। भारत से भेजे गए गाय-बछड़े पर कुछ निशान बनाया जाता है। नदी के दूसरी तरफ खड़े लोगों को इस बारे में बता दिया जाता है। वह निशान पहचानकर उसे ले जाता है। जालंगी के घोषपाड़ा, रायपाड़ा, मुरादपुर, सरकारपाड़ा से भी तस्करी हो रही है। इन चार-पांच गांवों में करीब 3 हजार लोग रहते हैं। इनमें से करीब 200 लोग तस्करी गिरोह से मिले हुए हैं।

हर साल डेढ़ लाख गायों की स्मगलिंग :

गायों की कीमत साइज और तादाद के हिसाब से तय होती है। बड़ी गाय 30 हजार से 70 हजार रुपये तक में खरीदी जाती हैं। कोई मिडिलमैन किसानों से इन्हें खरीदता है। वह 15 से 20 हजार रुपये का कमीशन लेकर उन्हें तस्करों को दे देता है। बांग्लादेश में यह एक से डेढ़ लाख रुपये तक में बिकती है। ईद के समय तो कीमतें कई गुना बढ़ जाती हैं।

तस्करी कर लाई गई 100 में से 15-20 गाय-भैंस पकड़कर यह दिखाने की कोशिश होती है कि तस्करों को पकड़ा जा रहा है। इस बारे में जालंगी पुलिस स्टेशन के स्टाफ, बीएसएफ के जवान और अफसर ऑन रिकॉर्ड बात से परहेज करते हैं।

बीएसएफ के डीआईजी अमरीश आर्या, मुर्शिदाबाद जिले के एसपी के सबरी राज कुमार और जालंगी पुलिस स्टेशन के इंचार्ज ने कैटल स्मगलिंग पर कहा कि तस्करी तो हो रही है, लेकिन पहले से इसमें कमी आई है। अब कैटल से ज्यादा ड्रग्स की तस्करी हो रही है।

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से कैटल स्मगलिंग के अलावा ड्रग्स की तस्करी भी हो रही है। ड्रग्स तस्करी का रूट भी जालंगी से ही गुजरता है।

शमी को टीम में मौका ना देने से हारा भारत

कोच बोले-आईपीएल में जिसने अपनी टीम को चैंपियन बनाया, आप उसे बाहर कैसे कर सकते हैं

मोहम्मद शमी का T20I में प्रदर्शन

मैच- 17, विकेट-18, इकोनॉमी रेट 9.54

खेल डेस्क, 8 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2022 में टीम इंडिया फाइनल तक भी नहीं पहुंच पाई। भारत को पहले पाकिस्तान ने उसके बाद श्रीलंका ने मात दी। पूरे टूर्नामेंट में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम की सबसे कमजोर कड़ी उनकी गेंदबाजी रही। टीम के पास केवल 3 तेज गेंदबाज थे। वहीं, जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के बावजूद मोहम्मद शमी को टीम में शामिल नहीं किया गया। इस फैसले की हर तरफ आलोचना हो रही है। मोहम्मद शमी के कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी का भी मानना है कि एशिया कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए उनके शिष्य को नजर अंदाज करना भारतीय टीम को भारी पड़ा है। उन्होंने कहा, शमी ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम गुजरात को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे में जब बुमराह जैसे गेंदबाज चोटिल होने की वजह से टीम में नहीं थे, तो शमी जैसे अनुभवी गेंदबाज का नजर अंदाज करना उनके समझ से परे है। बिल्कुल एशिया कप में उनकी (मोहम्मद शमी) की कमी खल रही है। जब बुमराह टीम में नहीं थे, तो ऐसे उन्हें जरूर लेकर जाना चाहिए था। मैं मानता हूं कि टेस्ट मैच के लिए टीम मैनेजमेंट ने उन्हें तैयार रखा है, ताकि वह फिट रहें। पर परिस्थिति ऐसी थी कि आपके अनुभवी गेंदबाज बुमराह चोट की वजह से टीम से बाहर थे। ऐसे में आपको तब टीम में एक अनुभवी गेंदबाज को एशिया कप में मौका देना चाहिए था। अभी टीम के साथ जो भी बॉलर गए हैं। उनमें अनुभव की कमी नजर आ रही है। हम पाकिस्तान और श्रीलंका से जो मैच हारे हैं, उसकी मुख्य वजह हमारी गेंदबाजी रही है।

मैं यह नहीं कह सकता, लेकिन एक अनुभवी गेंदबाज टीम में होना ही चाहिए था। हम मोहम्मद शमी से उम्मीद कर सकते हैं। पूरे IPLमें उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की है। नई बॉल से लगातार टीम को विकेट लेकर देते रहे हैं। ऐसे में आप उन्हें कैसे नजर अंदाज कर सकते हैं।

मैं नहीं कह सकता कि टीम मैनेजमेंट क्या सोच रही है, लेकिन मैं मानता हूं कि नए लड़कों को चांस देना अच्छी बात है। इसकी तारीफ भी की जानी चाहिए। पर एशिया कप एक बड़ा टूर्नामेंट है। ऐसे में आपको उसको भी ध्यान में रखते हुए टीम का चयन करना चाहिए था। भुवनेश्वर कुमार भी पहले बहुत अच्छा नहीं खेल रहे थे। वो भी कुछ समय से ही बेहतर प्रदर्शन कर रह हैं। ऐसे में उनके साथ एक और अनुभवी बॉलर टीम के साथ होना चाहिए था।

शमी की न होने से पूरा लोड हार्दिक पंड्या पर पड़ गया। उसका नुकसान कहीं न कहीं उनके प्रदर्शन पर भी पड़ा। दूसरी ओर टीम मे शामिल अन्य बॉलर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। जिसकी वजह से हमें परेशानी का सामना करना पड़ा। आज स्थिति है कि हमें फाइनल में पहुंचने के लिए दूसरी टीमों की जीत-हार पर निर्भर रहना पड़ रहा है। जबकि देखा जाए तो एशिया में भारत से ज्यादा स्ट्रॉन्ग टीम अभी कोई भी नहीं है और उसके आगे कहीं भी कोई टीम नहीं टिकटी है। उसके बावजूद भी हम जरा सी गलती की वजह से दोनों मैच हार गए। क्योंकि 20-20 मैच है और एक गेंदबाज 4 ओवर ही कर सकते हैं। ऐसे में 5 अच्छे गेंदबाज तो आपकी टीम में होना ही चाहिए। मोहम्मद शमी अभी मुरादाबाद में ही प्रैक्टिस कर रहे हैं। मैच को लेकर हम बात नहीं करते हैं। क्योंकि अब इस पर बात करने का कोई फायदा नहीं है। अब हम लोग कुछ नहीं कर सकते हैं। ऐसे में वह केवल अपने प्रैक्टिस पर ही ध्यान दे रहे हैं।

उनकी जरूरत ऑस्ट्रेलिया में होनी वाली है। वहां पर टी-20 वर्ल्ड कप है। वहां पर बाउंसी विकेट है। ऐसे में आपको तो स्पीड वाले बॉलर तो चाहिए ही। ऐसे में बुमराह के साथ शमी का होना वहां जरूरी है। मुझे लगता है कि एशिया कप में हार से और मैच में जो खराब प्रदर्शन हुई है। उससे चयनकर्ता शमी को टीम में लेने के लिए सोचेंगे। टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री भी कह चुके हैं कि मैं हैरान हूं कि शमी को टीम में क्यों नहीं लिया गया। शास्त्री टीम इंडिया के कोच रह चुके हैं। शमी के गेंदबाजी को जानते हैं और टीम इंडिया को भी अच्छी तरह समझते हैं। ऐसे में अगर वह शमी के चयन न होने पर सवाल उठा रहे हैं तो सभी को सोचना चाहिए।

भारत ने पाकिस्तान को दी करारी शिकस्त

आसान जीत के साथ किया टूर्नामेंट में आगाज

खेल डेस्क, 8 सितंबर (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा, जबकि टूर्नामेंट में भी जीत के साथ अपना खाता खोला. भारत ने पाकिस्तान को दी करारी शिकस्त, आसान जीत के साथ किया टूर्नामेंट में आगाजभारत ने मैच के दोनों हाफ में गोल किए और पाकिस्तान को कोई मौका नहीं दिया.

इन दिनों खेल जगत में काफी ज्यादा चर्चा भारत-पाकिस्तान मुकाबलों को लेकर है. क्रिकेट के मैदान में दोनों टीमें दो बार एशिया कप में टकरा चुकी हैं. भारत ने इस टक्कर में पहले मैच जीता, जबकि दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को हरा दिया. वहीं क्रिकेट के मैदान से अलग भी भारत-पाकिस्तान के मुकाबले पर नजरें थीं और मुकाबला हुआ फुटबॉल का, जहां भारत ने पाकिस्तान को धो दिया. साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन की महिला चैंपियनशिप के इस मैच में भारत ने 3-0 से जीत दर्ज की.

नेपाल की राजधानी काठमांडू में इन दिनों ये चैंपियनशिप शुरू हो रही है. भारत ने पहले भी पाकिस्तान को हराया है और इस बार भी कहानी नहीं बदली. काठमांडू के दशरथ स्टेडियम में बुधवार 7 सितंबर को ये मुकाबला हुआ और डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने बिना किसी परेशानी के पाकिस्तान को शिकस्त दी और अपने अभियान की अच्छी शुरुआत की. पाकिस्तानी महिला टीम 3 साल के बाद पहली बार इंटरनेशनल फुटबॉल खेल रही है. स जीत के साथ ही चैंपियनशिप में भारत के अजेय क्रम का सिलसिला 27वें मैच में भी जारी रहा. भारत के लिए असल में इस मैच में खाता पाकिस्तानी कप्तान मारिया जमील खान ने खोला. उनके आत्मघाती गोल ने भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई जिसके बाद डेंगमेई ग्रेस के शानदार गोल से भारत ने पहले हाफ में 2-0 की बढ़त के साथ मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी. इसके बाद दूसरे हाफ के आखिरी क्षणों में सौम्या गगुलोथ के गोल से भारत ने जीत के अंतर को 3-0 कर दिया.

नीरज चोपड़ा फिर रचेंगे इतिहास

डायमंड लीग फाइनल्स जीत पर नजरें

खेल डेस्क, 8 सितंबर (एजेंसियां)। ओलिंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की नजरें एक बार फिर इतिहास रचने पर हैं और वह गुरुवार को यहां प्रतिष्ठित डाइमंड लीग फाइनल्स में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे. चोपड़ा ने चोट के कारण एक महीने तक बाहर रहने के बाद जोरदार वापसी करते हुए डाइमंड लीग सीरीज का लुसाने चरण जीतकर यहां दो दिवसीय फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया. वह लुसाने में डाइमंड लीग का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने थे. जुलाई में संयुक्त राज्य अमेरिका में विश्व चैंपियनशिप में रजत जीतने के दौरान उनकी ग्रोइन में मामूली चोट लगी थी जिसके कारण वह बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाए थे.

24 साल के भारतीय सुपरस्टार ने वापसी के तुरंत बाद फॉर्म हासिल करते हुए 26 जुलाई को लुसाने में अपने पहले ही प्रयास में भाले को 89.08 मीटर तक फेंककर खिताब अपने नाम किया था. उन पर चोट का कोई असर नहीं दिख रहा था और उन्होंने अपने करियर का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया. हरियाणा में पानीपत के पास खंडरा गांव के इस युवा खिलाड़ी की नजरें अब अपने पहले डाइमंड लीग फाइनल्स खिताब पर होंगी. उन्होंने 2017 और 2018 में भी फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था और वो सातवें और चौथे स्थान पर रहे.

नीरज पहनेंगे डाइमंड लीग चैंपियन का ताज ?

छह सदस्यीय फाइनल्स में विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स नहीं होंगे जो पिछले महीने अपने देश में एक नाव के अंदर हमले के बाद चोटों से उबर रहे हैं. चोपड़ा के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी चेक गणराज्य के ओलिंपिक रजत पदक विजेता याकुब वाडलेज होंगे जिन्हें भारतीय खिलाड़ी ने लुसाने में भी पछाड़ा था. इस सत्र में 90 मीटर से अधिक थ्रो करने वाले वाडलेज ने लुसाने में 85.88 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. उन्होंने ज्यूरिख फाइनल्स में सर्वाधिक 27 अंक के साथ जगह बनाई जबकि चोपड़ा ने 15 अंकों के साथ चौथे स्थान पर क्वालीफाई किया. डाइमंड लीग तालिका में शीर्ष छह खिलाड़ियों ने ज्यूरिख फाइनल्स में क्वालीफाई किया.

पिछले साल अगस्त में टोक्यो ओलिंपिक खेलों में स्वर्ण जीतने के बाद से चोपड़ा ने इस सत्र में चार बार 31 वर्षीय वाडलेज के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की है और भारतीय खिलाड़ी ने हर बार चेक गणराज्य के खिलाड़ी को पछाड़ा है. वाडलेज हालांकि चोपड़ा से अधिक अनुभवी हैं और दो बार (2016 और 2017) डाइमंड लीग फाइनल विजेता रहे चुके हैं. उनके नाम विश्व चैंपियनशिप में दो पदक – एक रजत (2017) और एक कांस्य (2022) है. वह एक तोक्यो ओलिंपिक में भी रजत पदक जीत चुके हैं. उनका सत्र और व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 90.88 मीटर है जो उन्होंने मई में डाइमंड लीग के दोहा चरण में रजत पदक जीतने के दौरान किया था.

आईसीसी ने जारी किया वार्मअप शेड्यूल

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से भिड़ेगा, 10 अक्टूबर से शुरू होंगे मुकाबले

वर्ल्ड कप का वार्मअप शेड्यूल

भारत के वार्मअप मैच

तारीख	मैच	मैदान
17 अक्टूबर	ऑस्ट्रेलिया vs भारत	गाबा
19 अक्टूबर	न्यूजीलैंड vs भारत	गाबा

तारीख	मैच
10 अक्टूबर	वेस्ट इंडीज vs यूएई
10 अक्टूबर	स्कॉटलैंड vs नीदरलैंड्स
10 अक्टूबर	श्रीलंका vs जिम्बावे
11 अक्टूबर	नाम्बिया vs आयरलैंड
12 अक्टूबर	वेस्ट इंडीज vs नीदरलैंड्स
13 अक्टूबर	श्रीलंका vs आयरलैंड
13 अक्टूबर	स्कॉटलैंड vs यूएई
17 अक्टूबर	ऑस्ट्रेलिया vs भारत
17 अक्टूबर	न्यूजीलैंड vs साउथ अफ्रीका
17 अक्टूबर	इंग्लैंड vs पाकिस्तान
17 अक्टूबर	अफगानिस्तान vs बांग्लादेश
19 अक्टूबर	अफगानिस्तान vs पाकिस्तान
19 अक्टूबर	बांग्लादेश vs साउथ अफ्रीका
19 अक्टूबर	न्यूजीलैंड vs भारत

खेल डेस्क, 8 सितंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोशल मीडिया पर आईसीसी वर्ल्ड टी-20 का शेड्यूल गुरुवार को जारी किया है। इसका पहला मैच 23 अक्टूबर को भारत पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा। वर्ल्ड टी20 का फाइनल 13 नवंबर को खेला जाएगा। यह टूर्नामें ट कुल 20 दिन तक ऑस्ट्रेलिया में खेला जाएगा।

23 अक्टूबर से सुपर 12 के मुकाबले शुरू होंगे। इससे पहले सुपर 12 में क्वालीफाई करने वाली टीमें आपस में वार्मअप मैच में खेलेंगी। वर्ल्ड टी-20 के वार्मअप मैच 10 अक्टूबर से शुरु हो जाएंगे।

वार्मअप मैच का शेड्यूल

वर्ल्ड टी20 का पहला वार्मअप मैच 10 अक्टूबर को यूएई और वेस्टइंडीज के बीच खेला जाएगा। इसमें कुल 15 मुकाबले खेले जाएंगे। सारी टीमें दो वार्मअप मुकाबले खेलेंगी।

भारत के वार्मअप मैच

भारत का वर्ल्ड कप में पहला मैच पड़ोसी पाकिस्तान के खिलाफ है। इस मुकाबले से पहले भारत के पास वार्मअप मैच में अपनी फॉर्म वापस हासिल करने का पूरा मौका होगा। वर्ल्ड कप के मुख्य मुकाबलों से पहले भारत को दो वार्मअप मैच खेलने हैं। भारत अपना पहला वार्मअप मुकाबला 17 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा, जबकि उसका दूसरा मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 अक्टूबर को होगा। ये है भारत शेड्यूल...

2021 में ग्रुप स्टेज से हुए थे बाहर

भारत 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में मजबूत दावेदारी के साथ उतरेगा। 2021 वर्ल्ड कप में भारत को बहुत बड़ा झटका झेलना पड़ा था। भारत पिछले साल खेले गए वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया था। वर्ल्ड कप 2021 में उन्हें पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

यूएस ओपन : फ्रांसिस टियाफो ने खत्म किया 16 साल का इंतजार

सेमीफाइनल में पक्की की जगह

खेल डेस्क, 8 सितंबर (एजेंसियां)। यूएस ओपन 2022 में दिग्गजों की विदाई के बाद फैंस को कई नए खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिल रहा है. 21 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले राफेल नडाल को हराने वाले फ्रांसिस टियाफो ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की. टियाफो ने अपने ऊंची रैंकिंग वाले आंद्रे रूबलेव को मात देकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया. 2006 में एंडी रोडिक के बाद यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले मेजबान देश के पहले खिलाड़ी बने.

टियाफो ने बनाई सेमीफाइनल में जगह

चौथे दौर में 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रफेल नडाल को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाले 22वें वरीय टियाफो ने एक और उपलब्धि हासिल करते हुए नौवें वरीय रूबलेव को 7-6 (3), 7-6 (0), 6-4 से हराया. चौबीस साल के टियाफो ने कहा, मैं दुनिया को यह दिखाना पसंद करता हूं कि मैं क्या कर सकता हूं. मैं बस कोर्ट पर उतरकर दर्शकों को वह देना चाहता हूं जो वे चाहते हैं – और यही मुझे जीत दिला रहा है.

टियाफो ने रचा इतिहास

बुधवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में मौजूद रोडिक 16 साल पहले खिताबी मुकाबले में रोजर फेडरर से हार गए थे.

वह न्यूयॉर्क में सेमीफाइनल में पहुंचने वाले आखिरी अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी थे. रोडिक 2003 में यूएस ओपन में खिताबी जीत के साथ कोई भी ग्रैंडस्लैम एकल चैंपियनशिप जीतने वाले देश के अंतिम पुरुष खिलाड़ी भी हैं. इस बार टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स में ऐसा कोई खिलाड़ी नहीं बचा है जिसने कोई बड़ा खिताब जीता हो. सेमीफाइनल में टियाफो की भिड़ंत शुक्रवार को तीसरे वरीय कार्लोस अल्कारेज और 11वें वरीय यानिक सिनर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगी.

अफगानिस्तान-पाकिस्तान मैच के बाद मारपीट

स्टेडियम में फैंस ने एक-दूसरे पर कुर्सियां फेंकीं, मैच में आसिफ ने फरीद पर ताना था बैट

दुबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप के सुपर 4 मुकाबले में अफगानिस्तान पर पाकिस्तान की जीत के बाद दर्शक स्टेडियम में ही भिड़ गए। दर्शकों ने एक-दूसरे पर जमकर कुर्सियां फेंकी, नारेबाजी और झंडे लहराए। कुछ अफगानिस्तानी समर्थकों ने पाकिस्तानी फैंस को पीटा भी। अफगानिस्तान-पाकिस्तान मैच के दौरान तनाव और झड़प से पहले महौल काफी खुशनुमा नजर आ रहा था। कई मौकों पर पाकिस्तानी खिलाड़ी मस्ती करते भी नजर आए। अफगानिस्तान के विकेट कीपर हारिस रऊफ और पाकिस्तानी गेंदबाज शादाब, राशिद खान और हारिस रउफ कई मौकों पर एक-दूसरे से मजाक करते दिखे।

मैच के दौरान पाकिस्तानी बैटर आसिफ और अफगानी बॉलर फरीद के बीच भी तीखी नोंकझोंक हुई थी। 19वां ओवर फेंकने आए फरीद की चौथी गेंद पर आसिफ ने सिक्स जड़ दिया। अगली ही गेंद पर फरीद ने आसिफ को कैच आउट कराया। नॉन स्ट्राइकर एंड पर जा रहे आसिफ और फॉलो थ्रू में जा रहे फरीद टकरा गए। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे को कुछ कहा और आसिफ ने फरीद को मारने के लिए बल्ला उठा लिया। दोनों टीमों के प्लेयर्स को बीचबचाव करने आना पड़ा। 6 गेंदों पर 12 रन चाहिए था। पूरे टूर्नामेंट में शानदार बॉलिंग कर रहे फजल्लाह फारुकी के हाथ में गेंद थी। लग रहा था कि पाकिस्तान की हार तय है। लेकिन, फारुकी ने लगातार 2 गेंदें फुलटॉस फेंकी और नसीम ने दोनों गेंदों पर सिक्स लगाकर पाकिस्तान को जीत दिला दी। इसके बाद पाकिस्तानी प्लेयर्स हों या फिर फैंस सबने जमकर जश्न मनाया और वो भी काफी आक्रामक अंदाज में। बताया जा रहा है कि मैच खत्म होने के बाद ही पाकिस्तानी फैंस अफगानी समर्थकों को चिढ़ाने लगे।

रोड सेफ्टी सीरीज का हिस्सा बने सुरेश रैना

बोले- शुरू कर दिया है अभ्यास, ग्रीन पार्क में इंडिया लीजेंड्स की ओर से दम दिखाने को हूं तैयार

कानपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के आलराउंडर स्टार सुरेश रैना रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में इंडिया लीजेंड्स टीम का हिस्सा भी बन गए है। गुरुवार को उन्होंने पहले मैच के लिए अभ्यास करना शुरू कर दिया है। जो उनके फैंस के लिए अच्छी खबर है। बता दें कि उन्होंने मंगलवार को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने का ऐलान किया है। हालांकि इस दौरान उन्होंने भारत के बाहर होने वाली लीग में खेलने की बात भी कही थी।

सुरेश रैना ने बताया कि वह रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में भारतीय लीजेंड टीम का हिस्सा बन गए हैं। इसके लिइ उन्होंने अभ्यास करना शुरू कर दिया है। वह सीरीज में अपना दम दिखाने के लिए तैयार हैं।

के कन्वीनर अनस बकई ने जानकारी देते हुए बताया कि सुरेश रैना से वर्ल्ड सीरीज में शामिल होने की बात काफी पहले से चल रही थी। बुधवार को उन्होंने हामी भरते हुए इंडिया लीजेंड्स की टीम में शामिल होने की बात मान ली है। रैना को वीरेंद्र सहवाग की जगह टीम में शामिल किया गया है।

सहवाग की दम पर पिछले साल इंडिया बनी थी चैंपियन

पिछले साल इंडिया लीजेंड्स वीरेंद्र सहवाग के दम पर चैंपियन बनी थी, लेकिन इस सीजन वह किसी कारणवश इंडिया लीजेंड्स टीम का हिस्सा नहीं है। ऐसे में टूर्नामेंट के फारमेट क देखते हुए टीम को एक विस्फोटक बल्लेबाज की जरूरत महसूस हो रही हौ। जिसे युवराज का साथ मध्यक्रम में सुरेश रैना ही पूरी कर सकते हैं। उनके टीम में शामिल होने के बाद अब भारतीय टीम के सीरीज जीतने के चांस और भी बढ़ गए हैं।

नसीम के छक्कों ने बाबर को दिलाई मियांदाद की याद

शारजाह स्टेडियम में ही लगाया था सिक्स, शास्त्री बोले- मैं उस वक्त वहां मौजूद था

दुबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2022 के सुपर-4 के महत्वपूर्ण मैच में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को शिकस्त दे दी। इसके साथ ही एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान ने जगह बना ली है। भारत के फाइनल में पहुंचने की उम्मीद भी खत्म हो गई है। जीत के बाद पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम के बयान ने भारतीयों को पाकिस्तान को दी एक पुरानी शिकस्त को याद करने पर मजबूर कर दिया। मैच के बाद रवि शास्त्री ने बाबर आजम से पूछा, 'दो छक्के फाइनल में पहुंचा रहे हैं, तो यह बड़ी बात है।' इस पर बाबर ने कहा, 'बिल्कुल, मेरे ख्याल से इन दो छक्कों ने जावेद भाई (मियांदाद) की याद दिलाई है। शारजाह में उन्होंने छक्का मारा था।' इस पर शास्त्री ने हंसते हुए कहा, 'मैं था उस दिन। याद दिलाने के लिए धन्यवाद।'

36 साल बाद वही अंदाज

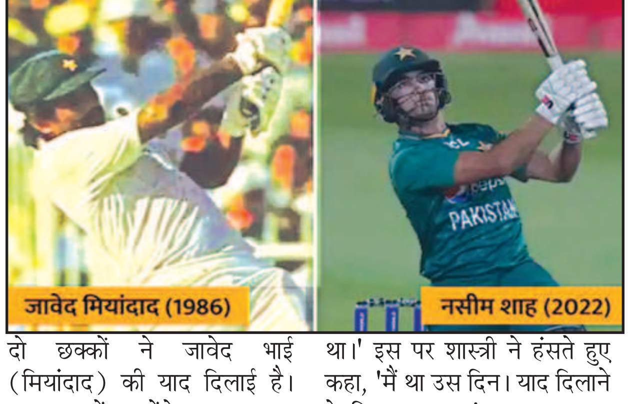

जावेद मियांदाद (1986) — नसीम शाह (2022)

नसीम के 2 छक्कों ने पाकिस्तान को दिलाई जीत

एशिया कप 2022 के सुपर-4 के मैच में टॉस जीतने के बाद पाकिस्तान ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। अफगानिस्तान की टीम ने पाकिस्तान को 130 रन का टारगेट दिया। टारगेट का पीछा करते हुए पाकिस्तानी टीम ने आखिरी ओवर के दूसरी गेंद पर 9 विकेट खोकर 131 रन बनाए।

जीत के लिए पाकिस्तान को छह बॉल पर 11 रन की जरूरत थी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह ने आखिरी ओवर में लगातार 2 छक्के लगाकर मैच का रुख बदल दिया।

तेलंगाना के इतिहास में दर्ज होगी महिला राज्यपाल से भेदभाव की दास्ता : डॉ. तमिलिसाई

राज्यपाल पद की गरिमा से हो रहा है खिलवाड़, प्रोटोकाल का पालन नहीं

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपने कार्यकाल के चौथे साल में प्रवेश करने वाली तेलंगाना की राज्यपाल व पुड्डुचेरी की लेफ्टिनेंट गवर्नर डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन के बयान से राज्य का राजनीतिक पारा गरमा गया। तीन साल से सरकार के खिलाफ अपना नरम रवैया अपनाने वाली राज्यपाल का दर्द आज छलक पड़ा। डॉ. तमिलिसाई ने इशारे ही इशारे में तेलंगाना सरकार पर कई आरोप लगाए।

उन्होंने राजभवन में चुनिंदा पत्रकारों से मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव सरकार द्वारा किए जा रहे भेदभाव का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य के इतिहास में यह लिखा जाएगा कि एक महिला राज्यपाल के साथ कैसा भेदभाव किया गया है। राज्य की पहली नागरिक होने के नाते संविधान के अनुसार राज्यपाल का सम्मान होना चाहिए। राज्यपाल सौंदराराजन ने आरोप लगाया कि उन्हें अभिभाषण की इजाजत नहीं दी गई और यहां तक कि गणतंत्र दिवस पर तिरंगा भी नहीं फहराने दिया गया। तेलंगाना के किसी जिले में जाने पर प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जाता। राज्यपाल के कार्यालय की गरिमा का ध्यान रखा जाना चाहिए। राज्यपाल सौंदरराजन को आज राजभवन में तीन साल पूरे हो चुके हैं। तेलंगाना के लोगों की सेवा में चौथे वर्ष की शुरुआत कार्यक्रम में भाग लेते हुए राज्यपाल ने मुख्यमंत्री केसीआर सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के कार्यालय को अपमानित किया जा रहा है। ऐसी चीजें हद पार कर गईं तो जनता के सामने आनी चाहिए। तेलंगाना की जनता को भी सच्चाई से अवगत होना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि हाल ही में एक दक्षिणी क्षेत्रीय बैठक हुई थी। मैंने पुडुचेरी के उपराज्यपाल के रूप में इसमें भाग लिया था और उस बैठक में 75 प्रतिशत मुद्दे तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से थे। सभी मुख्यमंत्री वहां थे, ऐसे में मुख्यमंत्री केसीआर क्यों इसमें शामिल नहीं हुए? जब केंद्रीय गृह मंत्री समस्या को हल करना चाहते हैं, तो आपको क्या समस्या है, आप उस अवसर का उपयोग क्यों नहीं कर रहे हैं? इसलिए आपके केंद्र सरकार के साथ अच्छे संबंध होने चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा चुने गए लोगों को तेलंगाना के हित में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि एक डॉक्टर होने के नाते मैं दावे से कह सकती हूं कि सरकारी अस्पतालों की स्थिति वास्तव में बेहद खराब है और एक सरकारी अस्पताल के निदेशक को एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया जा रहा है। राजनेता प्राइवेट अस्पतालों में उपचार करवा रहे हैं और भर्ती हो रहे हैं। यदि वे अपना काम ठीक तरीके से कर रहे हैं और यदि प्रत्येक जनप्रतिनिधि लोगों तक आसानी से पहुंच सकते हैं, तो लोग अपनी समस्या लेकर मेरे पास क्यों आ रहे हैं? कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब मैं जिलों का दौरा करती हूं, एसपी-कलेक्टर आते हैं और प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते। मुझे नहीं पता कि वे किससे निर्देश ले रहे हैं और नहीं आ रहे हैं। मुझे परवाह नहीं है कि वे नहीं आते हैं। केसीआर सरकार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मैंने कुछ समस्याओं की ओर इशारा किया है और सरकार को सूचित किया है, लेकिन मुझे नहीं पता कि वे इस पर गौर कर रहे हैं या नहीं। राज्यपाल ने कहा कि वे कहते हैं कि राज्यपाल इधर-उधर नहीं जा सकते, लेकिन राज्यपाल के लिए कोई सीमा नहीं होती। मेरा इरादा केवल लोगों की मदद करना है और सब कुछ लोगों की सेवा के लिए है। राज्य के दौरे को लेकर मेरी आलोचना करने वालों के लिए यह एक सबक है। वे भी घर से निकलकर बाढ़ आदि से परेशान लोगों से मिल सकते है। केसीआर सरकार की आलोचना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जब मेरे द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एक शीर्ष निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल नहीं हो रहा है, तो उनके कार्यालय को कम से कम हमें सूचित करना चाहिए। उचित प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए, क्योंकि ये बातें तेलंगाना के इतिहास में लिखी जाएंगी।

उन्होंने कहा कि सरपंच से लेकर राजभवन तक का कार्यालय जनता की सेवा के लिए है। राज्यपाल ने साफ तौर कहा कि किसी राजनीतिक दल से मेरा कोई लगाव और संबंध नहीं है। बहुत सारे दलों के लोग मुझसे मिलने आते हैं। राज्यपाल ने अपनी संबोधन की शुरूआत तेलुगु भाषा में करते हुए कहा कि वे तेलंगाना के लोगों से बहुत प्यार करती हैं। उनका कोई और किसी प्रकार स्वार्थ नहीं है। बस वे लोगों की भलाई के लिए काम कर रही है। उन्होंने आदिवासियों के कल्याण कार्यो के साथ ही बासर आईआईटी, खम्मम बाढ़ आदि के दौरे की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि पूरे दुनिया के सबसे बड़े आदिवासी मेले सारक्का-समक्का जातरा में भाग लेने के लिए राज्य सरकार से हेलीकाप्टर मांगा था, सरकार की ओर से कोई जबाव नहीं आया। इसलिए मैने कार से अपनी यात्रा की।

गणेश प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुख्ता इंतजाम : महेश भागवत

सीपी राचकोंडा ने अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के सीपी महेश भागवत ने अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक के दौरान कर्मचारियों को विसर्जन के दौरान लोगों और भक्तों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने का निर्देश दिया और अधिकारियों को भगवान गणेश की मूर्तियों के विसर्जन के लिए बेहतर व्यवस्था करने का निर्देश दिया। सीपी ने ट्रैफिक पुलिस को एलबी नगर में ब्रीफिंग सत्र के दौरान जुलूस के लिए रूट मैप का पालन करने के लिए लॉ एंड ऑर्डर टीमों के साथ समन्वय करने का भी निर्देश दिया है। पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए सीपी ने कहा कि राचकोंडा पुलिस हर साल शांतिपूर्ण तरीके से विसर्जन के लिए पूरी सावधानी बरत रही है और महिलाओं के लिए विशेष सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं। महिलाओं को सुविधाएं प्रदान करने के एक हिस्से के रूप में, सीपी ने उल्लेख किया कि विसर्जन स्थलों पर महिलाओं की सुविधा के लिए इस वर्ष विशेष मोबाइल शी शौचालय शामिल किए जाएंगे। सीपी ने कहा कि एलबी नगर जंक्शन पर ट्रैफिक जाम की संभावना अधिक है क्योंकि यह विजयवाड़ा राजमार्ग के माध्यम से आने वाले भक्तों और सामान्य यात्रियों के लिए प्रवेश बिंदु है और अधिकारियों को सुचारू जुलूस के लिए अतिरिक्त प्रयास करने का निर्देश दिया। सीपी ने उल्लेख किया कि सरूरनगर, मंतराला चेरुवु, जलपल्ली झील, मंसूराबाद और अन्य स्थानों पर विसर्जन के लिए कई तालाबों, बेबी तालाबों और झीलों को अधिसूचित किया गया है और कहा कि एनटीआर बाजार और सरूरनगर सरकार जूनियर कॉलेज ग्राउंड में कुछ बनावटी शिशु तालाब भी स्थापित किए गए हैं। सीपी ने कर्मचारियों को विसर्जन स्थलों पर भक्तों के लिए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करने का निर्देश दिया और कहा कि सामान्य नागरिक विसर्जन देखने आएंगे और अधिकारियों को विशेष टीमों को तैनात करने का निर्देश दिया ताकि असमान घटनाओं के लिए कोई जगह न हो जिससे और परेशानी हो। इस अवसर पर अतिरिक्त सीपी जी सुधीर बाबू , सनप्रीत सिंह डीसीपी एलबी नगर, बाला डीसीपी रोड सेफ्टी, अतिरिक्त डीसीपी शमीर कार अंबरपेट, अतिरिक्त डीसीपी क्राइम श्रीनिवास, एसीपी एसबी जावेद, एसीपी श्रीधर रेड्डी, एसीपी हरिनाथ साइबर क्राइम और राचकोंडा के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ओआरआर पर यात्रियों के लिए सभी शिकायतें दर्ज करने के लिए टोल फ्री नंबर जल्द

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) पर यात्रियों के लाभ के लिए अन्य सेवाओं के अलावा, आपातकालीन देखभाल सेवाओं का विस्तार करने के लिए, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) की एक शाखा, हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड (एचजीसीएल) जल्द ही एक टोल फ्री नंबर लॉन्च करेगी, जो ओआरआर पर सभी प्रकार की शिकायतों की रिपोर्ट करने के लिए वन स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में कार्य करेगा।

एचजीसीएल ने गुरुवार को ट्वीट किया कि जल्द ही हम 5 अंकों का टोल फ्री नंबर शुरू कर रहे हैं और यह किसी भी शिकायत के लिए एकल बिंदु संपर्क के रूप में कार्य करेगा। वर्तमान में आपातकालीन सेवाओं के लिए टोल फ्री नं. 1066 (कोकपेट से घाटकेसर), 105910 (तारामातीपेट से नानकरामगुडा) काम कर रहे हैं। जल्द ही हम 5 अंकों का टोल फ्री नंबर शुरू कर रहे हैं और यह किसी भी शिकायत के लिए एकल बिंदु संपर्क के रूप में कार्य करेगा। वर्तमान में आपातकालीन सेवाओं के लिए निम्नलिखित टोल फ्री नंबर चालू हैं। 1066 (कोकापेट से घाटकेसर), 105910 (तारामातीपेट से नानकरामगुडा)। ओआरआर पर दुर्घटनाओं में घायल यात्रियों को उन्नत आपातकालीन चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए, एचएमडीए ने पहले ओआरआर इंटरचेंज पर 16 आघात देखभाल केंद्र और 10 उन्नत जीवन समर्थन एम्बुलेंस स्थापित किए थे।

हिंदू समुदाय को नीचा दिखाने की कोशिश कर रही है सरकार : बंडी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने हुसैन सागर को 'विनायक सागर' कहा

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने प्रसिद्ध 'हुसैन सागर' को 'विनायक सागर' के रूप में संदर्भित किया, जबकि तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार पर गणेश उत्सव की कथित गैर-व्यवस्था के लिए उसे फटकार लगाई।

भाजपा अध्यक्ष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन 'हुसैन सागर' नाम से प्रसिद्ध 'विनायक सागर' में होगा। उन्होंने तेलंगाना सरकार पर गणेश नवरात्रि उत्सव की व्यवस्थाओं में पूरी तरह विफल रहने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह हर साल एक ही बात है। भाग्य नगर गणेश उत्सव समिति के सड़कों पर धरना प्रदर्शन करने के बाद ही सरकार ने व्यवस्थाएं शुरू कीं। जहां हिंदू संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दारुस्सलाम में एआईएमआईएम मुख्यालय में जश्न मनाया जा रहा है। यह टीआरएस पार्टी की स्थिति है। दो दिनों में, बड़े विसर्जन किए जाने वाले हैं और अब तक न्यूनतम व्यवस्था भी नहीं की गई है। सुबह कुछ क्रेनें ही लगाई गईं, जो अभी काम नहीं कर रही हैं। पिछली बार करीब 60 क्रेनें लगाई गई थीं। हिंदुओं को इस स्थिति के बारे में सोचना होगा। भाजपा प्रमुख ने टीआरएस सरकार पर हिंदू समुदाय को निशाना बनाने और हिंदू त्योहारों को नजरअंदाज करने का भी आरोप लगाया। बंडी ने कहा कि नगरपालिका मंत्री नास्तिक हैं, जबकि उसके पिता भगवान में विश्वास करते हैं, वह नहीं करता है। कुमार ने तेलंगाना सरकार से पूछा कि भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के साथ बैठक के बाद अनावश्यक नियम-कायदे रखे गए। केवल गणेश प्रतिमा लगाने के लिए हमें ध्वनि अनुमति, ऊंचाई की अनुमति और राजस्व अनुमति की आवश्यकता होती है। क्या हिंदू टैक्स नहीं दे रहे हैं? विनायक सागर में होने वाले विनायक विसर्जन कार्यक्रम में सभी हिन्दुओं को आना चाहिए। सरकार हिंदू समुदाय को नीचा दिखाने की कोशिश कर रही है। अगर नास्तिक है तो तुम्हारा बेटा व्यवस्था कैसे कर सकता है? यह त्योहार के मूल्य को कम करने के लिए पिछले 4 या 5 वर्षों से सरकार की सुनियोजित साजिश है। कुमार ने टीआरएस सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, हम "विनायक सागर" में विसर्जन करेंगे। इससे पहले सोमवार को, बंदी संजय ने केसीआर सरकार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बहाने हैदराबाद के टैंक बंड में गणेश निमज्जनम में बाधा उत्पन्न करने के खिलाफ चेतावनी दी थी।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, संजय ने कहा कि यह "दुर्भाग्यपूर्ण" है कि तेलंगाना राष्ट्र समिति सरकार हर साल गणेश मूर्तियों के विसर्जन के दौरान "तनावपूर्ण माहौल" बना रही है। अगर सरकार भक्तों को उनकी सुविधा के अनुसार गणेश प्रतिमाओं के विसर्जित करने में सहयोग नहीं करती है तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

टीएसआरटीसी ने मेदक चर्च के लिए विशेष बसों की व्यवस्था की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक कैथेड्रल चर्च के लिए विशेष बसों की घोषणा करते हुए, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के प्रबंध निदेशक ने बस मार्गों का विवरण साझा किया है। मेदक कैथेड्रल चर्च के लिए विशेष बसें जो रफ गॉथिक शैली में बनाई गई हैं और एशिया में दूसरे सबसे बड़े चर्च के रूप में मान्यता प्राप्त हैं। राज्य में तीन अलग-अलग स्थानों से बसों की व्यवस्था की जाती है-जेबीएस बस स्टॉप, नारायणखेड़, और जहीराबाद चर्च से आने-जाने के लिए चलेंगी। जहीराबाद से मेदक के लिए बस सुबह 6:30 बजे निर्धारित है। मेदक से जहीराबाद के लिए वापसी की बस दोपहर 2:30 बजे होगी। नारायणखेड़ कस्बे से बस सुबह साढ़े आठ बजे रवाना होगी और दोपहर दो बजे मेडक से लौटेगी। जेबीएस बस स्टॉप से, बसें सुबह 5:00 बजे से रात 8:00 बजे तक हर दस मिनट में एक की आवृत्ति पर प्रस्थान करने वाली हैं। मेदक चर्च दक्षिण भारत में सबसे अधिक देखे जाने वाले चर्चों में से एक है, जिसे दिसंबर 1924 के आसपास बनाया गया था। 300 एकड़ में फैले, ब्रिटेन से आयातित मोज़ेक टाइलें, विशाल स्तंभ, सना हुआ ग्लास खिड़कियां और त्रुटिहीन शिल्प कौशल इस जगह के प्रमुख आकर्षण हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.